नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 193 | नई दिल्ली, सोमवार 09 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं... पेज-12

एक नजर

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस सप्ताह रूस जायेंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस सप्ताह रूस की यात्रा करेंगे। भारत रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। इसी संदर्भ में डोभाल रूस जायेंगे। सूत्रों ने विदेश से जुड़े नए घटनाक्रम की पुष्टि की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में यूक्रेन की यात्रा की थी। उन्होंने संघर्ष समाप्ति में भारत की भूमिका को लेकर सकारात्मक पहल का वादा किया था। इससे पहले वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर रूस गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा के बाद राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत की थी। जानकारी के अनुसार इसी बातचीत में डोभाल की रूस यात्रा की भूमिका तय हुई है। हालांकि अभी तक इस यात्रा के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

पैरालंपिक 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पेरिस पैरालंपिक 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है खेलों में हमारे एथलीटों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। श्री मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पैरालंपिक 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है। भारत इस बात से बेहद खुश है कि हमारे बेहतरीन पैरा-एथलीटों ने 29 पदक जीते हैं, जो कि खेलों में भारत के पदार्पण के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि हमारे एथलीटों के अटूट समर्पण और अदम्य भावना के कारण है। उनके खेल प्रदर्शनों ने हमें कई यादगार पल दिए हैं और कई उभरते एथलीटों को प्रेरित किया है। उल्लेखनीय है कि भारत ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदक जीते है।

भारत में आया मंकीपॉक्स का पहला संदिग्ध मामला

नई दिल्ली। भारत में घातक एवं संक्रामक रोग मंकीपॉक्स का पहला संभावित मामला सामने आया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में आज जानकारी दी है। मंत्रालय का कहना है कि जांच जारी है और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। मंत्रालय का कहना है कि हाल ही में विदेश यात्रा से लौटे युवा पुरुष रोगी की पहचान एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) के संदिग्ध मरीज के तौर पर हुई है। रोगी को एक निर्दिष्ट अस्पताल में अलग रखा गया है और वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है। वह ऐसे देश की यात्रा करके आया है जहां मंकीपॉक्स के मामले पाए गए हैं। एमपॉक्स की उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए रोगी के नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है। मामले को स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रबंधित किया जा रहा है और संभावित स्रोतों की पहचान करने और देश के भीतर प्रभाव का आकलन करने के लिए संपर्क ट्रेसिंग जारी है। मंत्रालय के अनुसार इस मामले का विकास एनसीडीसी द्वारा किए गए पहले के जोखिम मूल्यांकन के अनुरूप है और किसी भी अनावश्यक चिंता का कोई कारण नहीं है। देश इस तरह के अलग-अलग यात्रा से संबंधित मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी संभावित जोखिम को प्रबंधित करने और कम करने के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं।

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद रुके बिना नहीं होगी पाक से बात : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने पीओके के लोगों से भारत में शामिल होने की अपील की

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर की धरती से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जिस दिन जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाना बंद कर देगा हम उससे बातचीत करने के लिए तैयार हो जाएंगे। बनिहाल विधानसभा में पार्टी का प्रचार करने पहुंचे सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है,यह अनुच्छेद बहाल नहीं किया जाएगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पाकिस्तान से बातचीत का आह्वान किया है। पार्टियों का नाम लिए बिना सिंह ने कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि हम पाकिस्तान से बात करें। मैं उनसे कहना चाहता हूं...पाकिस्तान को आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना होगा। कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? हम सभी यह चाहते हैं, क्योंकि मैं इस वास्तविकता को जानता हूं कि आप अपने मित्र को बदल सकते हैं, लेकिन अपने पड़ोसी को नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद को रोकना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देगा, तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करेगा।

पीडीपी और एनसी से सवाल, कश्मीर में आतंक का माहौल किसने बनाया

सिंह ने सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर में आतंक का माहौल किसने बनाया- भाजपा ने या जिन्होंने लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर पर शासन किया?रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बदलाव दिख रहा है, जहां आतंकवाद में कमी आई है और सड़कें, राजमार्ग और सरकारी योजनाएं केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने कभी भी जम्मू-कश्मीर के साथ न्याय नहीं किया और हमेशा भेदभावपूर्ण नीतियों को आगे बढ़ाया।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय टीम : अमित शाह

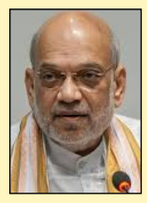

नई दिल्ली। अगले साल पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेली जानी है। आईसीसी के इस टूनामेंट के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। टीम इंडिया का पाकिस्तान दौरा पूरी तरह से सरकार पर निर्भर करता है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिए हैं कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी।

दरअसल अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनाव से पहले बीजेपी का घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान उन्होंने कहा, "बातचीत और बम एक साथ नहीं चल सकते। जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं हो जाता, हम पाकिस्तान से बातचीत के पक्ष में नहीं हैं।" अमित शाह के इस बयान को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

कश्मीर में आतंकी घटनाओं में सबसे ज्यादा मुसलमानों की ही जानें गई हैं- राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की चपेट में आने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थी। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूं और मुझे पता है कि आतंकवादी घटनाओं में सबसे अधिक मुसलमानों की जान गई।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी पर आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने का आरोप लगाते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को काफी हद तक खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी कीमत पर आतंकी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। क्या आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं, मुसलमानों या ईसाइयों की जान लेना आपको स्वीकार्य है?

नई शिक्षा नीति को नहीं अपनाने वाले राज्य करें पुनर्विचार : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज सभी लोगों से कम से कम एक व्यक्ति को साक्षर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने उन राज्यों से अपील की जिन्होंने अभी तक नई शिक्षा नीति (एनईपी) को नहीं अपनाया है। उन्होंने कहा कि वे अपने रुख पर पुनर्विचार करें।

आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि नई शिक्षा नीति देश के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाली है। उन्होंने कहा, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे युवाओं को उनकी प्रतिभा और ऊर्जा का पूरा दोहन करने का अधिकार देती है, जिसमें सभी भाषाओं को उचित महत्व दिया गया है।

देश के संस्थानों को कलंकित और अपमानित करने वाले लोगों के प्रति आगाह करते हुए धनखड़ ने उन गुमराह लोगों को रास्ता दिखाने का आग्रह किया जो भारत के प्रभावशाली विकास को स्वीकार करने में सक्षम नहीं हैं और जमीनी हकीकत को नहीं पहचान रहे हैं।

इस दौरान उपराष्ट्रपति ने सभी से साक्षरता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि हम प्रतिबद्धता और जुनून के साथ मिशन मोड में काम करें ताकि जल्द से जल्द 100 प्रतिशत साक्षरता सुनिश्चित की जा सके।

हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी, 9 उम्मीदवारों का ऐलान

चंडीगढ़/नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी ने अपनी दूसरी सूची में 9 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए बृजेंद्र सिंह को उचाना से टिकट दिया गया है। तोशाम से अनिरुद्ध चौधरी, महम से बलराम दांगी, बादशाहपुर से वर्धन यादव, गुरुग्राम से मोहित ग्रोवर, नांगल चौधरी से मंजू चौधरी, टोहाना से परमवी सिंह, थानेसर से अशोक अरोड़ा को टिकट दिया गया है। अब तक कांग्रेस ने दो सूची में कुल 41 कैंडिडेट्स घोषित कर दिए हैं।

बता दें कि बृजेंद्र सिंह हिसार से बीजेपी से सांसद थे, लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में आ गए थे। अब उन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट दिया गया है। बृजेंद्र सिंह का उचाना कलां में दुष्यंत चौटाला के साथ मुकाबला होगा। इसके अलावा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा को गन्नौर विधानसभा से टिकट मिला है।

असंतोष के डर से फूंक-फूंक कर कदम रख रही कांग्रेस

कांग्रेस रणनीति के तहत उन क्षेत्रों से प्रत्याशी घोषित कर रही है, जहां पर असंतोष होने की आशंका कम है। इस सूची में पंचकूला और कैथल का नाम नहीं है। कैथल में संशय बना हुआ है कि रणदीप सुरजेवाला चुनाव लड़ेंगे या उनके बेटे को कांग्रेस टिकट देगी। वहीं, पंचकूला में पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन को लेकर भी यही स्थिति बनी हुई है क्योंकि दूसरी सूची में भी पंचकूला के प्रत्याशी का नाम नहीं है।

अब तक 41 उम्मीदवारों का किया ऐलान

इससे पहले कांग्रेस ने कुछ दिन पहले ही अपनी पहली लिस्ट जारी की थी, जिसमें 31 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई थी। हालांकि, कुछ देर बाद एक और नाम का ऐलान किया गया था। इस तरह अब तक हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस 41 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

बिहार में समय से पहले हो सकते हैं चुनाव!

नीतीश-बीजेपी और तेजस्वी के इस कदम ने दिया इशारा?

दीपक कुमार तिवारी

पटना। बिहार के सियासी माहौल में चुनावी मौसम की गंध आ रही है। सप्ताह भर से बिहार में कुछ ऐसी राजनीतिक घटनाएं हुई हैं, जिससे हर दल और गठबंधन के मन में शंका का भाव दिख रहा है। चिराग पासवान की अपनी ही सरकार के प्रति उलटबांसी से राजनीतिक घटनाक्रम की शुरूआत हुई। उसके बाद चिराग की तरह ही बोलने वाले जेडीयू के प्रवक्ता केसी त्यागी का इस्तीफा आ गया। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर बैठक की। उसी दिन बिहार भाजपा के तमाम सांसद-विधायक सदस्यता अभियान के बहाने जुटे।

अगले दिन चार सितंबर को आरजेडी ने भी अपने सांसदों-विधायकों की बैठक बुलाई। पांच सितंबर को तेजस्वी यादव दिल्ली रवाना हुए और छह सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पटना पहुंच गए। बिहार आने से पहले नड्डा ने चिराग पासवान के साथ बैठक की। राजनीतिक दलों

की अचानक बढ़ी सक्रियता देख कर बिहार में चुनावी माहौल की आहट सुनाई पड़ने लगी है।

जनवरी में नीतीश कुमार की एनडीए में पुनर्वापसी हुई। तभी से यह चर्चा रह-रह कर होती रही कि नीतीश कुमार समय से पहले बिहार विधानसभा का चुनाव कराना चाहते हैं। तब यह भी जानकारी मिली कि भाजपा लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव के पक्ष में नहीं है। हां, लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव हो तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। लोकसभा का चुनाव बीतने के बाद फिर यह चर्चा चली कि नीतीश कुमार चुनाव जल्द कराने की तैयारी में हैं। नीतीश कुमार राज्य में चल रही योजनाओं का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। नई योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं। समीक्षा बैठकें लगातार हो रही हैं। पिछले साल ही नीतीश ने समीक्षा बैठक के दौरान ही कहा था कि काम जल्दी पूरा करें। चुनाव कभी भी हो सकता है। तब से यह बात रह-रह कर उठती रही है कि बिहार में समय से पहले चुनाव हो सकते हैं।

हफ्ते भर से बिहार की राजनीति में अचानक जो सरगर्मी बढ़ी है, उसे भी लोग चुनाव समय से पहले होने की संभावना के तौर पर देख रहे हैं। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार तीसरी बार बनने के बाद से ही इंडिया ब्लॉक ने राज्यों में अपनी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। बंद, विरोध प्रदर्शन जैसी गतिविधियां बिहार में भी दिख रही हैं। बैठकों का दौर शुरू हो गया है। तेजस्वी यादव ने आभार यात्रा निकालने की तैयारी कर ली है। हालांकि तीसरी बार उन्होंने यात्रा की तारीख बदली है। नेताओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। सांसदों-विधायकों की बैठक के बाद तेजस्वी दिल्ली गए हैं। संभव है कि उनकी मुलाकात कांग्रेस के बड़े नेताओं से भी हो। भाजपा के रष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी बिहार दौरे पर आए। इन गतिविधियों को देख कर चुनावी आहट का अनुमान लोग लगाने लगे हैं।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए हुई बैठक में तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार मिले। सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की जो प्रक्रिया है, उसमें तीन सदस्य होते हैं। मुखयमंत्री के अलावा उनके द्वारा नामित कोई व्यक्ति और नेता प्रतिपक्ष कमेटी में होते हैं। इसी वजह से तेजस्वी बैठक में पहुंचे थे। बैठक महज खानापूर्ति थी, लेकिन दोनों नेता करीब घंटा भर साथ रहे। उसके बाद से ही यह बात हो रही है कि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव नए गठजोड़ की कोशिश कर रहे हैं। यह बात गलत भी हो सकती है, लेकिन नीतीश कुमार का जैसा अतीत रहा है, उसे देख कर अटकलों का बाजार गर्म होना स्वाभाविक है। जेपी नड्डा का इसी बीच बिहार आना भी अटकलों को हवा दे रहा है।

नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा करते थे कि अब वे एनडीए से कभी अलग नहीं होंगे। नरेंद्र मोदी से बिदक कर कभी एनडीए से अलग हुए नीतीश उनकी तारीफ के पुल भी बांधते थे। नड्डा के सामने उन्होंने फिर कहा कि दो बार आरजेडी के साथ जाकर उन्होंने गलती कर दी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

चुनाव देखकर धड़ा धड़ खोखली घोषणाएं कर रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन : शिवराज सिंह चौहान

रांची, एजेंसी। भाजपा के झारखंड प्रदेश चुनाव प्रभारी एवम केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा।

श्री सिंह आज यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनाव अब नजदीक है और जिस गठबंधन की सरकार ने 5 साल में कुछ नहीं किया, अब चुनाव आते ही वह धड़ाधड़ खोखली घोषणाएं करते चले जा रहे हैं।कहा कि सैकड़ों वादे जो पूरे नहीं किए गए। 5 साल कोई नौकरी नहीं दी, पेपर लीक जैसी लगातार घटनाएं होती रही।लेकिन अब चुनाव आ गए हैं इसीलिए धड़ाधड़ घोषणाएं हो रही हैं। भर्तियां, सिपाही की भर्ती, लेकिन ये भी नहीं देखा कि किस मौसम में भर्ती कर रहे हैं। उन्हें पता था कि भर्तियां पूरी नहीं हो पाएगी ये भर्ती कोई नौजवानों को रोजगार देने के लिए, ये भर्ती नहीं है वोट के लिए भर्ती का नाटक फिजिकल टेस्ट भी पूरा नहीं हो पाएगा और इसलिए ऐसे मौसम में जो जानलेवा साबित हुआ 10-10 किलोमीटर दौडा रहे हैं।

श्री चौहान ने कहा कि अव्यवस्थाओं का आलम ये था...ना पीने का पानी, न छांव का इंतजाम, बीमार हो तो ना इलाज की व्यवस्था और इसी में 16 नौजवानों की जिंदगियां चली गई, तड़प-तड़प कर हमारे नौजवान साथी नौकरी नहीं ले पाए दुनिया छोड़ गए। कहा ये यह हादसा नहीं है, यह हत्या है। ये ऐसा अपराध है जिसके लिए जनता माफ नहीं कर सकती।कहा कि मुख्यमंत्री के और गठबंधन के दावा नहीं चलने वाले। लोग भयानक भ्रष्टाचार भूले नहीं है, आज भी भ्रष्टाचार झारखंड को तबाह और बर्बाद कर रहा है।

कहा जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है लेकिन भारतीय जनता पार्टी भी उनके झूठे और खोखले वादे जो इन्होंने किए थे उन्हें लेकर भ्रष्टाचार और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था की स्थिति, माता बहनों का अपमान, अवैध घुसपैठ, बदल रही डेमोग्राफी इन सब मुद्दों को लेकर यात्रा के रूप में जनता के बीच में जाएगी।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री 15 तारीख को झारखंड की इस पवित्र धरा पर पधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड बनाया अटल जी ने। भारतीय जनता पार्टी ने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में झारखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार हर संभव प्रयत्न कर रही है। उन्होंने कहा कि 15 तारीख को जमशेदपुर प्रधानमंत्री जी पधारने वाले हैं।

बिंदु दारा सिंह बनेंगे हनुमान, शाहबाज खान होंगे रावण के किरदार में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अक्तूबर महीने से रामलीला मंचन की तैयारियों में समितियां जुट गई हैं। रविवार को लालकिला मैदान के माधवदास पार्क सहित कई दूसरे इलाकों में मंचन को लेकर भूमि पूजन हुआ। दिल्ली की श्री धार्मिक लीला कमेटी का भूमि पूजन माधवदास पार्क में नेपाल के जानकी मंदिर के महंत राम रोशन दास ने कराया। रामलीला में हनुमान के किरदार में अभिनेता बिंदु दारा सिंह, रावण का किरदार शाहबाज खान और माता सीता की भूमिका में अभिनेत्री शिल्पा रायजादा नजर आएंगी।

इस वर्ष श्री धार्मिक लीला कमेटी की ओर से 101वीं बार लीला का मंचन किया जाएगा। रामलीला के भूमि पूजन में पहुंचे भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि जब तक राम की कथा है। तब तक हमारा समाज जीवित है। भारत में नेपाल के कार्यवाहक राजदूत डॉ. सुरेंद्र थापा ने कहा कि समाज को भगवान राम का अनुसरण करना चाहिए। रामलीला के जरिए धर्म और संस्कृत को जानने का अच्छा अवसर मिलता है। मंच से पर्यावरण संरक्षण का भी देंगे संदेश कमेटी के प्रेस सचिव रवि जैन ने कहा कि रामलीला मंचन के जरिए पर्यावरण संरक्षण से लेकर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश भी दिया जाएगा। भूमि पूजन में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कई दूसरे देशों के राजदूत भी पहुंचे। कमेटी के चेयरमैन सुरेश गोयल, महासचिव धीरजधर गुप्ता एवं सचिव प्रदीप शरण द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन शालीमार बाग स्थित रामलीला मैदान में शालीमार बाग रामलीला कमेटी की ओर से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन किया गया। कमेटी के प्रधान सुरेश गुप्ता और महामंत्री शिव शंकर नागर ने सभी कलाकारों से रूबरू कराया। कमेटी के प्रवक्ता संजय गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष रामलीला का आयोजन दो अक्तूबर से होगा। भूमि पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया। वहीं, शास्त्री पार्क के डीडीए रामलीला मैदान में विष्णु अवतार रामलीला कमेटी द्वारा भूमि पूजन का आयोजन किया गया। कमेटी के महामंत्री दिवाकर पांडेय ने बताया कि 24वीं बार रामलीला का मंचन होगा। इसका आयोजन दो अक्तूबर से शुरू होगा। नए प्रसंगों का मंचन करेंगे आईपी एक्सटेंशन स्थित डीडीए उत्सव ग्राउंड में श्री रामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ द्वारा भी भूमि पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, विधायक ओम प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। कमेटी लीला के प्रधान सुरेश बिंदल व लीला निदेशक सुमन गुप्ता ने बताया कि इस बार लीला में नए प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। मंदोदरी द्वारा महाबली रावण की नाभि में अमृत की स्थापना की लीला का मंचन किया जाएगा।

पूर्व उप मुख्यमंत्री पहुंचे भूमि पूजन में रास विहार पार्क में समृद्ध भारत ट्रस्ट के तत्वावधान में कामधेनु रामलीला के मंचन के लिए भूमि पूजन हुआ। भूमि पूजन में मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहुंचे। ट्रस्ट के चेयरमैन कुलदीप भंडारी के अनुसार दो से लेकर 12 अक्तूबर तक लीला का मंचन होगा। उत्तराखंड फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए कलाकार लीला का मंचन करेंगे।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में दो मुद्दों पर विरोध करेंगे : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी काउंसिल की सोमवार को होने वाली 54वीं बैठक में दिल्ली सरकार दो प्रमुख मुद्दों पर विरोध दर्ज कराएगी। वित्त मंत्री आतिशी ने बताया कि पहला मुद्दा विभिन्न शिक्षण संस्थानों को मिलने वाले रिसर्च ग्रांट (अनुसंधान अनुदान) पर जीएसटी लगाने का है, जबकि दूसरा मुद्दा डिजिटल पेमेंट में गेटवे (कार्ड के जरिए भुगतान) पर दो हजार रुपये से कम के ट्रांजेक्शन पर जीएसटी लगाने का है। दिल्ली सरकार इन दोनों प्रस्तावों का पुरजोर विरोध करती है। आतिशी ने बताया कि अगस्त में देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों को सरकार की तरफ से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि उन्हें जो अनुसंधान के लिए अनुदान मिला है, उस पर वर्ष 2017 से जीएसटी बकाया है। शिक्षण संस्थानों से 220 करोड़ रुपये जीएसटी के रूप में मांगे गए हैं। आतिशी ने बताया कि कई देश अपनी जीडीपी से एक बड़ी राशि शिक्षण संस्थानों को रिसर्च के लिए देता है। इजरायल जीडीपी का 4.94, जापान 3.82, अमेरिका 2.83, जर्मनी 3.13 और ब्राजील 1.16 फीसदी जीडीपी का हिस्सा रिसर्च के लिए देता है। वहीं, भारत जहां वर्ष 2014 में जीडीपी का .65 फीसदी रिसर्च के लिए देता था तो वहीं वर्ष 2024 में यह घटकर .41 फीसदी रह गया है। आतिशी ने कहा कि किसी भी देश में रिसर्च कारोबार के लिए नहीं बल्कि विकास के लिए होता है।

वहां होने वाले अविष्कारों से देश आगे बढ़ता है। दुनिया के किसी भी देश में रिसर्च ग्रांट पर टैक्स नहीं है। आतिशी ने बताया कि दूसरा मुद्दा ऑनलाइन पेमेंट के गेटवे पर दो हजार से कम के ट्रांजेक्शन पर भी 18 फीसदी जीएसटी लगाने का है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार डिजिटल पेमेंट को देश में बढ़ाने का दावा करती है और दूसरी तरफ पेमेंट गेटवे पर छोटे से छोटे ट्रांजेक्शन पर जीएसटी लगाया जा रहा है। इससे एक तरफ जहां लोगों का कारोबार प्रभावित होगा तो वहीं दूसरी तरफ आम लोगों पर इसका बोझ पड़ेगा। पेमेंट गेटवे इस बढ़ी हुई राशि का भार कारोबारियों या ग्राहकों पर ही डालेगा। इसलिए वह इसके विरोध में हैं।

भाजपा ने 252 झुग्गी बस्तियों में सदस्यता अभियान चलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा ने रविवार को 252 झुग्गी क्लस्टरों में सदस्यता अभियान चलाया। प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने बताया कि झुग्गी क्लस्टरों में रहने वाले लोग उत्साह के साथ भाजपा के सदस्य बन रहे हैं। वह केजरीवाल सरकार से निराश हैं और उन्हें पता है कि भाजपा ही उनकी बस्तियों को विकास से जोड़ेगी। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि कि बीते 10 वर्षों में दिल्ली सरकार के डूसिब विभाग ने झुग्गी बस्तियों में जनकल्याण का कोई काम नहीं किया है। आज झुग्गियों को तोड़ने का काम सरकार कर रही है। यही वजह है कि झुग्गी बस्ती वाले अपने जीवन परिवर्तन के लिए भाजपा को चुनने को तैयार हैं। केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने पटपड़गंज स्थित इंदिरा कैंप में पार्टी कार्यकताओं के साथ सदस्यता अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि झुग्गीवासी आज स्वच्छ घर का सपना देखते हैं। यह सपना तभी पूरा होगा जब भाजपा दिल्ली की सत्ता में आकर प्रधानमंत्री आवास योजना लागू करेगी। दिल्ली भाजपा की सह प्रभारी डॉ. अल्का गुर्जर ने वसंत विहार स्थित शास्त्री मार्केट एवं बस्ती में भाजपा के नए सदस्य बनाए। इस दौरान सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बीआईडब्ल्यू कैंप बदरपुर, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने उद्योग नगर मेट्रो स्टेशन के पास, सांसद कमलजीत सहरावत ने गोयला डेयरी पंकज गार्डन, बांसुरी स्वराज ने सिंधिया कैंप सरोजिनी नगर और सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने केपीओ क्लस्टर में सदस्यता अभियान चलाया।

क्लरब पर आधी रात चार बदमाशों ने की फायरिंग, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा जिले के झिलमिल इंडस्ट्रियल इलाके में सल्लित कांच क्लेब में फायरिंग करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची। पुलिस को स्पॉरट से 2 जिंदा कारतूस और 8 खाली कारतूस बरामद हुए है। कांच क्लब के दरवाजे पर दो गोलियों के निशान भी मिले। जिला मोबाइल क्राइम टीम से घटनास्थल का निरीक्षण किया है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्तज सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 6/7 सितंबर की बीती रात 12.59 बजे उमर नाम के शख्सण ने कांच क्लब, झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में गोलीबारी के संबंध में सीमापुरी थाने को कॉल की थी। इस कॉल के मिलने के बाद सब इंस्पेऔक्टेर प्रवेश त्यागी मौके पर पहुंचे, जिन्हें कांच क्लब के सामने सड़क पर 2 जिंदा कारतूस और 8 खाली कारतूस पड़े मिले।

निगम के एडिशनल कमिश्नर्स को मिली अहम जिम्मेदारियां, इन 12 जोनों का भी संभालेंगे प्रभार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के सभी 12 जोन के जोनल चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन और स्टैंडिंग कमेटी मेंबर के लिए 4 सितंबर को हुए चुनाव में बीजेपी को सात, तो आम आदमी पार्टी को 5 वार्डों में जीत हासिल हुई। इस चुनाव को कराने की जिम्मेदारी पहली बार जोनल डिप्टीक कमिश्नमर्स को बतौर पीठासीन अधिकारी दी गई थी। अब इस चुनाव के ठीक 2 दिन बाद जहां अधिकांश जोनल डीसी का तबादला एक जोन से दूसरे जोन में कर दिया गया। वहीं, एमसीडी के एडिशनल कमिश्नसर्स को भी इन जोनों में अहम जिम्मेदारियां दी गई है। इस संबंध में आदेश भी जारी किए गए हैं। एमसीडी में कार्यरत तीन सीनियर आईएएस और डेपुटेशन पर आए तीन सिविल सेवा सर्विशस के वरिष्ठर अधिकारी को 2-2 जोन की जिम्मेरदारी दी गई है। दिल्ली नगर निगम में एजीएमयूटी कैडर के 2010 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी एडिशनल कमिश्नर जितेंद्र यादव को साउथ जोन और सेंट्रल जोन का प्रभार दिया गया है। वर्तमान में जितेंद्र यादव बतौर एडिशनल कमिश्नार सेंट्रल एस्टेब्लिशमेंट डिपार्टमेंट के साथ-साथ ओ एंड एम, बिल्डिंग हेड क्वार्टर, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के साथ ई एंड एम, इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट, टाउन प्लानिंग स्क्रीनिंग कमेटी के नोडल ऑफिसर, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और इज ऑफ डूइंग बिजनेस की मॉनिटरिंग कमेटी के नोडल ऑफिसर की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसी तरह से दिल्ली नगर निगम के अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारी बतौर एडिशनल कमिश्नर संभाल रहे एजीएमयूटी कैडर के 2011 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी डॉ. तारीक थॉमस को भी सिटी-सदर पहाड़गंज जोन और करोल बाग जोन का जिम्मॉ सौंपा गया है। इसके अलावा 2004 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के सीनियर अधिकारी आईआरएस अमित कुमार शर्मा को एडिशनल कमिश्नर के तौर पर एडवर्टाइजमेंट, आरपी सेल/पार्किंग, फैक्ट्री लाइसेंसिंग, सीएल एंड ईसी विभागों के साथ-साथ अब वेस्ट जोन और नजफगढ़ जोन का प्रभार भी दिया गया है। इसी तरह, एजीएमयूटी कैडर की 2013 बैच की सीनियर आईएएस अधिकारी निधि मलिक को एडिशनल कमिश्नर के तौर पर नरेला जोन और रोहिणी जोन का प्रभार सौंपा गया है। वर्तमान में वह वेटरनरी सर्विसेज, एजुकेशन, ला लैंड एंड स्टेट, इलेक्शन, कॉरपोरेशन एंड कमेटीज और करप्शन कंप्लेंट सेल की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। अब उनको दो जोन की भी जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार की एक सिविल सेवा भारतीय आयुध निमार्णी सेवा (आईओएफएस) के 2007 बैच के सीनियर अधिकारी एडिशनल कमिश्नर पंकज नरेश अग्रवाल को अस्पसताल प्रशासन, आयुष, प्रेस एवं सूचना, हेडक्वार्टर, प्रिंटिंग एवं स्टेहशनरी, जन स्वा्स्थ , भाषा, संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर आदि विभागों की जिम्मेदारी संभालते हुए शाहदरा साउथ जोन और शाहदरा नॉर्थ जोन का प्रभार भी दिया गया है।

वहीं, भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के सीनियर आईआरएएस 2007 बैच के अधिकारी वीर सिंह यादव को फाइनेंस (सीए-सह-एफए), असेसमेंट एंड कलेक्शन ओर श्रम कल्या ण विभाग की जिम्मेदारी के साथ केशवपुरम और सिविल लाइन जोन का प्रभाव भी सौंपा गया है।

एडिशनल कमिश्नरर के लिंक ऑफिसर हुए तयः एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एस्टेब्लिशमेंट-क्क की तरफ से

पार्किंग विवाद में गोली चलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सोनिया विहार में झगड़े के दौरान चली गोली में घायल हुई बच्ची के मामले में भगोड़ा घोषित किए गए एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी पिछले तीन साल से गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस ने इसे दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके से गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक जुलाई 2021 में सोनिया विहार इलाके में सचिन और भानु ने अपने साथियों के साथ पार्किंग विवाद में गोली चला दी थी। गोली शिकायतकर्ता की आठ वर्षीय बेटी के सिर में लगी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी हमलावरों में से अधिकांश को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन भानु भागने में सफल रहा। पुलिस ने सूचना के आधार पर इसे गिरफ्तार कर लिया।

डूसू चुनाव 2024 के लिए अभाविप ने की चुनाव समिति की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव 2024 के लिए रविवार को चुनाव समिति की घोषणा कर दी। गौरतलब है कि चुनाव लड़ने वाले डूसू प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनाव संबंधी सभी महत्वपूर्ण निर्णय अभाविप की यह चुनाव समिति ही तय करती है। अभाविप ने डूसू चुनाव समिति का अध्यक्ष परिषद के प्रदेश अध्यक्ष तपन बिहारी को बनाया है। इसके अलावा चुनाव समिति में अभाविप की अखिल भारतीय छात्रा प्रमुख मनु शर्मा कटारिया, अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल, प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री, प्रदेश संगठन मंत्री राम कुमार, प्रदेश सह-संगठन मंत्री विपिन उनियाल, डूसू अध्यक्ष तुषार डेढ़ा, डूसू सचिव अपराजिता और उत्तरी विभाग प्रमुख डॉ. ललित पांडेय शामिल हैं। चुनाव समिति का गठन होने के साथ ही रविवार से ही डूसू चुनावों में संभावित प्रत्याशियों के नाम पर चर्चा के लिए बैठकें भी शुरू हो गई हैं। डॉ. बिहारी ने कहा, "दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2024 के निमित्त गठित हुई इस चुनाव समिति ने संभावित प्रत्याशियों के नामों पर विचार करना शुरू कर दिया है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी कॉलेजों में चलाए गए 'डूसू इन कैंपस' अभियान को विद्यार्थियों की अच्छी प्रतिकिया मिल रही है। अभाविप ने हमेशा से डीयू में विद्यार्थियों का सजगता से प्रतिनिधित्व किया है और हम उनकी हर समस्याओं में साथ खड़े रहे हैं। हम अभाविप के संभावित प्रत्याशियों के नामों की शीघ्र घोषणा करेंगे।"श्री अत्री ने कहा, "अभाविप की डीयू की सभी कॉलेज इकाइयां छात्र-छात्राओं से निरंतर बातचीत करके डूसू के कामकाज के बारे में अवगत करा रही हैं। साथ ही,इस वर्ष के डूसू चुनाव मुद्दों और घोषणापत्र के लिए विद्यार्थियों के सुझाव भी लिये जा रहे हैं। विद्यार्थियों से संपर्क के माध्यम से आ रही प्रतिक्रियाएं उत्साहवर्धन करने वाली है।

हरियाणा में गठबंधन से पूर्व विचार करे पार्टी: सोमनाथ भारती

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच चल रही गठबंधन की चर्चा के बीच आप विधायक सोमनाथ भारती ने इस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कांग्रेस और आप के गठबंधन को बेमेल बताया है। उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भी दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन हुआ था।

एक तरफ जहां अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए रोड शो निकाला तो वहीं कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकताओं ने आप प्रत्याशियों को सहयोग नहीं किया। भारती ने हरियाणा की 90 सीटों पर आप को अकेले चुनाव लड़ने की सलाह दी है। सोमनाथ भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि हरियाणा में गठबंधन से पूर्व आम आदमी पार्टी को दिल्ली में किए गए।

अवैध संबंध के शक में पत्नी को उतारा था मौत के घाट

दो दिन बाद पुलिस ने फरार पति को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। नॉर्थ दिल्ली के वजीराबाद इलाके में गुरुवार 5 सितंबर को एक घर के अंदर महिला का संदिग्धब हालात में शव बरामद कि?या गया था। मृतक महि?ला की पहचान पारुल तिवारी (27) के रूप में हुई थी। महिला की मौत के बाद से उसका पति फरार था।

पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। महिला की हत्याक उसके पति ने अवैध संबंधों के शक के चलते की थी। नॉर्थ दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्ता एम के मीणा के मुताबिक इस मामले में बयानों और परिस्थितियों के आधार पर भारतीय न्योय संहिता की धारा 103 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। मृतक महिला का पोस्टमार्टम कराया गया जिसके बाद अब मृतक महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पति वेद प्रकाश तिवारी (37) मूल रूप से बिहार के आरा जिले का रहने वाला है। पति ने महिला की हत्या इसलिए कर दी थी क्यों कि उसको अवैध संबंध का संदेह था। आरोपी बेरोजगार है और कभी-कभी ऑटो रिक्शा चलाने का काम करता है। बता दें कि पुलिस ने पहले इस मामले में धारा 194 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही शुरू की थी। परिजनों के बयान दर्ज किए गए थे और महिला का पोस्टमार्टम कराने के लिए सब्जीर मंडी मोर्चरी में शव को रखवा दिया था। इसके बाद पोस्टरमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा था। अब जब पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आ गई है तो पुलिस ने आरोपी पति को भी धर दबोचा है। जिसके बाद अब धारा 103 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गौरतलब है कि वजीराबाद थाना पुलिस को बीते गुरुवार रात्रि 8.37 बजे वजीराबाद गांव के खसरा नंबर 107, गली नंबर 14, टेंट वाली दुकान के पास ग्राउंड फ्लोर पर एक के मृत पड़े होने संबंधी सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर पुलिस टीम जांच के लिए पहुंची थी। घटनास्थनल का निरीक्षण करने को क्राइम टीम और एफएसएल टीम भी पहुंची थी। मृतका के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले थे लेकिन उसके नाक से कुछ पदार्थ निकलता पाया गया था। पुलिस ने अब इस हत्यो की गुत्थीक को सुलझाने का दावा किया है।

एक नजर

शिक्षकों को सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में उत्तराखंड लोक भाषा साहित्य मंच की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें उत्तराखंड की भाषाओं के विस्तार में अपना योगदान देने के लिए विभिन्न शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में भुम्याल विकास मंच सहित दिल्ली-एनसीआर की उत्तराखंडी सामाजिक संस्थाओं ने भी अपना सहयोग दिया। इस सम्मान समारोह में ओम प्रकाश आर्या, राधा मेहरा, कुसुम रावत, पुष्पा सती और संगीता भट्ट को सम्मानित किया गया।

मुफ्त बिजली और पानी के लिए रामलीला महासंघ का धरना

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली के फतेहपुरी स्थित नेशनल क्लब में रामलीला समितियों ने मुफ्त बिजली और पानी की मांग को लेकर श्री रामलीला महासंघ के आह्वान पर धरना दिया। महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा कि सरकार हर साल कांवड़ कैंप, छठ पूजा आयोजन और हज यात्रियों के लिए लगने वाले शिविरों में मुफ्त पानी, बिजली, टेंट, फर्नीचर, मोबाइल टॉयलेट से लेकर सुरक्षा प्रदान करती है। मगर, रामलीलाओं से इसके लिए सौ फीसदी शुल्क लिया जाता है। महासंघ के महासचिव सुभाष गोयल ने बताया कि मुगल काल से दिल्ली की एक रामलीला कमेटी को सरकार द्वारा बिजली, मैदान और पानी मुफ्त दिया जाता है। फिर दूसरी समितियों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों। दूसरी सभी समितियों को मुफ्त बिजली और पानी मिलना चाहिए। महासंघ शीघ्र दिल्ली के उपराज्यपाल से मिलकर उन्हें अपनी मांगों से अवगत कराएगा।

बच्चों को बीड़ी पिलाने से मना करने पर हमला किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्योति नगर इलाके में स्कूल के छोटे बच्चों को बीड़ी पिलाने से मना करने पर कांच की बोतल से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपी नौवीं कक्षा का छात्र है, जबकि पीड़ित 12वीं का छात्र है। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। तीन सितंबर को स्कूल में नौवीं का छात्र छोटे बच्चों को बीड़ी पिला रहा था।

इसी दौरान पीड़ित वहां पहुंचा और उसने मना किया। इस पर आरोपी उससे झगड़ा करने लगा। स्कूल की छुट्टी के बाद शाम करीब 6.40 बजे पीड़ित अपने दोस्तों के साथ जा रहा था। इसी दौरान आरोपी ने अपने साथियों के साथ उसका रास्ता रोक लिया और मारपीट करने लगा। पीड़ित के कुछ दोस्त बीच बचाव के लिए आए तो आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर उनकी भी पिटाई करने लगा। इसी दौरान आरोपी ने पीड़ित के मुंह और पेट पर कांच की बोतल से हमला कर दिया। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

दिल्ली में नाइट क्लब के बाहर चार लोगों ने की गोलीबारी, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा में एक नाइट क्लब के बाहर चार लोगों द्वारा कथित तौर पर गोलीबारी करने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार की देर रात 12 बजकर 59 मिनट पर पुलिस को झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कांच क्लब के बाहर गोलीबारी के बारे में सूचना मिली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीमापुरी पुलिस थाने का एक दल घटनास्थल पर पहुंचा और क्लब के बाहर सड़क पर दो कारतूस और आठ खाली खोखे बरामद किए। उन्होंने बताया कि क्लब के दरवाजे पर गोली लगने के दो निशान थे। क्लब के ह्यबाउंसरह्ल द्वारा दर्ज करायी शिकायत के अनुसार, शुक्रवार रात लगभग 11 बजकर 45 मिनट पर क्लब में चार पुरुष पहुंचे। उनमें से दो ने अपनी बंदूक दिखायी और उस पर गोली चलायी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी इसके बाद विवेक विहार की ओर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गयी और शाहरुख नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि दो और आरोपियों की पहचान कर ली गयी है और उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चार दोपहिया वाहन समेत दो बदमाश धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। आनंद विहार पुलिस ने दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्टल, तमंचा, तीन कारतूस, दो बाइक, दो स्कूटी, एक मंगल सूत्र बरामद हुआ है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि इनकी गिरफ्तारी से झपटमारी के 25 मामले सुलझे हैं। पकड़े गए आरोपी परवेज पर 32 और इमरान पर 25 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने 19 अगस्त को आनंद विहार इलाके में होटल लीला एम्बिएंस के पास दो लोगों से सोने की चेन लूटी थी। मामले की जांच के दौरान 175 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। पता चला आरोपियों ने इसी दौरान कृष्णा नगर, शाहदरा, कश्मीरी गेट, लक्ष्मी नगर, सिविल लाइंस, आईटीओ, गीता कॉलोनी में झपटमारी की कई वारदातें की थी।

दो युवकों ने नशे की हालत में अस्पताल में जमकर काटा बवाल, नर्स और गार्ड भी रहे परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका के इंदिरा गांधी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे दो युवकों ने रविवार सुबह जमकर बवाल काटा। जब नर्स घायल युवक की पट्टी करने लगी तो उन्होंने मना कर दिया और हंगामा करने लगे। सिक्योरिटी गार्ड से भी धक्का-मुक्की की। बाद में पुलिसकर्मी ने दोनों युवकों को अस्पताल से भगाया और मामले को शांत करवाया। अस्पताल स्टाफ के अनुसार, रविवार तड़के लगभग चार बजे नशे में दो युवक इंदिरा गांधी अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे। उनमें से एक को मामूली खरोंच आई थी। इस दौरान घायल युवक को एक्स-रे करवाने को कहा गया।

युवकों ने एक्स-रे करवाने से मना कर दिया। डॉक्टर ने उन्हें समझाया तो मामला शांत हो गया। जब नर्स को युवक के घाव पर पट्टी करने को कहा गया तो युवक ने पट्टी बंधवाने से मना कर दिया व हंगामा करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि सिर्फ डॉक्टर ही उसका इलाज करे। डॉक्टर ने स्थिति को संभालते हुए उसकी खरोंच पर बीटाडीन नामक दवा लगाई। इससे वह और गुस्सा गए। बीच बचाव के लिए सुरक्षा कर्मियों को बुलाया गया। युवक सिक्योरिटी गार्ड से भी धक्का मुक्की करने लगे व उन्हें धमकी देने लगे। इसके बाद वह मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने उन्हें अस्पताल परिसर से भगाया। अस्पताल स्टाफ ने अस्पताल में मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि अस्पताल में बवाल काटने वाले युवक कहां के रहने वाले हैं।

द्वारका के एक अस्पताल में नशे में धुत मरीज ने चिकित्सक से गाली-गलौज की

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका के इंदिरा गांधी अस्पताल में नशे में धुत दो लोगों ने एक चिकित्सक के साथ गाली-गलौज की। वे अस्पताल में एक्स-रे सेवाएं उपलब्ध न होने से नाराज हो गए थे। यह घटना रविवार तड़के करीब चार बजे हुई जब दोनों अस्पताल में आए और उनमें से एक के दाएं हाथ पर कांच से कटने का जख्म था। द्वारका के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया, ह्यह्यमारपीट नहीं की गयी लेकिन मरीजों ने दुर्व्यवहार किया।ह्ल उस रात ड्यूटी पर मौजूद डॉ. मनोहर लाल ने बताया कि जब उन्होंने दोनों लोगों से पश्चिम दिल्ली में दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल जाने के लिए कहा तो उनसे गाली-गलौज की गयी।

बैंक आफ इंडिया ने 119वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

ऋषि तिवारी

नोएडा। बैंकिंग क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले देश के प्रतिष्ठित बैंक आफ इंडिया ने अपना 119वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। बैंक के सीनियर मैनेजर व कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं को और बेहतर सेवा देने का संकल्प लिया। सेक्टर 22 स्थित बैंक ऑफ इंडिया की ब्रांच के सीनियर मैनेजर जनार्दन सिंह ने वयोवृद्ध उपभोक्ता शीशपाल यादव, मनोज गुप्ता, डी एस रावत समाजसेवी कालीदास शर्मा व अन्य उपभोक्ताओं के साथ केक काटकर बैंक का स्थापना दिवस मनाया। सीनियर मैनेजर जनार्दन सिंह ने कहा कि 7 सितंबर 1906 को बैंक की स्थापना की गई थी। पिछले एक शताब्दी से अधिक समय से बैंक उपभोक्ताओं की कसौटी पर पूरी तरह खरा उतर रहा है। बैंक अधिकारियो व कर्मचारियों की कार्यशैली से बैंक

आफ इंडिया ने बैंकिंग क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। सिंह ने कहा कि नोएडा के सेक्टर 22 की शाखा में करीब 25 हजार से अधिक उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। वयोवृद्ध उपभोक्ताओं के लिए बैंक द्वारा डोर स्टेप बैंकिंग की सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत वृद्ध उपभोक्ताओं को उनके आवास पर ही बैंकिंग सुविधा का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उपभोक्ताओं को जरूरत पड़ने पर सरल प्रक्रिया के तहत बैंक द्वारा लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। बैंक के पोर्टल से भी उपभोक्ता लोन के लिए आवेदन कर इसका लाभ उठा रहे हैं। बैंक द्वारा म्युचुअल फंड, हेल्थ जनरल इंश्योरेंस,गोल्ड लोन, हाउसिंग लोन सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा बैंक कर्मियों द्वारा प्रत्येक उपभोक्ताओं से बेहतर सामंजस्य स्थापित कर उन्हें बैंकिंग सुविधाओं की नियमित जानकारियां उपलब्ध कराई जाती हैं। सीनियर मैनेजर श्री सिंह ने कहा कि उनका व बैंक कर्मियों का प्रयास रहता है कि सभी उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए वह समय-समय पर उपभोक्ताओं से फीडबैक लेकर उनकी समस्याओं का हर संभव निदान करते हैं। इस मौके पर बैंक के वयोवृद्ध उपभोक्ता शीशपाल यादव व समाजसेवी कालीदास शर्मा ने बैंक कर्मियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इस मौके पर बैंक ऑफ इंडिया के असिस्टेंट मैनेजर शैलेंद्र कुमार, प्रीति झा, मेघाली नागपाल, नीतिका गुप्ता, कोमल, राजीव सागर, निशा रानी, रामदास, आयुष सहित अन्य कर्मचारी व बैंक के उपभोक्ता मौजूद थे।

समस्याओं का शहर बना मोहन गार्डन, आप पार्टी विधायक नरेंद्र बाल्यान जान कर अजान

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के उत्तम नगर, मोहन गार्डन के रोड की हालत खस्ताहाल मे है। लोग परेशान हैं। आप पार्टी विधायक नरेंद्र बाल्यान तक शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं है। आए दिन कहीं न कहीं से फोटो या वीडियो वायरल हो रहते है। लोगों के अंदर सड़कों को लेकर आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। ऐसा ही कुछ जैन रोड, मोहन गार्डन पुलिस चौकी रोड, उत्तम नगर, गुरुद्वारा रोड पशुराम चौक, रामा पार्क रोड़, संजिवनी पब्लिक स्कूल रोड़, पिपल चौक रोड़, डीके रोड़, के अंदर के कई रोड है जो कम से कम 5 सालों से काम नहीं किया गया है जिससे सड़कों का हाल खस्ता है। इन सड़कों को देखकर यह बता पाना मुश्किल है सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क है। कई

बार लगा चुके है गुहार लोगों द्वारा सड़कों को लेकर प्राधिकरण और सरकार को कई बार गुहार लगाई जा चुकी है। लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। देखा जाए तो जाने आने की जगह नहीं सभी जगह गढे है। सोसायटी में अतिक्रमण हो रखा है, गाड़ी रखने की जगह तक नहीं है। देखा जाए तो सड़क की हालात इतनी खराब हो गई है कि थोड़ी सी चूक हुई तो दुर्घटना तय है। कटी सड़कों से लोगों की जान भी जा सकती है। इसके बाद भी जिम्मेदार इन सड़कों को चलने लायक बता रहे हैं। इन सड़कों पर रोज चार जिले बालोद, दुर्ग, धमतरी व राजनांदगांव के एक लाख से अधिक लोग आना-जाना कर रहे हैं। इसके बाद भी विभाग खस्ताहाल सड़कों की सुध नहीं ले रहा है। यहां तक कि गड्?ढों को भरा तक नहीं जा रहा है। गौरतलब है कि दो से तीन किलोमीटर डामरीकरण सड़क निर्माण के लिए औसतन एक करोड़ रुपए खर्च किया गया। इसके बाद भी उखड़ी सड़कों ने घटिया निर्माण की पोल खोल दी है। वीडियो और फोटो वायरल पंचमुखी अपार्टमेंट (जनता फ्लैट) ब्लॉक ऊसेक्टर-3 की फोटो और वीडियो जम कर वायरल हो रही है। वायरल होने के तुरंत बाद ही लोग ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी को लोग जमकर खरीखोटी सुना रहे है।

चार पहिया वाहनों के शीशे पर ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल के खिलाफ चला अभियान

ऋषि तिवारी

नोएडा। चार पहिया वाहनों के शीशे पर ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में विशेष अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के तहत ऐसे वाहन चालकों के चालान काटे जा रहे हैं।रविवार को नोएडा जोन के एसीपी-वन नोएडा प्रवीण कुमार सिंह की अगुवाई में थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत चरखा गोल चक्कर के आस-पास भीड़भाड़ वाले स्थानों पर वाहन चैकिंग का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहन ब्लैक फिल्म वाले वाहन चालकों के विरुद्ध एमवी एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई।

इस दौरान थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि सभी पीसीआर, पीआरवी वाहनों द्वारा लगातार

पैट्रोलिंग की जाए व संदिग्ध प्रतीत हो रहे वाहनों को बैरिकेड लगाकर चेक किया जाए। वहीं चार पहिया वाहनों के शीशे पर ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल करने वालों का चालान काटने के साथ ही वाहन पर से मौके पर ही ब्लैक फिल्म को हटाया जाए।

कांग्रेस की बैठक आयोजित

नोएडा। नव गठित महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक आज सुबह 11 बजे होटल नोएडा ग्रांड सैक्टर 121 में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव की अध्यक्षता में आहूत की गई। आज की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नवनियुक्त सचिव एवं हिमाचल के प्रभारी विदित चौधरी सम्मलित हुए। महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर एवं माला पहना कर विदित चौधरी का जोरदार स्वागत किया गया। अध्यक्ष मुकेश यादव ने नवनियुक्त कमेटी के पदाधिकारियों का स्वागत किया एवं उनका परिचय राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश कमेटी के उपस्थित अन्य पदाधिकारियों से करवाया गया। इस अवसर पर पहली बार कमेटी में शामिल हुई सुमन राय एवं संजय यादव को कांग्रेस का पटका पहना कर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय सचिव द्वारा अपने संबोधन में सभी

कमेटी के सदस्यों को संगठन को कैसे मजबूत किया जाए और कांग्रेस की विचार धारा से लोगों को कैसे जोड़ा जाए बताया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एक ऐसा राजनीतिक दल जो मेहनत करने वाले कार्यकर्ता को पहचान कर आगे बढ़ाता है जिसका जीता जागता उदाहरण मैं स्वयं हूं। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी गांव गांव और सेक्टरों में जाकर लोगों की समस्याओं को सुने और उनको अपने साथ जोड़कर कांग्रेस को मजबूत करें। आज की बैठक में प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव, सचिव पुरूषोतम नागर, अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी, पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन, उपाध्यक्ष दिनेश अवाना, राजकुमार भारती, चरण सिंह यादव, प्रदेश सोशल मीडिया कॉर्डिनेटर पवन शर्मा, डॉ सीमा, रोहित सपरा, युवक कांग्रेस नोएडा अध्यक्ष जावेद खान, रामकुमार शर्मा, एस एस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, इंद्रजीत तिवारी, एस एस राणा, आर के प्रथम, शयद मजहर हुसैन, मधुराज, वीरो देवी, वरिष्ठ नेता शाहिद खान एवं वीरेंद्र मुखिया उपस्थित रहे।

ग्रेनो वेस्ट में सिटी बस सेवा की मांग को लेकर प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों ने रविवार को राजेश पायलट चौक पर सिटी बस सेवा शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने जमकर नारेबाजी करते हुए प्राधिकरण के विरुद्ध अपना रोष प्रकट किया। आरोप है कि ग्रेनो वेस्ट में आने जाने के लिए परिवहन सेवा की सबसे बड़ी समस्या है।

इसको प्राधिकरण के अधिकारी नजरअंदाज कर रहे हैं। इस दौरान सैनी, सुनपुरा, वेदपुरा, सादुल्लापुर, एसकेएस, एटीएस, आमंत्रा, महागुन मंत्रा 2, सेक्टर-10, मिल्कलच्छी, रोजा, गोल्डन वेली, सेक्टर-3, इरोज संपूर्णम, समृद्धि ग्रैंड, रॉयल नेक्स्ट, जेएम

फ्लोरेंस, गैलेक्सी वेगा, ड्रीम वेली, हिमालय प्राइड आदि सोसाइटियों के लोग शामिल हुए। निवासियों ने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसाइटियों में लगातार आबादी बढ़ती जा रही है, जिसके हिसाब से सुविधा नहीं दी जा रही है। रोजाना ग्रेनो वेस्ट की सड़कों पर भीषण जाम लगने से सभी निवासी परेशान है। प्राधिकरण से लगातार सिटी बस सेवा की मांग की जाती है, परंतु कोई सुनवाई नहीं होती है। सिटी बस सेवा शुरू होने से लोगों की आधी समस्या समाप्त हो जाएगी। सड़कों पर वाहनों का दबाव भी कम होगा, जिससे जाम नहीं लगेगा। गिरीश चंद्र ने बताया कि प्रदर्शन में 100 से अधिक लोग शामिल हुए।

लोगों ने मुख्यमंत्री, स्थानीय सांसद, दादरी विधायक, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सीईओ से गुहार लगाई। साथ ही ग्रेटर नोएडा वेस्ट में जल्द से जल्द सिटी बस सेवा शुरू करने की मांग की, ताकि स्कूल के बच्चे, महिलाएं और ऑफिस जाने वाले लोगों को राहत मिल सके। इस मौके पर मुख्य रूप से राजेंद्र, सर्वेंद्र, प्रदीप और अन्य उपस्थित रहे।

कैंटर ने चालक-परिचालक को रौंदा, बेलगाम बस ने स्कूटी को कुचला,चार की मौत

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में सड़क हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। रविवार को दो सड़क हादसे हुए जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। एक हादसा दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हुआ जबकि दूसरा विजयनगर इलाके में नए बस अड्डे से एनएच 9 को जोड़ने वाले रोड पर हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर रविवार की सुबह करीब आठ बजे एक तेज रफ्तार कैंटर ने सड़क किनारे खड़े दो एक कैंटर चालक व परिचालक को टक्कर मार दी। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह दुर्घटना हवा हवाई रेस्तरां के पास मेरठ-दिल्ली जाने वाली लेन पर उस समय हुई जब कैंटर सड़क किनारे लगाकर दो युवक टायर चेक कर रहे थे पुलिस के मुताबिक हरिद्वार से माल लेकर महाराष्ट्र के पुणे जा रहे कैंटर चालक मेरठ के लावड़ निवासी सुनील और किठौर निवासी सचिन हवा हवाई रेस्तरां के पास कैंटर सड़क किनारे लगाकर टायर चेक कर रहे थे। इसी बीच पीछे से आए तेज रफ्तार एक अन्य कैंटर ने दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने वाले कैंटर चालक हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उसने झपकी आने की वजह से टक्कर लगना बताया है। इसके अलावा आज सुबह ही थाना विजयनगर क्षेत्र अंतर्गत नया बस अड्डे से नेशनल हाईवे 9 की तरफ जा रही रोड पर एक तेज रफ्तार बस ने स्कूटी सवार दो लोगों को रौंद दिया। दोनों की ही मौके पर मौत हो गयी। मरने वालों के नाम सुशील और आजाद थे। सुशील त्रिलोकपुरी दिल्ली का निवासी था, जबकि आजाद खोड़ा कालोनी का निवासी बताया जा रहा है।

भारतीय योग संस्थान ने शुरू किया जन जागरण अभियान

ऋषि तिवारी

नोएडा। सेक्टर 54 नोएडा में स्थित वेटलैंड पार्क में भारतीय योग संस्थान द्वारा रविवार को एक भव्य योग उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला योग उत्सव के तहत आयोजित किया गया। इस दौरान करीब 400 से ज्यादा योग साधक शामिल हुए। योग उत्सव के दौरान भारतीय योग संस्थान द्वारा आसान, प्राणायाम और ध्यान समेत योग की कई विधाओं का अभ्यास कराया गया। वहीं, प्रतिभागियों को आगामी 2 अक्टूबर को छत्रसाल स्टेडियम में होने वाले संस्थान के एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सेक्टर 62 स्थित रजत विहार में योग साधना केंद्र को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर सुरेश विज, गिन्नी झा, सुषमा नागपाल, राजीव शर्मा, ओपी अग्रवाल, नेहा कुमारी और नीलम सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

लोक अदालत 14 सितंबर को लगेगा

नोएडा, एजेंसी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 14 सितंबर को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

अपर जिला जज ऋचा उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा-138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामले समझौते के जरिए निस्तारित किए जाएगे।

पंडित शिवचरण लाल शर्मा की पुण्यतिथि में उमड़ा जनसैलाब

- पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर मुकेश शर्मा ने हुड्डा से सरकार आने पर मांगे तीन ईमानदार अधिकारी
- श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भावुक हुए पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा

फरीदाबाद, एजेंसी। स्वः पंडित शिवचरण लाल शर्मा की पुण्यतिथि पर रविवार को जवाहर कालोनी उनके निवास पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। अपने पुराने साथी पंडित शिवचरण लाल शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा पूरी तरह से भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि पंडित जी ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा मं लगा दिया। वह अपने पीछे सेवा भाव छोड़ कर गए। उनके बेटे विधायक नीरज शर्मा अब उसी परीपाटी को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे पांच साल में भाजपा सरकार ने केवल विपक्ष को परेशान करने का काम ही किया है।

इस मौके पर विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि कांग्रेस की सरकार आने पर 500

रुपये सिलेंडर और छह हजार रुपए पेशन मिलेगी। उन्होंने कहा कि एनआइटी की जनता को बस आठ अक्टूबर का इंतजार है। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ में मेट्रो लाने का काम भी पूर्व मुख्यमंत्री ने किया था। अब फरीदाबाद से गुरुग्राम मेट्रो भी कांग्रेस सरकार के राज में ही शुरू होगी। दो लाख पक्की नौकरी देने का वादा नीरज शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने रोजगार देने के नाम पर केवल बरगलाने का काम किया है। कांग्रेस सरकार में दो लाख पक्की नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा 25 लाख रुपये तक के इलाज का स्वास्थ्य कार्ड बनाया जाएगा। जिससे हर व्यक्ति मुफ्त में अपना इलाज करा सकेगा। उन्होंने इस मौके पर अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि गौछी ड्रेन में हम नहाया करते थे। लेकिन इस सरकार के भ्रष्टाचार ने ड्रेन को भी नहीं छोड़ा। दोबारा से ड्रेन के पानी को पूरी तरह से स्वच्छ बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनआइटी की सीवरेज लाइन 25 साल पुरानी हो गई है। इसको नए सिरे से डालने का काम किया जाएगा। सीनियर डिप्टी मेयर ने मांगे तीन ईमानदार अधिकारी इस मौके पर पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर मुकेश शर्मा ने भूपेंद्र हुड्डा से सरकार आने पर तीन ईमानदार अधिकारी मांगे।

फरीदाबाद साफ हवा की रैंकिंग में 21वें स्थान पर पहुंचा

रविवार का एक्यूआई 40 से 100 तक रहा; बूंदाबांदी से मौसम साफ

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से शनिवार को जारी की गई स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रिपोर्ट में फरीदाबाद की रैंकिंग में सुधार हुआ है। इस बार फरीदाबाद 21वें स्थान पर रहा, जबकि पिछले साल 47वें स्थान पर था। इस सर्वेक्षण में 10 लाख से भी अधिक जनसंख्या वाले 47 शहरों ने भाग लिया था। नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन और स्मार्ट पार्किंग योजना को शामिल किया गया। चुनाव की वजह से यह कार्य पूरा नहीं हो सका। फरीदाबाद की हवा सुधारने के लिए नगर निगम को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु प्रोग्राम के तहत 51 करोड़ पर दिए गए थे। निगम ने ग्रेप के दौरान फैलाने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए 7 एयरगन खरीदी थी। इसमें से पांच एयरगन को ऐसे स्थान पर लगाया गया, जहां पर धूल की मात्रा ज्यादा थी। दो एयरगन से शहर में अलग-अलग स्थान पर छिडकाव किया जा रहा था। इसके लिए पांच वाटर टैंकर भी दिए गए थे। फरीदाबाद शहर में सुबह और शाम को सडकों की धूल को साफ करने के लिए पांच स्वीपिंग मशीन भी चलाई गई थी। जो सडकों के किनारे जमी धूल को साफ करने में मदद करेगी। इसके बाद शहर की सडकों से धूल को भी साफ किया जाने लगा। नगर निगम के श्वङ्गश्वह नितिन कादियान ने बताया कि इस रिपोर्ट में और सुधार किया जाएगा। इसके लिए और बेहतर निगम की टीम मिलकर काम करेगी। उन्होंने बताया कि शहर सुंदर और स्वच्छ दिखाई दे, इसके लिए सडकों के बीच के डिवाइडरों पर गमले भी लगाए जाएगे। ताकि शहर और सुंदर दिखाई दे। नगर निगम की कमिश्नर ए-मोना श्रीनिवास ने कहा कि हमारी मेहनत व प्रयास रंग लाई। शहर की खराब हवा को सुधारने के लिए पिछले साल की तुलना में इस बार बेहतर प्रयास किए। शहर की हवा आने वाले समय में लोगों को ओर ज्यादा स्वच्छ मिले, इसमें सुधार किया जाएगा। इसके लिए कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है। फरीदाबाद शहर को सर्वेक्षण में कुल 167 अंक हासिल हुए हैं।

एक नजर

गाजियाबाद में कल सोमवार से शुरू होगी महिला भारात्तोलन लीग प्रतियोगिता

गाजियाबाद, एजेंसी। मोदीनगर में खेलो इंडिया के तहत यादव फॉर्म हाउस पर पांच दिवसीय अस्मिता महिला भारात्तोलन जोनल लीग का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सोमवार से शुरू होकर बृहस्पतिवार तक चलेगा। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित एक रेस्तरां में आयोजित प्रेसवार्ता में जानकारी दी। भारात्तोलन एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. पवन सिंघल ने बताया कि भारत सरकार की ओर से खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई खेलो इंडिया के तहत महिला भारात्तोलन जोनल लीग का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में उत्तर भारत के 10 प्रदेशों से महिला और पुरुष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। डॉ.पवन सिंघल ने बताया कि ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू, इंडियन भारात्तोलन फेडरेशन के अध्यक्ष सहदेव यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष सबीना यादव सोमवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। भारतीय महिला भारात्तोलन के राष्ट्रीय कोच एवं द्रोणाचार्य अवार्डी विजय शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 266 महिला और उत्तर प्रदेश से लगभग 600 प्रतियोगी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। विजय शर्मा ने बताया कि महिलाओं की 10 भार श्रेणी में प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाएगी। इसके अलावा दिल्ली-मेरठ मार्ग पर एसआरएम के समीप स्थित श्रीराम भारात्तोलन अकादमी का शुभारंभ भी सोमवार को होगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष डॉ. विनय मित्तल व प्रधान सुमेश शर्मा के अलावा अजय शर्मा, प्रवीण शर्मा, भीष्म शर्मा और सुमित शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

संरक्षण गृह में पोषाहार वितरित किया

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-62 स्थित राजकीय बाल संरक्षण गृह बालिका में रहने वाली किशोरियों को निजी विश्वविद्यालय के सहयोग से पोषाहार वितरित किया गया। इस दौरान जागरुकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर पर रविवार को गलगोटिया विश्वविद्यालय के सहयोग से संरक्षण गृह में रह रहीं किशोरियों को न्यूट्रीशन और अन्य वस्तुओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं के लिए के चलाई जा रही योजनाओं के संबंध मे जानकारी दी गई। शिविर में किशोरियों को उनके मुकदमें में विधिक सहायता भी दी गई। किशोरियों को सेनिट्री नेपकीन, दलिया, फल और बिस्किट आदि सामग्री वितरण की गई। कार्यक्रम में अपर जिला जज गौतमबुद्वनगर ऋचा उपाध्याय के साथ संरक्षण गृह की प्रभारी और गलगोटिया विश्वविद्यालय के अध्यापक और छात्राएं उपस्थित रहीं।

गाजियाबाद के पूर्व बार अध्यक्ष समेत नौ अधिवक्ता पर केस दर्ज

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले के बार सभागार में आम सभा के दौरान पूर्व बार अध्यक्ष राकेश त्यागी पर अपने समर्थक अधिवक्ताओं के साथ मिलकर तोड़फोड़ करने, वर्तमान अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी देने और बार का फर्जी लेटरहेड बनाकर खुद को अध्यक्ष घोषित करने का आरोप लगा है। मामले में वर्तमान बार अध्यक्ष दीपक शर्मा ने पूर्व बार अध्यक्ष राकेश त्यागी, सुबोध त्यागी, वीरेंद्र त्यागी, राजीव त्यागी, असालतपुर निवासी सुबोध त्यागी, जुगल त्यागी, सोमेश त्यागी, नितिन चंदेला, प्रियांक त्यागी और 15-20 अज्ञात के खिलाफ कविनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

बार एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष दीपक शर्मा शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 29 अगस्त को बार की आमसभा बुलाई गई थी, जिसमें बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से कोरोना पीड़ित अधिवक्ताओं के लिए 20 लाख की सहायता राशि और 2023-24 कार्यकारिणी के दौरान लेखा-जोखा में मिली अनियमितता पर चर्चा की जानी थी। सभा में चर्चा की जा रही थी। तभी पूर्व बार अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली अपने समर्थक सुबोध त्यागी, वीरेंद्र त्यागी, राजीव त्यागी, सुबोध त्यागी (असालतपुर), जुगल त्यागी, सोमेश त्यागी, नितिन चंदेल और प्रियांक त्यागी व 15-20 अन्य समर्थकों के साथ बार सभा में मंच पर आ गए। मंच पर चढ़कर उन्होंने मेज और कुर्सियों को तोड़कर साउंड सिस्टम भी तोड़ दिया।

अध्यापिका को उत्कृष्टता अवार्ड मिला

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-110 स्थित महर्षि विश्वविद्यालय इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी परिसर में शनिवार को सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक्सीलेंस अवार्ड 2024-25 के लिए समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रीति सारस्वत को बेस्ट इंग्लिश टीचर और एंकर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रीति मॉडर्न स्कूल नोएडा में पीजीटी इंग्लिश और कल्चरल कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत हैं। वह सेक्टर 52 अरावली अपार्टमेंट की निवासी है। इस अवसर पर डॉ. ओपी शर्मा, डॉ. पी के राजपूत, डॉ. रतिश गुप्ता के साथ ही अन्य लोग उपस्थित रहे।

फरीदाबाद : स्मैक के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान नशा मुक्त हरियाणा-नशा मुक्त भारत के तहत रविवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 8.37 ग्राम स्मैक बरामद की। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो उप पुलिस अधीक्षक फरीदाबाद अनिल कुमार वशिष्ठ एवं हरियाणा एनसीबी यूनिट प्रभारी निरीक्षक मनोज सांगवान ने बताया कि खुफिया ड्यूटी के संबंध में हरियाणा एनसीबी युनिट फरीदाबाद की टीम हसनपुर चौक होडल के पास मौजूद थी। एक मुखबिर ने टीम को सूचना दी कि जवाहर निवासी गांव गढ़ी पट्टी, होडल, जिला पलवल नशीला पदार्थ स्मैक रखता है। होडल से गढ़ी रोड पर सरेआम नशीला पदार्थ बेच रहा है।

संक्षिप्त खबरें

गैंग बनाकर चोरी, लूट, हत्या जैसे अपराधों को देता था अंजाम, लीडर को चार साल की कैद

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा में अवागढ़ थाना पुलिस ने जुम्मा उर्फ जुम्मन खां निवासी लक्खी जंगल जिला फिरोजाबाद पर करीब 11 साल गिरोहबंद अधिनियम लगाया था। इसमें उसे गैंगलीडर बताया गया था। अदालत ने उसे दोषी ठहराते हुए चार साल कैद की सजा सुनाई है।

जुम्मन खां पर गोवध निवारण अधिनियम व लूट के मुकदमे पंजीकृत थे। इस आधार पर पुलिस ने जुम्मन व उसके आठ साथियों को गैंग के रूप में दर्ज किया। गैंग का लीडर जुम्मन को बताया गया। पुलिस के अनुसार ये सभी लोग भैंस चोरी, हत्या, हत्या का प्रयास आदि घटना को अंजाम देकर आर्थिक लाभ कमाते हैं। अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से गैंग के द्वारा किए गए अपराधों की जानकारी दी गई।

जुम्मन ने इन सभी आरोपों को स्वीकार कर लिया। इसके आधार पर विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट उत्कर्ष यादव ने जुम्मन को दोषसिद्ध ठहराते हुए चार साल की कैद और पांच हजार रुपये अर्थदंड से दंडित करने का आदेश दिया। अर्थदंड अदा न करने पर 15 दिन अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी।

सपा नेता वीरेंद्र बहादुर पाल के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज, सहयोगी महिला वकील की शिकायत पर हुई कार्रवाई

मऊ । शहर कोतवाली पुलिस ने एक महिला ने जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता और सपा नेता के विरुद्ध दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। वहीं, इस मामले में आरोपी अधिवक्ता द्वारा पीड़िता पर फोटो एडिट करके ब्लैकमेल सहित अन्य आरोप लगाकर तहरीर सौंपी है। दर्ज मुकदमे के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र बहादुर पाल जो कि चकमेंहदी थाना सरायलंखसी का निवासी है। उससे उसकी पहचान उसके विपक्षी वकील के रूप में हुई थी, जहां बातचीत शुरू होने पर उसके द्वारा उसे अपने यहां मुंशी की नौकरी दी गई।

आरोप लगाया कि इस बीच आरोपी द्वारा मेरा शारीरिक शोषण किया जाने लगा। एक दिन जब वह ड्यूटी करने के बाद अपने घर जा रही थी तभी आरोपी वकील अपनी चार पहिया गाड़ी लेकर आया और उसे जबरदस्ती कार में बैठा लिया। जहां उसने उसे कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसका दुष्कर्म किया। आरोप लगाया कि आरोपी उसे लखनऊ स्थित अपने घर ले गया, यहां भी उसने उसके साथ दुबारा दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी द्वारा उसका वीडियो भी बना लिया गया, जिसके बाद वह बीते एक साल से उसे ब्लैक मेल कर दुष्कर्म करता आ रहा है। अब उसके द्वारा उसे जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। इस मामले में पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। वहीं, इस संबंध में पुलिस अधीक्षक इलामारन जी. का कहना है कि वादी की तहरीर पर अधिवक्ता के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है। इस मामले में पुलिस को आरोपी अधिवक्ता की ओर से भी महिला पर फोटो एडिट कर उसे ब्लैक मेल करने का आरोप लगाकर तहरीर दी गई है।

महिला दुकानदारों को बातों में उलझाकर युवक ने पार कर दिए दो मोबाइल

एटा उत्तर प्रदेश के एटा में शनिवार की देर शाम दुकान में एक चोर महिला दुकानदारों को बातों में उलझाकर दो मोबाइल फोन चुराकर फरार हो गया। मोबाइल न मिलने पर जब सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखीं, तो पता चला कि कपड़े खरीदने आया व्यक्ति ही चोर था। सीसीटीवी फुटेज का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना थाना रिजोर क्षेत्र के गांव गुमानपुर की है। गांव निवासी रजनीश कुमार ने बताया कि गांव के बाहर सड़क पर उनकी कपड़ों की दुकान है। घर की महिलाएं इस दुकान को चलाती हैं। शनिवार की देर शाम एक व्यक्ति कुछ कपड़े खरीदने आया। महिलाएं उसको कपड़े दिखाने लगीं। पसंद करने के लिए उसने और कपड़ों की मांग की। जैसे ही दोनों महिलाएं कपड़े निकालने लगीं, उसी समय बातें करते-करते युवक ने तकिये के नीचे रखे दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए। उसके बाद कपड़े पसंद न आने की कहकर चला गया। कुछ समय बाद जब महिलाओं ने देखा तो तकिये के नीचे मोबाइल नहीं मिले। इसके बाद इन लोगों ने मुझे जानकारी दी। दुकान पर पहुंचकर जब सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखा, तो उसमें व्यक्ति दिखाई दिया। वह तकिये के नीचे से मोबाइल निकालकर अपने बैग में रखता दिखाई दे रहा है। सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गई है। थाना प्रभारी अलका तोमर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की जा रही है। जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

महिला की गुहार: साहब मजदूर हैं, बिजली का बिल डेढ़ लाख आ गया; डीएम ने एसडीओ को दी हिदायत

वाराणसी वाराणसी के जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने पिंडरा तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस पर लोगों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान बाबतपुर की महिला फरियादी हेमा ने कहा कि साहब मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। बिजली का बिल प्रतिमाह 10 हजार रुपये आ रहा है। डेढ़ लाख का बिल मिलने से परेशान हैं। इस पर डीएम ने एसडीओ को बिल ठीक करने की हिदायत दी। इस दौरान कुल 113 में से 9 शिकायती पत्रों का मौके पर निस्तारण किया। बाकी बचे पत्रों को निस्तारित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास भेजा।

अजईपुर के कमलेश मौर्य ने आरोप लगाया कि मेरे एक पुत्र को इलाहाबाद मेडिकल कालेज में एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने तथा दूसरे पुत्र को बीएचयू में क्लर्क की नौकरी दिलाने के नाम पर असवालपुर निवासी युवक ने साढ़े 15 लाख रुपये हड़प लिए। जिसपर एसीपी पिंडरा को जांच दी गई।

ताड़ी के रामजियावन गुप्ता ने 8वीं बार प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि सिसवा रामपुर गांव में दूसरे गांव के अपात्र व्यक्ति को ग्राम सभा की जमीन पट्टा पर दी गई। जिसपर बीडीओ को जांच कर कार्रवाई का आदेश दिया। नोनियापुर अनेई की सुनीता और जितना ने आरोप लगाया कि अक्टूबर 2020 को भूमि आवंटित हुई थी। लेकिन आज तक कब्जा नही मिल पाया।

11 से 13 सितंबर तक सेमीकॉन इंडिया 2024 की मेजबानी करेगी योगी सरकार, पीएम मोदी करेंगे शुभारंभ

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश को सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और इसी क्रम में उत्तर प्रदेश 11 से 13 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में सेमीकॉन इंडिया 2024 की मेजबानी करने जा रहा है। भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग को विकसित करने में मदद करने के लिए सेमी और मेसे मुएनचेन इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया-ईएलसीआईएनए के साथ इस कार्यक्रम के लिए साझेदारी कर रहे हैं। 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वृहद कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक उभरता हुआ प्लेयर है। अनुमान है कि इस क्षेत्र का चिप बाजार 2026 तक 55 बिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार भी इस क्षेत्र में संभावनाओं को देखते हुए सेमीकंडक्टर उद्योगों को आमंत्रित कर रहा है।

प्रदर्शनी में शामिल होंगे दुनिया भर के सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरर्स...सेमिकॉन इंडिया 2024 के शेड्यूल के अनुसार, 11 से 13 सितंबर तक तीनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर के सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चर अपने स्टॉल्स लगाएंगे। पहले दिन 11 बजे प्रधानमंत्री मोदी सेमीकॉन इंडिया का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, वर्कशॉप्स का आयोजन होगा। भारत में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम पर एक प्रस्तुतिकरण भी किया जाएगा। दूसरे दिन क्रॉस रीजनल पार्टनरशिप, फ्लेक्सिबल हाईब्रिड इलेक्ट्रॉनिक्स, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, माइटी इंडस्ट्री एकेडमिया वर्कशॉप्स और सस्टेनेबिलिटी सेशन आयोजित होंगे। वहीं अंतिम दिन 13 सितंबर को माइक्रोन द्वारा पैकेज मैन्युफैक्चरिंग बूटकैंप, आईईएसए द्वारा सेमीकंडक्टर की अब तक की जर्नी पर प्रस्तुतिकरण होगा। आईएसए द्वारा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन का इंट्रोडक्शन भी कराया जाएगा।

यूपी में स्किल डेवलपमेंट और रोजगार के सृजित होंगे अवसर...सेमीकॉन इंडिया प्रदर्शनी और सम्मेलन, इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया के साथ आयोजित किया जाएगा, जो दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग मेले हैं। अन्य सभी सेमीकॉन एक्सपोजिशन की तरह, सेमीकॉन इंडिया भी व्यापक प्रदर्शनियों, सूचनाप्रद कार्यक्रमों और अद्वितीय नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करेगा। इसमें विभिन्न देशी और विदेशी कंपनियों का आगमन होगा, जो यहां लोकल लीडर्स और सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और भारत के बढ़ते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को देखेंगे, ताकि उन्हें अपने बिजनेस के विस्तार के नए अवसर मिल सकें।

देश में तकनीकी विकास को आगे बढ़ाने और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत सेमीकंडक्टर मिशन (इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक पहल) ने एएमडी, अप्लाइड मटेरियल्स और माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसी बड़ी कंपनियों को अपने चिप क्षेत्र में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है। योगी सरकार की भी मंशा है कि प्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा दिया जाए ताकि प्रदेश को कई अन्य सेक्टर की तरह सेमीकंडक्टर उद्योगों का भी हब बनाया जा सके। ऐसा होने से उत्तर प्रदेश के युवाओं के स्किल डेलपमेंट के साथ ही रोजगार के भी अवसर सृजित हो सकेंगे।

अभिनंदन समारोह में साईम राजा सम्मानित

द न्यूज फिफ्टीन

बिजनौर। मुरादाबाद लोकसभा से नवनिर्वाचित सांसद एंव बिजनौर निवासी रुचि वीरा का पीस ट्रस्ट आफ इंडिया द्वारा जिलेवासियों की ओर से नागरिक अभिनंदन किया गया। इस मौके पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले भर की प्रतिभावान शख्सियतों को सम्मानित किया गया। उन्हीं प्रतिभावान शख्सियतों में एक किरतपुर निवासी साईम राजा को उनके द्वारा किये प्रेरणादायक कार्यों के लिये सांसद रुचि वीरा ने शाल ओढ़ाकर एंव प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सांसद रुचि वीरा ने साईम राजा की हौसला अफजाई की और उनके सामाजिक कार्यों, शिक्षा के क्षेत्र में किये कार्यों को सराहना की। साईम राजा ने रुचि वीरा को उनकी शानदार जीत बधाई दी एंव उज्जवल भविष्य की कामना की। साईम राजा ने पीस ट्रस्ट आफ इंडिया के अध्यक्ष हाजी दानिश अख्तर, हसन अली चौधरी एंव उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

रुचि वीरा का सम्मान समारोह आयोजित

बिजनौर । पीस ट्रस्ट आफ इंडिया की जानिब से मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र नवनिर्वाचित सांसद बिजनौर निवासी कुंवरानी रुचिवीरा का नागरिक अभिनंदन चाहशिरी स्थित पीस ट्रस्ट आप इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी दानिश अख्तर के आवास पर वरिष्ठ सभासद जुल्फिकार बैग उर्फ. बेबी की अध्यक्षता और हसन अली चौधरी के संचालन में सम्पन्न हुआ इस अवसर पर अपने नागरिक अभिनंदन समारोह में बोलते हुए सांसद रुचिवीरा ने कहा कि जिस तरह का प्यार मुरादाबाद की आवाम ने मुझे दिया है इस तरह का प्यार मुझे बिजनौर की जनता देती रही है उन्होंने बिजनौर और मुरादाबाद की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा की दोनों ही क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर वह सड़क से लेकर सत्ता और सत्ता से लेकर संसद तक लड़ाई लड़ेगी उन्होंने कहा कि वह और उनका परिवार जनसेवा को समर्पित है जो भी जन समस्या मेरे सामने आएगी उस जन समस्या का निराकरण करने के लिए मैं हरदम कोशिश करूंगी उन्होंने यह भी कहा कि मेरा पूरा जीवन जनता के लिए समर्पित है कार्यक्रम में शहर मे उत्कर्ष कार्य करने वाले महानुभावों डॉ पंकज भारद्वाज मीनू गोयल प्रशांत गोयल राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे खालिद असरार डॉक्टर सूर्यमणि रघुवंशी मुनीष त्यागी ज्योति लाल शर्मा साईम राजा

मरियम साईम डॉ दीपिका चौधरी डॉक्टर जतिन चौधरी याकूब मलिक हसन अली चौधरी राजवीर सिंह जुबेर खान सौरभ अजय गुप्ता एडवोकेट शकील अहमद सुंदर गोयल जुल्फिकार बैग उर्फ.बेबी पूर्व प्रधानाचार्य शाकि हुसैन आईपीएस में चयनित जनपद निवासी शुमाइला चौधरी बी. यू. एम. एस. विद्यालय टॉपर सुमैया अय्यूब युवा उधमी आबिद सिद्दकी आर्टिस्ट नौशाद अख्तर मोहम्मद अरशद शकील अहमद हसन अली चौधरी शायर फारूक बिजनौरी साहित्यकार डॉ अजय जनमेय नानक चंद खेड़ा समाजसेवी सखी अल्वी चिकित्सक डॉक्टर आबिद अख्तर ब बेग पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार एडवोकेट पूर्व डीजीसी हुजूर मेहंदी जैदी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित श सहादत हुसैन आदि को सम्मानित किया कार्यक्रम में उन लोगों को भी याद किया गया जो लोग दिवंगत हो चुके हैं लेकिन उनका समाज सेवा से गहरा रिश्ता रहा है उनके परिवारों को भी सम्मानित किया गया जिसमे कुशल प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जनपद निवासी पूर्व पीसीएस अधिकारी स्वर्गीय के.के चौधरी जिले की राजनीति में अपना अहम मुकाम रखने वाले पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजा गजन्फ्फर अली खान समाज सेवा को समर्पित स्वर्गीय जकी अंसारी स्वर्गीय ए.क बंसल एडवोकेट जीआईसी के पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय मोहम्मद शरीफ स्वर्गीय मोहम्मद इरफान स्वर्गीय जमाल अख्तर पूर्व सभासद स्वर्गीय शराफत हुसैन मिर्जा शिक्षाविद उनके जीवित रहते हुए ।

जन सेवाओं को देखते हुए उनके आश्रितों को सम्मानित किया गया इस अवसर पर हस्तलिपि में सांसद रुचि वीरा जी को नागरिक अभिनंदन सम्मान पत्र पीटीआई के अध्यक्ष साजिद दानिश और उपाध्यक्ष हसन अली चौधरी ने दिया गया पीटीआई के निर्दशक मेहताबुद्दीन द्वारा मेमन्टो भेट किया संसद रुचिवीरा जी की हस्त फोटो पेंटिंग वैशाली गोयल और अल्फिया अख्तर द्वारा भेंट की गई बदरूजमा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने सांसद रुचिवीरा जी को और स्वाति वीरा जी को शाल उड़ाकर अभिनंदन किया कार्यक्रम में राशिद हुसैन जिला अध्यक्ष डॉक्टर तौसीफउद्दीन रचित बंसल डॉक्टर आरिफ नदीम अहमद खान मोहम्मद जोहर पाशा शारिक राणा चांद बीबी पुर्व बैंक मैनेजर अरशद नजीब मोहम्मद अहमद पूर्व प्रधानाचार्य डॉक्टर आफताब अहमद औरंगजेब बैंग गुलजार अहमद हुमायूं बेग वसीम अकरम खुशनूद खाँ असलम प्रधान जैनब आयुब नाज रिजवी परवेज आलम मोहम्मद राशिद सद्भावना मंच के शकील अहमद आसमा अख्तर फराज अहमद फुरकद अली चौधरी हनी फैसल मेहमूद कस्सार पत्रकार फैसल फुरकान चौधरी अविनाश कुमार आदित्य कुमार पूर्व सभासद आकिब अंसारी मोहम्मद् तारिक अब्दुल्ला तारिक डॉ मोहित बंसल हिलाल बेग मोहम्मद सलमान सरफराज अहमद पूर्व प्रवक्ता शाहिद हुसैन काजी जावेद अल्ताफ रुहिल अब्दुल्लाह अंसारी ईशान जैस शमीम अख्तर हाजी इमरान जफर हसनैन सम्मानित लोग लोग उपस्थित थे अंत में पीस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी दानिश अख्तर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सपा के जिला कार्यालय सहायक बबलू की पत्नी का निधन

द न्यूज फिफ्टीन

बिजनौर। समाजवादी पार्टी के कार्यालय सहायक सुरेंद्र सिंह बबलू की पत्नी सीमा देवी का निधन हो गया। वह काफी अरसे से बीमार थीं। पार्टी कार्यालय पर शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें दो मिन्ट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की गई।शनिवार को समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर आयोजित शोकसभा में जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने कहा कि सुरेन्द्र सिंह बबलू संस्थापक सदस्य है और वह लम्बे अरसे से पार्टी कार्यालय पर कार्यालय सहायक के तौर पर सेवा करता रहा है। उनकी पत्नी का देहांत हम सबके लिये दुखद है। शोकसभा में दो मिन्ट का मौन धारण कर श्रदांजलि दी गयी। दुख की इस घड़ी में पूरी पार्टी बबलू के साथ खड़ी है। उन्होंने बबलू को ढांढस बंधाया और हिम्मत दी।

उल्लेखनीय है कि आज शनिवार को जिला कार्यालय पर पार्टी की मासिक बैठक प्रस्तावित थी। जो जिला अध्यक्ष ने कार्यालय सहायक सुरेंद्र बबलू की पत्नी के आकस्मिक निधन पर स्थगित कर दी गई है। जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन शेख ने ने कहा की पार्टी की बैठक तो हम अगली बार भी कर लेंगे लेकिन यह समय पार्टी के पुराने कार्यकर्त्ता बबलू की पत्नी को श्रद्धांजलि देने का है। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक नईमुल हसन, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल यादव, डा० रहमानी, जावेद अख्तर, प्रभा चौधरी, अय्यूब अंसारी, अखलाक पप्पू, महमूद कस्सार, हनी फैसल, आबिद खां, लाल सिंह कश्यप, नसीम अहमद, बहादूर अंसारी, संजय यादव, अफजाल, लालू, नईम अहमद, शेख इरशाद, अब्दुल वाहब, सरदार सुरेंद्र, चौ० दिनेश, सत्यपाल सिंह, सुधीर चौधरी आदि मौजूद रहे।

सांसद रुचि वीरा ने मरियम को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया

द न्यूज फिफ्टीन

बिजनौर। पीस ट्रस्ट आफ इंडिया द्वारा आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में मुरादाबाद लोकसभा से सपा सांसद एंव बिजनौर निवासी रुचि वीरा का जिलेवासियों की ओर से अभिनंदन किया गया। इस मौके पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर की प्रतिभावान शख्सियतों को शाल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री मरहूम राजा गंजन्फ्फर अली खान की सेवाओं को याद करके उनको खिराजे अकीदत पेश की गई। कार्यक्रम में मरहूम राजा गंजन्फ्फर अली खान की सुपुत्री मरियम साईम को शिक्षा के क्षेत्र में किये सराहनीय कार्यों के लिये सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप मरियम को सांसद रुचि वीरा द्वारा शाल ओढ़ाई गई और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। मरियम द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये कार्यों विशेषकर बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तिकरण के उपलक्ष में सांसद रुचि वीरा ने मरियम की भुरि-भुरि प्रशंसा की। मरियम साईम ने पीस ट्रस्ट आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी दानिश अख्तर एंव उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

भाजपा नेता की साजिश: चंदौसी पुलिस दो दिन तक बेगुनाहों को पीटती रही

चंदौसी। चंदौसी में भाजपा नेता प्रेमपाल की साजिश में जेल भेजे गए बेगुनाह श्यामलाल और हेमंत घटना का राजफाश होने के बाद शनिवार को रिहा होने पर घर पहुंचे तो उन्होंने पुलिस की मनमानी की कहानी बयां की। बोले, जुल्म तो हमारे साथ हुआ। दो दिन तक पुलिस पीटती रही और बोली कबूल कर लो गोली तुमने मारी है।

दो दिन पुलिस की प्रताड़ना झेलने के बाद कबूल नहीं किया, जिसके बाद झूठे मुकदमे में जेल भेज दिया। जेल में 37 दिन घुटन के साथ काटे। भला हो डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का जो उन्होंने हमारी सुनी। तीसरा बेगुनाह दिलीप सोमवार को रिहा हो सकेगा।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला लोधियान निवासी श्यामलाल ने बताया कि 27 जुलाई की रात करीब 12 बजे पांच पुलिसकर्मी उनके घर में घुस आए थे। सोते से उठाने के बाद उनके साथ दिलीप और हेमंत के घर ले गए। वहां

उनको भी सोते से ही उठाया और तीनों को कोतवाली लाकर पिटाई शुरू कर दी। पुलिसकर्मी पिटाई करने के साथ कह रहे थे कि कबूल कर लो कि भाजपा नेता प्रेमपाल सिंह को गोली तुमने मारी है। जब गोली मारने की बात कबूल नहीं की गई तो दो रात तक पिटाई की। 29 जुलाई की सुबह जेल भेज दिया। श्यामलाल ने बताया कि प्रेमपाल से उनकी कोई रंजिश नहीं है। वह मोहल्ले में राशन डीलर है। बताया कि दिलीप और हेमंत की 11 बीघा जमीन बदायूं के गांव परौली में है। उस जमीन को प्रेमपाल सिंह अपने नाम करने का दबाव बना रहा था। जब दिलीप और हेमंत दबाव में नहीं आए तो 10 लाख रुपये उधार होने की झूठी कहानी रच रहा था। श्यामलाल ने बताया कि प्रेमपाल सिंह चाहता था कि 10 लाख रुपये उधार होने की गवाही पुलिस को दे दे, लेकिन जब उसने मना किया तो वह खफा हो गया। इसलिए दिलीप और हेमंत के साथ उन्हें भी फंसा दिया। आरोपी बनवा दिया।

53 लाख की जमीन हड़पने के लिए रची थी साजिश...त्रिवेणी देवी की पुश्तैनी चार बीघा जमीन शहर से लगी थी। उसको 60 लाख रुपये में बेच दिया था और बदायूं के गांव परौली में 11 बीघा जमीन 53 लाख रुपये की खरीद ली थी, उस समय पर कब्जा ग्रामीणों ने नहीं होने दिया। इसलिए त्रिवेणी देवी और दोनों बेटे परेशान थे।

बाबा ने मौखिक किया था बंटवारा, उसमें से एक भाई ने बेच दी जमीन,अब सर्वे ने बढ़ाई परेशानी

संवाददाता।

पटना। बिहार के 45 हजार राजस्व गांवों में जमीन सर्वे की प्रक्रिया चल रही है। ऐसा लग रहा है कि सरकार और लोगों के पास सिर्फ और सिर्फ यही काम है। जायदाद के कागजात होने चाहिए, अच्छी बात है। मगर, जिस सरकारी सिस्टम के भरोसे ये सब होना है वो इतना करप्ट है कि पैसे लेकर भी काम नहीं करता है। अब ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि मौखिक बंटवारे वाली जमीन का खतियान किसके नाम बनेगा? पुश्तैनी जमीन का बाबा ने मौखिक बंटवारा कर दिया था। उसमें से भी एक भाई ने अपने हिस्से की कुछ जमीन बेच दी है। ऐसे में अब सरकारी सर्वे में उनकी जमीन का क्या होगा?

अगर आप गांवों में जाएं कई ऐसे लोग मिल जाएंगे, जिनकी पुश्तैनी जमीन है और इसका बंटवारा उनके परदादा के समय में मौखिक रूप से हो गया था। इसका कोई लिखित प्रमाण नहीं है। ऐसे में समस्या ये है कि बंटवारे के बाद कई लोगों ने अपनी जमीन बेच दी। ऐसे में कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि सर्वे के बाद उनकी जमीन का

मालिकाना हक किसके पास होगा और खतियान किसके नाम पर बनेगा?

जब उनसे पूछिए कि इतने दिनों में आपने अपनी कागज दुरुस्त क्यों नहीं कराई तो वो बताएंगे की सरकारी दफ्तरों और कर्मचारी के पास जाकर पैर घिस गए, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। अब ऐसे लोगों को डर है कि सर्वे के बाद उनकी जमीन किसी और के नाम तो नहीं हो जाएगी। इस तरह का मामला बदलेन वाली जमीनों को लेकर है। जिसके कागजात आधे-अधूरे हैं या फिर है ही नहीं।

ऐसी बात नहीं है कि सिर्फ जमीन का मालिक ही परेशान है। बल्कि सर्वे का काम पूरा करने वाले भी आधी-अधूरी जानकारी लेकर बैठे हैं। ऊपर से तुक्का ये कि बिहार सरकार ने कागजातों के लिए जितनी वेबसाइट लॉन्च की है वो भी आधी-अधूरी ही है। एक तो उसके खुलने में काफी वक्त लगता है।

खुल गया तो फिर आप जिस काम के लिए वहां गए हैं, वो हो जाए इसकी कोई गारंटी नहीं। खेती की जमीन से ज्यादा समस्या घर वाले पार्ट को लेकर है। पुराने समय में लोग जमीन का बंटवारा मौखिक रूप से करते थे और लिखित कागजात बहुत कम बनते थे। ऐसे में कई बार लोग अपनी जमीन बेच देते हैं या उस पर कई मकान बनवा लेते हैं। अब सर्वे के दौरान सभी लोग खतियान के आधार पर अपनी हिस्सेदारी मांग रहे हैं, जिससे समस्या और बढ़ गई है।

बिहार में भूमि सर्वेक्षण का लक्ष्य जुलाई 2025 तक का रखा गया है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक तारीख नहीं है। इस बीच जमीन के कागजातों की कमी, पुरानी रिकॉर्ड्स और नियमों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। अगले साल विधानसभा चुनाव है, इस सर्वेक्षण के राजनीतिक प्रभाव भी देखने को जरूर मिलेंगे।

बताया जा रहा है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ये ड्रीम प्रोजेक्ट है। हर हाल में वो भूमि सर्वेक्षण के काम को समय पर पूरा कराना चाहते हैं। बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी अभी लॉ एंड ऑर्डर फोकस्ड है। जमीन सर्वे को लेकर सिर्फ प्रशांत किशोर हमलावर है। इसके तरीके और जल्दबाजी पर वो सवाल उठा रहे हैं।

भूमि सर्वेक्षण से जुड़ी कई तरह की व्यावहारिक समस्याएं भी सामने आ रही हैं। बहुत से लोगों के पास जमीन के कागजात नहीं हैं या उनके पास मौजूद कागजात बहुत पुराने हैं। वंशावली तैयार करने, महिलाओं के अधिकारों को सुरक्षित रखने और वास्तविक जमीन के रकबे और कागजात में अंतर जैसी कई चुनौतियां सामने आ रही हैं।

सरकार विरोधी कुछ नेताओं का दावा है कि अफसरों के पास इसकी अपनी तैयारी नहीं है। इधर, भूमि सर्वेक्षण के कारण लोगों में बेचैनी बढ़ रही है। लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। कोई ब्लॉक ऑफिस जा रहा है, कोई कर्मचारी से मिल रहा है। जमीन के कागजातों को लेकर लोगों में भ्रम और चिंता है। किसी को खतियान नहीं मिल रहा है तो किसी को खाता-खेसरा ही नहीं मालूम। जिस देश में आधार से पैन को लिंक कराने में एक दशक से ज्यादा लग गया, वहां नीतीश कुमार चाहते हैं कि 110 साल बाद हो रहे सर्वे को 10 महीने में ही पूरा कर लें। अगर, सबकुछ ठीक से नहीं हुआ तो आगामी विधानसभा चुनाव का असर इस सर्वे का पड़ना तय है।

बिहार में अगले साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव है, जिसकी तैयारी अगस्त-सितंबर से ही शुरू हो जाएगी। वैसे, जमीन सर्वे का काम तो ठीक है, मगर इसके लिए जो समय सीमा तय की गई है, उसे लेकर थोड़ी बेचैनी दिख रही है।

आधार कार्ड पर बीजेपी और जदयू में सियासी बवाल

नीरज कुमार ने साधा असम के मुख्यमंत्री पर निशाना

संवाददाता।

पटना। असम सरकार द्वारा राज्य के कुछ जिलों में आधार कार्ड बनवाने के लिए एनआरसी आवेदन संख्या अनिवार्य करने के आदेश के बाद जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि आधार कार्ड के लिए अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग कानून की बात समझ से परे है। उन्होंने कहा कि मैं जहां तक समझ पाता हूं कि आधार कार्ड राष्ट्रीय स्तर पर बनता है। इसके लिए देश के अंदर एक ही नीति है। एक देश, एक कानून की बात भी होती है। तो ऐसी स्थिति में आधार कार्ड के लिए बिहार में अलग मापदंड, असम में अलग मापदंड, पश्चिम बंगाल में अलग मापदंड हो, यह समझ में नहीं आता है।

उन्होंने एनआरसी जैसे गंभीर मुद्दे पर विभिन्न दलों की अलग-अलग राय है। तो ऐसे सवाल पर आपस में सहमति का रास्ता भी तो निकालना चाहिए। यह महत्वपूर्ण विषय है। अब मैं नहीं जानता कि आधार कार्ड बनाने के लिए

एनआरसी नंबर का क्या मतलब है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा था कि कुछ जिलों में आधार कार्ड बनवाने के लिए लोगों को एनआरसी नंबर देने होंगे। असम में अवैध घुसपैठ का मामला काफी पहले से चिंता का विषय रहा है। हाल ही में पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बीच घुसपैठियों की संख्या बढ़ गई है। इस पर प्रदेश सरकार लगातार नजर बनाए हुए है।

सरमा ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असम के कुछ विशेष जिलों में जनसंख्या से अधिक लोगों ने आधार कार्ड का आवेदन किया है। इसलिए हम उन्हीं को आधार कार्ड जारी करेंगे, जिनके पास एनआरसी नंबर हो, ताकि घुसपैठियों को नागरिकता न मिले। असम सरकार के अनुसार, इस साल जनवरी से अब तक 54 घुसपैठिये पकड़े गए हैं। इनमें करीमगंज जिले में 48, बोंगईगांव जिले में चार, और हाफलोंग जीआरपी तथा धुबरी जिलों में एक-एक घुसपैठिया पकड़ा गया है। पकड़े गए लोगों में से 45 को उनके देश वापस भेज दिया गया, जबकि नौ को करीमगंज में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा, ऊपरी असम और उत्तरी असम के जिलों में संदिग्ध गैर-भारतीय नागरिकों और विदेशी मूल के व्यक्तियों की उपस्थिति की खबरें भी सरकार को मिल रही हैं।

मंत्री ने की बाबा खगेश्वर नाथ के दर्शन-पूजन

पूर्व कुलपति के यहां भी गए , हाल-जान जाना

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। स्थानीय सांसद सह जलशक्ति मंत्री राजभूषण निषाद ने प्रखंड के अतिप्राचीन बाबा खगेश्वर नाथ महादेव मंदिर में रविवार को पूजा अर्चना किया। वहीं राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के पूर्व कुलपति आदरणीय डॉ गोपाल त्रिवेदी के आवास पहुंचे,जहां उनसे हाल चाल जाना।

इस दौरान भाजपा गायघाट विधानसभा प्रभारी मनोज कुमार, भाजपा नेता अशोक सिंह,किसान मोर्चा अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय,फेकू राम, लालाबाबू सहनी, बंदरा मंडल अध्यक्ष अशोक सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुशवाहा,ललन त्रिवेदी,राजकिशोर चौधरी आदि भी थे ।

भोजपुर के पूर्व खनन निरीक्षक रंजीत कुमार के ठिकानों पर छापेमारी

ईओयू ने बरामद किए निवेश के कागजात

संवाददाता।

आरा। बालू माफिया से सांठ गांठ कर करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने वाले अधिकारियों पर ईओयू का शिकंजा कसता जा रहा है। इसी कड़ी में बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने भोजपुर के पूर्व खनन निरीक्षक रंजीत कुमार के कई ठिकानों पर छापेमारी की, जिन पर बालू माफिया से मिलीभगत करने और आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। हालांकि, ये छापेमारी दो दिनों तक चली है। एजेंसी के अधिकारियों ने कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईओयू की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 5 और 6 सितंबर को इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में पांच टीमों ने रंजीत के पटना शहर के खाजेकलां इलाके में स्थित पैतृक घर, भोजपुर

में तीन और गया में एक समेत पांच अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। कोर्ट से सर्च वारंट जारी होने के बाद छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान टीम ने बैंकों में निवेश, संपत्ति और आभूषण से जुड़े दस्तावेज जब्त किए।

पूर्व खनन निरीक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत आय से अधिक संपत्ति (डीए) का मामला दर्ज किया गया है। ईओयू के मुताबिक छापेमारी के दौरान आरा में उनके किराए के घर से झारखंड के धनबाद में दो फ्लैटों की बुकिंग के दस्तावेज बरामद किए गए। बीमा पॉलिसी से जुड़े कागजात, मधुबनी और धनबाद में जमीन की खरीद, एलआईसी के दो बॉन्ड पेपर, दो वाहनों (दोपहिया और चार पहिया वाहन), आभूषण, बैंक खाता, विभिन्न बैंकों की चेकबुक और एटीएम के दस्तावेज जब्त किए गए। अधिकारियों ने कहा कि हम छापेमारी के दौरान जब्त किए गए सभी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं।

तेरे नाम का सिंदूर...फालतू की बात ना करें!

लालू की बेटी ने ऐसा क्या कह दिया कि भड़क गए नीतीश के मंत्री

संवाददाता।

पटना। बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मंत्री अशोक चौधरी पत्रकारों पर भड़क गए, जब उनसे नीतीश कुमार के महागठबंधन में जाने के बारे में सवाल पूछा गया। अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार पहले ही कह चुके हैं कि वो महागठबंधन में नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि बार-बार यह सवाल पूछने का क्या मतलब है? अशोक चौधरी इस बात से नाराज हो गए कि लालू यादव की बेटी रोहिणी के सोशल मीडिया रिएक्शन पर पत्रकारों ने सवाल पूछ दिया।

पटना में पत्रकारों ने मंत्री अशोक चौधरी से लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के नीतीश कुमार पर किए गए ट्वीट के बारे में ,सवाल पूछ दिया। अशोक चौधरी ने पत्रकारों से कहा, 'आप लोगों के पास कोई काम नहीं है? फालतू की बातें क्यों कर रहे हैं? अगर आरजेडी सवाल पूछ रही है तो आरजेडी से पूछिए, जेडीयू पर इसका कोई असर नहीं पड़ता।'

रोहिणी आचार्य के ट्वीट पर बोलते हुए अशोक चौधरी ने कहा,

'उनके बयानों को कोई सीरियसली नहीं लेता है।' उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि नीतीश कुमार का रुख बिल्कुल साफ है और जेडीयू को बेवजह विवादों में घसीटने का कोई मतलब नहीं है।

दरअसल, शुक्रवार को नीतीश कुमार ने जेपी नड्डा के साथ कार्यक्रम में अपनी पुरानी बात को दोहराते हुए कहा था कि अब वो इधर से उधर नहीं जाएंगे। रोहिणी आचार्य ने इसे लेकर नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि तीज के दिन 'किसी' ने फिर से झूठी कसम खाई। अब कहीं नहीं जाएंगे, 'तेरे' नाम का ही सिंदूर लगाएंगे। 'तेरे' साथ ही निभाएंगे। ..कौन विश्वास करेगा! जो करेगा वो धोखा खाएगा। इसी पोस्ट पर जेडीयू के रिएक्शन के लिए पत्रकारों ने अशोक चौधरी से सवाल किया था।

बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार के पाला बदलने को लेकर हमेशा सुगबुगाहट बनी रहती है। इससे पहले भी कई बार इन कयासों पर नीतीश कुमार बयान दे चुके हैं। कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने तो कभी अमित शाह के सामने। नीतीश कुमार कहते रहते हैं कि अब वो इधर से उधर नहीं जाएंगे। शुक्रवार को बिहार दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने भी नीतीश कुमार ने अपने इस बयान को दोहराया था।

बिहार में दो भागों में टूट गई मगध एक्सप्रेस बाल-बाल बच गए सैकड़ों मुसाफिर

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/बक्सर। बिहार के बक्सर में नई दिल्ली से आ रही मगध एक्सप्रेस रविवार को हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे मे ट्रेन दो हिस्सों में टूट (बंट) गई। ये हादसा डीडीयू-पटना रेल रूट पर हुआ। हालांकि बड़ी बात ये रही कि बावजूद इसके एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल नई दिल्ली से इस्लामपुर को जा रही मगध एक्सप्रेस बक्सर के पास हादसे का शिकार हुई। इस हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

घटना में कोई जान माल के नुकसान की खबर नहीं है। तस्वीरों से लग रहा है कि मगध एक्सप्रेस का कपलिंग टूटने के कारण ये हादसा हुआ। मगध एक्सप्रेस के साथ ये हादसा डुमरांव और रघुनाथपुर स्टेशन के बीच टूड़ीगंज स्टेशन के पास हुआ। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई है। वहीं, रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। फिलहाल बक्सर-पटना रेलखंड पर

डाउन लाइन में रेल परिचालन बाधित है और घटनास्थल के लिए रेलवे के अधिकारी रवाना हो गये। गौरतलब है कि मगध एक्सप्रेस नई दिल्ली से पटना जा रही थी।

ट्रेन संख्या 20802 डाउन डुमरांव रेलवे स्टेशन से 8 मिनट के विलंब से सुबह 11:00 बजे चली थी। सुबह 11:06 बजे यह ट्रेन टुड़ीगंज स्टेशन से आगे बढ़ी। करीब 1 मिनट के बाद ही यह हादसा हो गया। मिल रही जानकारी के मुताबिक किसी तरह की जान माल की क्षति नहीं हुई है। रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। वहीं सभी यात्री बाल-बाल बच गए। पूर्व-मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्रा ने बताया, 'यह घटना पूर्वाह्न करीब 11.08 बजे तुरीगंज और रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के बीच हुई।' चंद्रा के अनुसार, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि बचाव दल के साथ-साथ तकनीकी दल भी मौके पर पहुंच गए हैं।

बिहार में हरियाणा-महाराष्ट्र चुनाव के बाद फिर 'खेला' के आसार

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार की राजनीति में 'खेला' शब्द अब राजनीतिक संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। बिहार की सियासत में खेला पहले भी समय-समय पर होता रहा है। पर, इसमें गति 2024 के आरंभ से आई है। नीतीश कुमार जब महागठबंधन (अब ह्यइंडियाह्न) से अलग होकर एनडीए का हिस्सा बने तो आरजेडी नेता और पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव ने 'खेला होगा' कह कर खेला संस्कृति को हवा दे दी। हालांकि वे जिस खेला की बात करते थे, उसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिली। इसके बावजूद आरजेडी नेताओं के मन में खेला शब्द ऐसे कुंडली मार कर बैठ गया है कि वे बार-बार बिहार में खेला की बात करते हैं।

वर्ष 2013 में बीजेपी ने 2014 के संसदीय चुनाव में नरेंद्र मोदी को पीएम फेस बनाने की घोषणा की। नीतीश कुमार को नरेंद्र मोदी का चेहरा रास नहीं आया। उन्होंने 2005 से भाजपा के साथ बने रिश्ते को तार-तार कर दिया। हालांकि भाजपा से रिश्ता तोड़ने के बाद उन्होंने अकेले अपनी ताकत आजमाई और उसका नतीजा 2014 में देख लिया। जेडीयू को तब लोकसभा चुनाव में 40 में सिर्फ दो सीटें ही मिलीं। 2015 में जब बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ तो लालू यादव ने उन्हें महागठबंधन में सीएम बनाने की शर्त पर शामिल करा लिया। इसका सुखद परिणाम आया।

बिहार में दशक भर से ज्यादा चली एनडीए सरकार की जगह महागठबंधन की सरकार बन गई। नीतीश कुमार को वादे के मुताबिक लालू ने सीएम भी बना दिया। दूसरी बार नीतीश कुमार ने फिर खेला कर दिया। वर्ष 2017 में उन्होंने महागठबंधन से अलग होकर भाजपा के साथ सरकार बना ली। वर्ष 2022 में नीतीश ने फिर खेल किया और भाजपा से रिश्ता तोड़ महागठबंधन का हिस्सा बन गए। 2024 आते-आते उन्होंने उनका मन फिर बदला और भाजपा से हाथ मिला कर उन्होंने फिर खेल कर दिया। यानी नीतीश कुमार बिहार में खेला के बॉस बनते रहे। हालांकि असल खबर तो अभी बाकी है। नीतीश कुमार का भाजपा से गठबंधन होते ही लालू और तेजस्वी ने

पुख्ता रणनीति बनाई। तेजस्वी ने 'खेला होगा' का नारा दिया। लालू यादव को पता था कि महागठबंधन के पास 114 विधायक हैं। सत्ता पक्ष के कुछ विधायक धोखा दे दें तो आरजेडी की मंशा पूरी हो जाएगी। इसके लिए जेडीयू की बीमा भारती समेत चार-पांच विधायकों का लालू ने बंदोबस्त भी कर लिया था। आरजेडी विधायकों को तेजस्वी ने अपने आवास पर नजरबंद किया तो महागठबंधन की घटक कांग्रेस ने अपने विधायकों को हैदराबाद में। आरजेडी नेता अवध बिहारी चौधरी ने स्पीकर पद छोड़ने से लालू की रणनीति के तहत ही इनकार कर दिया। 12 फरवरी को नीतीश कुमार को विश्वासमत हासिल करना था और उसके पहले स्पीकर के लिए मत विभाजन तय था। आरजेडी की योजना स्पीकर पद के मत विभाजन में ही नीतीश को मात देनी थी। आरजेडी के पूर्व घोषित खेला को ध्वस्त करने के लिए नीतीश ने उसके विधायकों को ही तोड़ कर उल्टे खेला कर दिया। आरजेडी ने अब भी खेला होने की उम्मीद नहीं छोड़ी है। किसी न किसी रूप में नीतीश को भाजपा के खिलाफ खड़ा कर आरजेडी उन्हें अपने साथ जोड़ने की फिराक में है।

हालांकि यह काम फिलहाल आसान नहीं दिखता। पर, जिस तरह आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी पितृपक्ष के बाद राजनीतिक उठा-पटक के दावे कर रहे हैं। इससे यही लगता है कि आरजेडी ने अभी खेला होने की उम्मीद नहीं छोड़ी है। मृत्युंजय तिवारी के दावे में इसलिए भी दम दिखता है कि नीतीश कुमार को बेमौसम अपनी इधर-उधर की आवाजाही पर सफाई देने की जरूरत क्यों महसूस हुई? जेपी नड्डा के साथ कार्यक्रम में सीएम शामिल हुए तो उन्होंने साफ कह दिया कि बीच में उनसे गलती हो गई थी, लेकिन अब उन लोगों के साथ जाने का सवाल ही नहीं उठता है। इसमें खेल की गंध सूंघने वाले विश्लेषक मानते हैं कि सफाई तो वही देता है, जो संदिग्ध या आरोपित हो। नीतीश के मन में चोर है, इसीलिए उन्होंने बेमौसम यह बात कही। जानकार मानते हैं कि नीतीश कुमार को भाजपा के कोर एजेंडे कभी रास नहीं आए। तीसरी बार सरकार बनाने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कई ऐसे फैसले लिए, जो नीतीश के मन के विपरीत हैं। अव्वल तो जेडीयू कोटे के मंत्रियों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण महकमे नहीं मिले। दूसरे वक्फ बोर्ड संशोधन बिल नीतीश के मन के विपरीत है। लैटरल एंट्री में आरक्षण का न होना भी नीतीश को खटकता है।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, आरक्षण कानून को नौवीं अनुसूची में शामिल न करना जैसी बातें यकीनन नीतीश को खटकती होंगी। पर, नीतीश कुमार इसके लिए कोई हड़बड़ी शायद ही दिखाएं। अगर उनके मन में किसी खेल की बात होगी भी तो इसके लिए वे महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम आने तक इंतजार करेंगे। नतीजे अगर एनडीए के प्रतिकूल आए तो वे अपने पाला बदल वाले पारंपरिक खेल की पुनरावृत्ति कर सकते हैं।

गुड न्यूज : 15 सितंबर से दौड़ेगी टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/जमशेदपुर। टाटा और पटना के बीच बहुप्रतीक्षित वंदे भारत एक्सप्रेस 15 सितंबर से दौड़ेगी। रेलवे ने इस ट्रेन का नंबर, समय सारिणी और ठहराव की घोषणा कर दी है। यह ट्रेन 450 किलोमीटर की दूरी 7 घंटे 15 मिनट में तय करेगी, जिसकी औसत गति 62 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। इसमें कुल आठ कोच होंगे। टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का नंबर 20893 होगा, जबकि पटना से टाटा के लिए यह ट्रेन नंबर 20894 से चलेगी। यह ट्रेन छह स्टेशनों- मुरी, बोकारो स्टील सिटी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस (गोमो), पारसनाथ, कोडरमा और गया में रुकेगी। इसके अलावा, राजबेड़ा में एक तकनीकी ठहराव भी होगा।

यह ट्रेन टाटा से गोमो के बीच 110 किलोमीटर प्रति घंटे, गोमो से गया के बीच 130 किलोमीटर प्रति घंटे और गया से पटना के बीच 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। टाटा से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 5:30 बजे रवाना होगी और 7:15 बजे मुरी, 8:10 बजे बोकारो स्टील सिटी, 8:55 बजे गोमो, 9:07 बजे पारसनाथ, 9:55 बजे कोडरमा और 11:10 बजे गया पहुंचेगी। दोपहर 12:45 बजे पटना पहुंचेगी।

पटना से यह ट्रेन दोपहर 2:15 बजे रवाना होगी और 3:40 बजे गया, 4:40 बजे कोडरमा, 5:45 बजे पारसनाथ, 6:00 बजे गोमो, 6:47 बजे बोकारो स्टील सिटी और 7:25 बजे मुरी पहुंचेगी। रात 9:30 बजे टाटानगर पहुंचेगी ।माना जा रहा है कि इस ट्रेन के शुरू होने से टाटा और पटना के बीच यात्रा करने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी। इससे व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वंदे भारत एक्सप्रेस में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे यात्रियों को आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा।

प्रशांत किशोर के चैलेंज के बाद लालू-तेजस्वी पर बढ़ा दबाव

हिना शहाब पार करेंगी आरजेडी की नाव

संवाददाता।

पटना। पूर्व सांसद और बाहुबली नेता शहाबुद्दीन के इंतकाल के बाद आरजेडी परिवार का रिश्ता उस परिवार से दूरी वाला बन गया। लालू परिवार ने शहाबुद्दीन की पत्नी का हाल चाल लेने की कोशिश नहीं की। उसके बाद गोपालगंज में उपचुनाव हुए। आरजेडी को मुंह की खानी पड़ी। लोकसभा चुनाव में आरजेडी के कैंडिडेट को हार का मुंह देखना पड़ा। कुल मिलाकर मुस्लिम वोटरों ने एक तरह से धीरे-धीरे आरजेडी से दूरी बनानी शुरू की। ये मानना है बिहार की सियासत को समझने वाले जानकारों का। वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र कुमार कहते हैं कि मुस्लिम वोटरों को लालू परिवार की शहाबुद्दीन की पत्नी से दूरी वाली बात खटक गई।

अब, जब प्रशांत किशोर ने जन सुराज का अभियान तेज किया। वे मुसलमानों को लेकर बार-बार आरजेडी को चैलेंज करने लगे हैं। लगता है लालू परिवार जाग गया है।

पिछले सप्ताह राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने सिवान के पूर्व डॉन मोहम्मद शहाबुद्दीन की विधवा हिना शहाब के साथ बंद कमरे में बैठक की। इस बैठक को पार्टी नेतृत्व द्वारा खराब संबंधों को सुधारने और 2025 के विधानसभा चुनावों से पहले उनका समर्थन हासिल करने के लिए एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस कवायद में महत्वपूर्ण मुस्लिम वोट पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हाल के लोकसभा चुनावों में, अल्पसंख्यक मतदाताओं के असंतोष के कारण आंशिक रूप से राजद का प्रदर्शन फीका रहा। राज्य की आबादी में मुसलमान लगभग 17.70% हैं।

मुस्लिम और यादव समर्थन पर भरोसा करने के बावजूद, 2024 के लोकसभा चुनावों में राजद के खराब प्रदर्शन यानी 23 में से केवल चार सीटें जीतना। इस बात ने पार्टी को सुधारात्मक कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। सूत्रों ने कहा कि प्रसाद अपने छोटे बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव के साथ पार्टी एमएलसी विनोद जायसवाल के आवास पर शहाब से एक निजी बैठक के लिए गए। सूत्रों के अनुसार, बैठक सकारात्मक रही और शहाब जल्द ही राजद में शामिल हो सकती हैं। हाल के हफ्तों में यह उनकी तीसरी मुलाकात थी। राजद के प्रदेश प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने बताया कि वह कभी भी राजद से दूर नहीं रहीं। भले ही उन्होंने निर्दलीय के तौर पर लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया हो, लेकिन उन्होंने राजद या उसकी नीतियों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा।

शक्ति सिंह यादव ने कहा कि हमारे प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट है क्योंकि वह किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं हुई हैं। कुछ लोगों के अनुसार, लालू परिवार के साथ शहाब की नाराजगी मई 2021 में कोविड-19 जटिलताओं से अपने पति की मृत्यु के बाद बढ़ गई थी, क्योंकि केवल तेज प्रताप यादव ही संवेदना व्यक्त करने के लिए उनसे मिलने गए थे।

उनका असंतोष तब और बढ़ गया जब शहाबुद्दीन के समर्थकों ने 2022 के गोपालगंज विधानसभा उपचुनाव में राजद उम्मीदवार मोहन गुप्ता को कथित तौर पर कमजोर कर दिया। हिना शहाब के अपने दिवंगत पति के गढ़ सिवान में निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ने के फैसले ने राजद की स्थिति को और जटिल कर दिया। हालांकि वह जीत नहीं पाईं, लेकिन उनकी उम्मीदवारी ने सारण डिवीजन में मुस्लिम वोटों को बाधित किया। इसका असर ये हुआ कि लालू की बेटी रोहिणी आचार्य की सारण लोकसभा सीट पर भाजपा के राजीव प्रताप रूडी से मामूली अंतर से हार हुई। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा से राजद की बेचैनी बढ़ गई है। किशोर 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर अपनी पार्टी शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

किशोर ने राजद की आलोचना करते हुए दावा किया है कि जो मुसलमान कभी पार्टी का समर्थन करते थे, वे अब इसे छोड़ रहे हैं। हाल ही में पटना में एक कार्यक्रम में किशोर ने कहा कि मुसलमानों ने लालू की लालटेन के लिए मिट्टी के तेल का काम किया है, लेकिन एक बार जब वे पार्टी छोड़ देंगे, तो लालटेन बुझ जाएगी।उधर, पीके के इन आरोपों पर आरजेडी नेता शक्ति सिंह यादव कहते हैं कि प्रशांत किशोर बीजेपी की बी टीम हैं। उसका कुछ नहीं किया जा सकता। लेकिन हिना शहाब से मुलाकात बताती है कि पीके की बात अंदर तक असर कर गई है।

चरण सिंह

विचार

बजरंग के कांग्रेस से राजनीति करने से दिक्कत क्यों ?

क्या किसी खिलाड़ी को राजनीति करने की अनुमति नहीं है? क्या अंतरराष्ट्रीय पहलवान बजरंग पुनिया राजनीति नहीं कर सकते? यदि ऐसा नहीं है तो फिर उन्हें जान से मारने की धमकी क्यों मिल रही है? क्या किसी को कांग्रेस ज्वाइन करने से आपत्ति है। दरअसल विधानसभा चुनाव से समय कांग्रेस का दामन थामने वाले बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी दी गई है। जान से मारने की धमकी का मेसेज विदेशी नंबर से आया है। पूनिया ने इसकी शिकायत सोनीपत के बहालगढ़ थाने में कर दी है। पर बजरंग पुनिया से इतनी नफरत किसे हो सकती है।

दरअसल शुक्रवार को ही पहलवान बजरंग पूनिया कांग्रेस में शामिल हुए हैं और इसी दिन उन्हें किसान कांग्रेस का वर्किंग चेयरमैन भी बनाया गया है। विदेशी नंबर से व्हाट्सऐप पर मैसेज आया, जिसमें लिखा गया कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए ये अच्छा नहीं होगा. ये हमारा आखिरी संदेश।

दरअसल बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट 2023 में भारतीय जनता पार्टी (BJP) के तत्कालीन सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर हुए दिल्ली जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट किया था।

गौरतलब है कि विनेश फोगाट को तो विधानसभा चुनाव में टिकट मिल गया पर बजरंग पुनिया को नहीं मिला। हरियाणा विधानसभा की जुलाना सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

बजरंग पुनिया को तो जान से मारने की धमकी मिली है। विनेश फोगाट को विधानसभा न लड़ने देने की तैयारी रेलवे ने कर ली है। विनेश फोगाट का इस्तीफा रेलवे ने स्वीकार नहीं किया है। बताया जा रहा है कि इस्तीफा देने से पहले तीन महीने का नोटिस देना पड़ता है। ऐसे में चुनाव आयोग विनेश फोगाट को चुनाव लड़ने से रोक सकता है।

हरियाणा : बैकफुट पर भाजपा

-तनवीर जाफरी-

90 विधानसभा सीटों वाला हरियाणा प्रदेश आगामी 5 अक्टूबर को विधानसभा के आम चुनावों का सामना करने जा रहा है। गत वर्षों में हुये किसान आंदोलनों में अपनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला हरियाणा, किसान आंदोलनों के बाद पहली बार विधानसभा चुनावों से रूबरू होने जा रहा है। चूंकि हरियाणा विगत दस वर्षों से भाजपा शासित राज्य रहा है इसलिये यहाँ की हरियाणा सरकार पर ही यह सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी कि किसान आंदोलन के दौरान राज्य सरकार किसी भी तरह से दिल्ली जाने की गरज से पंजाब से आने वाले किसानों को भी हरियाणा में प्रवेश करने से रोके और साथ ही हरियाणा -दिल्ली सीमा पर इन्हें दिल्ली प्रवेश से भी रोके। जाहिर है हरियाणा की तत्कालीन खट्टर सरकार ने केंद्र की उम्मीदों पर खरा उतारते हुये ऐसा ही किया। खट्टर सरकार को राज्य की पंजाब व दिल्ली की सीमाओं पर भारी पुलिस तैनाती करनी पड़ी। किसानों पर लाठी चार्ज, आंसू गैस, वाटर केनन का इस्तेमाल किया। यहाँ तक कि गोलियां भी चलानी पड़ीं। इसी गोलीबारी में कई लोग घायल हुये और एक युवा किसान की हत्या भी हो गयी। परन्तु किसानों से की गयी इस जोर आजमाइश के कारण भाजपा की राज्य व केंद्र सरकार को भारी किसान असंतोष का सामना भी करना पड़ा।

किसानों की नाराजगी पिछले दिनों हुये लोकसभा 2024 के चुनाव में ही स्पष्ट हो गयी थी। क्योंकि जिस हरियाणा में 2019 में भाजपा को राज्य की सभी दस लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी वहीँ इस बार 2024 के चुनाव में उसे 5 सीटें ही मिल सकीं जबकि कांग्रेस भाजपा से 5 सीटें झटकने में कामयाब रही। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव से पूर्व मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर केंद्र में भी इसी मकसद से ले जाया गया है ताकि शायद किसानों का गुस्सा कुछ कम हो सके। गौरतलब है कि खट्टर के मुख्यमंत्री रहते उनकी सरकार ने कई बार न केवल किसानों पर दमनात्मक कार्रवाई की थी बल्कि स्वयं खट्टर ने ही अपने समर्थकों को किसानों के विरुद्ध हिंसा करने के लिये भी भड़काया था। आज भी हरियाणा सरकार ने शंभु बॉर्डर पर किसानों को रोकने के लिये बैरियर बना रखे हैं जिसकी वजह से राजस्थान, कश्मीर व पंजाब की तरफ से दिल्ली हरियाणा व उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाले वाहनों को भारी परेशानी व जाम का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले दस वर्षों की सत्ता विरोधी लहर होने के साथ ही इस बार चुनावों में भाजपा के महिला सुरक्षा के दावे और उसकी हकीकत भी एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। खास तौर पर ऐसे वक़्त में जब देश का विश्व में नाम रोशन करने वाली विश्व प्रसिद्ध पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया जैसे ओलम्पियंस कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। विनेश फोगाट को राज्य की जुलाना विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी घोषित किया गया है जबकि बजरंग पुनिया को किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर उन्हें संगठन में और भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गयी है। जहाँ किसान नेता, भाजपा सांसद व कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के खिलाफ उसके नारी शोषण के विरुद्ध किये जा रहे आंदोलन में इन ओलम्पियन्स के साथ खड़े थे वहीँ यह ओलम्पियन्स भी किसान आंदोलन का समर्थन करते देखे गये थे। क्योंकि यह पहलवान भी दरअसल किसान घरानों से ही आते हैं और किसानों की जायज मांगों से बखूबी वाकिफ हैं। हालाँकि इन खिलाड़ियों के कांग्रेस का दामन थामने के बाद बृज भूषण सिंह ने जोर शोर से यह कहना शुरू कर दिया है कि पहलवानों द्वारा उनके विरुद्ध शोषण का आरोप लगाना कांग्रेस द्वारा दो वर्ष पूर्व लिखी गयी स्क्रिप्ट का हिस्सा थी।

राज्य में भाजपा पर कांग्रेस की जबरदस्त बढ़त के दो और भी कारण हैं। एक तो यह कि राहुल गाँधी द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर तक तय की गयी भारत जोड़ो यात्रा, हरियाणा से होकर गुजरी थी। इस यात्रा ने न केवल राज्य के मतदाताओं पर अपना प्रभाव छोड़ा था बल्कि राज्य के कांग्रेस जनों में भी जोश व उत्साह का संचार किया था। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव में 5 सीटें जीतने के रूप में सामने भी आया। अब जहां कांग्रेस 5 लोकसभा सदस्यों की जीत के साथ बुलंद हौसले से चुनाव मैदान में है वहीं भाजपा जिताऊ उम्मीदवार मैदान में उतारने के चक्कर में न केवल कई दलबदलुओं को भाजपा प्रत्याशी बना रही है बल्कि परिवारवाद के विरुद्ध लंबे चौड़े प्रवचन देने के बावजूद खुद भी कई 'परिवारवादी सूरमाओं' पर दांव लगा रही है। क्योंकि भाजपा को अपने दल में योग्य व जिताऊ नेताओं की कमी महसूस हो रही है। इसी उधेड़बुन में भाजपा ने पिछले दिनों राज्य में 67 पार्टी प्रत्याशियों की जो पहली सूची जारी की उसमें रणजीत चौटाला जैसे मंत्री सहित 9 वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिये गये। परिणाम स्वरूप भाजपा में पद व दल से नेताओं के इस्तीफे की झड़ी लग गयी। इस भगदड़ में कोई भाजपाई किसी दूसरे दल में टिकट के लिये ताकझांक कर रहा है तो कोई निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरकर अपनी भाजपा को ही उसकी 'औकात ' बताने के मूड में है।

वैसे भी भाजपा ने जिस समय चुनाव आयोग से पहले घोषित की गयी 1 अक्टूबर की चुनाव तिथि को टालने की मांग की थी उसी समय राज्य के लोगों को यह सन्देश चला गया था कि भाजपा चुनाव से घबरा रही है। अब 5 अक्टूबर की नई चुनाव तिथि निर्धारित होने पर भी लोगों का यही कहना है कि तिथि बदलने से लोगों की धारणा व उनका मन नहीं बदलने वाला।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

-प्रियंका सौरभ

इस बात के बहुत कम सबूत हैं कि मौत की सजा देने से यौन अपराध थम जाते हैं, लेकिन ऐसे अपराधों के बाद ज्यादा कठोर कानूनों की मांग पर अक्सर एक आधिकारिक प्रतिक्रिया होती है। यह कहकर कि ह्बलात्कार मानवता के लिए अभिशाप है और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए सामाजिक सुधारों की जरूरत है, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी हर सरकार की है कि कानून प्रभावी ढंग से लागू किये जाएं और यौन हमलों को रोकने व दंडित करने के लिए पुलिस बिना पक्षपात के काम करे। अगर महिलाओं के लिए पहले घरों व कार्यस्थलों को महफूज बनाकर उनके आगे बढ़ने की राह से अवरोध हटाये जाएं, तो इंसाफ और अच्छे से दिया जा सकेगा.

'अपराजिता' बनने के लिए पहले घरों और कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाना होगा

हरेक जघन्य यौन अपराध के बाद सजा-ए-मौत का शोर उठना और अध्यादेश जारी करके या विधेयक पारित करके इसे मान लेना, काफी आम हो गया है। दिल्ली में एक महिला से वहशियाना बलात्कार के बाद 2013 में आपराधिक कानूनों में बदलाव किया गया। उसके बाद, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश समेत कई राज्यों ने यौन हमले के लिए बढ़ी हुई सजा की खातिर संशोधन किये। अब पश्चिम बंगाल में अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, 2024 में यौन अपराधों के लिए दंड बढ़ाने का प्रावधान किया गया है, खास तौर पर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए। विधेयक में बलात्कार के विशिष्ट मामलों के लिए अनिवार्य मृत्युदंड और त्वरित जांच जैसे कड़े उपाय प्रस्तुत किए गए हैं। यह किसी बड़ी आपराधिक घटना के बाद जन आक्रोश पर पश्चिम बंगाल की विधायी प्रतिक्रिया को उजागर करता है, जिसका उद्देश्य कानूनी ढाँचे को मजबूत करना और त्वरित न्याय सुनिश्चित करना है।

विधेयक में बलात्कार पीड़िता की मृत्यु होने अथवा मरणासन्न अवस्था में पहुंचने पर मृत्यु दंड का प्रावधान किया गया है , जिससे निवारक प्रभाव और अधिक बढ़ जाएगा। विधेयक में यह प्रावधान किया गया है कि यौन अपराधों की जांच 21 दिनों के भीतर पूरी की जाए , जिसका उद्देश्य न्याय में तेजी लाना है। विधेयक पीड़ितों की पहचान की सुरक्षा को मजबूत करता है, तथा खुलासा करने पर 3-5 वर्ष के कारावास का प्रावधान करता है। विधेयक में यौन हिंसा के मामलों के लिए समर्पित विशेष न्यायालयों की स्थापना का प्रस्ताव है , जिससे कानूनी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। विधेयक, नाबालिगों के यौन शोषण से जुड़े मामलों को लक्षित करता है , कठोर दंड और बढ़ी हुई निगरानी लागू करता है। विधेयक, पुनर्वास और सामाजिक सुधारों के बजाय दंडात्मक कार्रवाइयों को अधिक प्राथमिकता देता है, तथा गहन प्रणालीगत मुद्दों की उपेक्षा करता है। कठोर दंड के बावजूद यौन अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है, जो विशुद्ध दंडात्मक कानूनों के सीमित प्रभाव को दशार्ता है। विशेष न्यायलयों की स्थापना से मौजूदा न्यायिक ढाँचे पर दबाव पड़ सकता है, जिससे संभावित रूप से प्रक्रियागत देरी हो सकती है। निर्भया के बाद शुरू की गई फास्ट-ट्रैक कोर्ट को भी बोझिल कानूनी व्यवस्था और संसाधनों की कमी के कारण, इसी तरह की देरी का सामना करना पड़ा।

निवारक के रूप में मृत्यु दंड के उपयोग पर व्यापक रूप से बहस हुई है, परंतु इसकी प्रभावशीलता के साक्ष्य, सीमित हैं। वर्मा समिति की रिपोर्ट ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मृत्यु दंड से यौन अपराधों में पर्याप्त कमी नहीं आती है, इसलिए अधिक प्रभावी समाधानों की आवश्यकता है। यह विधेयक केंद्रीय कानून के साथ संभावित संघर्ष उत्पन्न करता है, जिससे कानूनी चुनौतियों के कारण कार्यान्वयन में देरी होने की संभावना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 254 के अनुसार ऐसे संशोधनों के लिए राष्ट्रपति की स्वीकृति आवश्यक है, जिससे कानून का लागू होना जटिल हो जाता है। विधेयक यौन हिंसा पर शिक्षा या जन जागरूकता अभियान जैसे निवारक उपायों को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करता है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रम जागरूकता और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो ऐसे अपराधों को कम करने के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

पीड़ितों के लिए सशक्त पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रणालियाँ शुरू करना दंडात्मक उपायों का पूरक होगा। यौन अपराध के मामलों से निपटने में होने वाली देरी को कम करने के लिए न्यायिक बुनियादी ढाँचे को अधिक संसाधन आवंटित करना आवश्यक है। भारत सरकार द्वारा ई -कोर्ट परियोजना का उद्देश्य न्यायपालिका को डिजिटल बनाना है, जिससे मामलों का तेजी से निपटारा हो सके। स्कूली बच्चों और आम जनता को लक्षित करके जागरूकता अभियान चलाकर यौन हिंसा के मूल कारणों को संबोधित करते हुए इस तरह की घटनाओं को कम करने में मदद मिल सकती है। सखी वन स्टॉप सेंटर पहल शिक्षा और जागरूकता प्रदान करती है, जिससे महिलाओं को अपराधों की जल्द रिपोर्ट करने का अधिकार प्राप्त होता है। राज्य के कानूनों का, केंद्रीय ढाँचे के साथ सामंजस्य होने से सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित होता है और अनावश्यक संघर्ष से बचा जा सकता है।

केरल में राज्य की पहलों के साथ पोक्सो का सफल संरेखण, एक सहयोगी दृष्टिकोण के लाभों को दशार्ता है। स्कूलों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण और लिंग संवेदीकरण जैसे दीर्घकालिक निवारक उपायों को शुरू करने से यौन हिंसा को रोकने में मदद मिल सकती है। दिल्ली पुलिस निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है, जिसे पूरे देश में लागू किया जा सकता है। अपराजिता विधेयक पश्चिम बंगाल में यौन हिंसा को संबोधित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सार्वजनिक आक्रोश के प्रति विधायी प्रतिक्रिया को दशार्ता है। हालाँकि, प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो दंडात्मक उपायों को पुनर्वास , सार्वजनिक जागरूकता और बुनियादी ढाँचे के समर्थन के साथ जोड़ता है । राज्य और केंद्र के बीच एक समन्वित प्रयास, महिलाओं और बच्चों के लिए स्थायी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा तथा दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन और उन्नत सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

इस बात के बहुत कम सबूत हैं कि मौत की सजा देने से यौन अपराध थम जाते हैं, लेकिन ऐसे अपराधों के बाद ज्यादा कठोर कानूनों की मांग पर अक्सर एक आधिकारिक प्रतिक्रिया होती है। यह कहकर कि ह्बलात्कार मानवता के लिए अभिशाप है और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए सामाजिक सुधारों की जरूरत है, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी हर सरकार की है कि कानून प्रभावी ढंग से लागू किये जाएं और यौन हमलों को रोकने व दंडित करने के लिए पुलिस बिना पक्षपात के काम करे। अगर महिलाओं के लिए पहले घरों व कार्यस्थलों को महफूज बनाकर उनके आगे बढ़ने की राह से अवरोध हटाये जाएं, तो इंसाफ और अच्छे से दिया जा सकेगा

संगठन पर्व: राष्ट्र निर्माण का संकल्प सिद्धि अभियान

-विष्णुदत्त शर्मा-

लोकतंत्र की भावना भारतीय जनता पार्टी संगठन की पंच निष्ठाओं में से एक है। यह भावना सिर्फ वैचारिक स्तर पर ही नहीं, अपितु पार्टी के आचरण और उसकी कार्यपद्धति में भी स्पष्ट दिखाई देती है। संगठन पर्व भाजपा का सदस्यता अभियान इसी लोकतांत्रिक कार्य पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से नए सदस्य भाजपा परिवार से जुड़ते हैं और विचार को विस्तार देते हैं। ऐसे ही विशिष्ट कार्यशैली वाले अभियानों के बल पर भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सदस्यता ग्रहण किए जाने के उपरांत देश में 2 सितंबर से संगठन पर्व प्रारंभ हो चुका है। हमारे पूर्वजों ने पार्टी संगठन तथा कार्यकताओं को गढ़ने और तराशने के लिए जो त्याग और परिश्रम किया है, उसी के बल पर वर्तमान में मध्यप्रदेश के पार्टी संगठन को पूरे देश में आदर्श माना जाता है। प्रदेश के लाखों-लाख कार्यकर्ता अपनी इस पहचान को कायम रखते हुए संगठन पर्व में पार्टी के विस्तार को नई ऊंचाईयां प्रदान करने को तैयार हैं।

पंचनिष्ठाओं पर आधारित हमारा विचार और आधार

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित ह्यएकात्म-मानवदर्शनह्ल को अपने वैचारिक, दर्शन के रूप में अपनाया है तथा सुशासन, विकास एवं सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताएं हैं। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की है, जिन्हें ह्यपंचनिष्ठाह्ल कहते हैं। यह पंचनिष्ठाएं राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गाँधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो वैचारिक प्रतिष्ठान और अधिष्ठान पर चलती है, और जो राष्ट्रवादी विचारों से जुड़ी है। हमें गर्व है कि हमारा दल देश का ऐसा एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसने राष्ट्रहितों के साथ कभी समझौता नहीं किया, अन्य सभी दलों ने सत्ता प्राप्ति एवं स्वार्थ सिद्धि के लिए एक नहीं, अनेक बार समझौता किया। भाजपा के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है, समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका पहला कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो संगत विचारधारा से प्राप्त होता है। भाजपा को छोडकर आज भारत के सभी राजनैतिक दल विचारधारा की शून्यता के शिकार हैं। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन होगा। भाजपा राष्ट्र प्रथम के साथ शोषित, वंचित, पीड़ित का उत्थान और सेवा कर रही है।

राष्ट्र सर्वोपरि के भाव से अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय हुए

हमारे विचार की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य व दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे पार्टी के संस्थापकों एवं असंख्य कार्यकताओं ने श्रीरामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुई सरकारें भी न्यौछावर कर दीं, यह अपनी विचारधारा पर अडिग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितृपुरुषों का संकल्प एवं एक देश में ह्एक विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के कार्यकाल में भाजपा ने श्रद्धेय अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप ह्राष्ट्र सर्वोपरि मानकर अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय किये हैं जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरू बनाने का जो सपना देखा था आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उस ओर हम कर्तव्यपरायणता के साथ अग्रसर हैं।

अंत्योदय का सपना साकार कर रही मोदी सरकार

हमारी ध्येय यात्रा में पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय पर आधारित गरीब-कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। हमारी केंद्र की सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए और आयुष्मान, उज्ज्वला और पीएम आवास जैसी अनुकरणीय योजनाएं संचालित की गईं और देश खुले में शौच से मुक्त हुआ। घर-घर बिजली पहुंचाई गई, 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए और हर घर शुद्ध पेयजल पहुँचाया। कुछ प्रमुख आधारभूत कार्य हैं जो देश की पूर्ववर्ती सरकारों के 50 वर्षों के शासनकाल की प्राथमिकता होनी चाहिए थी, किन्तु वोट बैंक की राजनीति की वजह से किसी एक वर्ग विशेष की चिंता ही उनकी राजनीति की प्राथमिकता रही है। वे तुष्टीकरण करते रहे, हमने संतुष्टीकरण करने का ईमानदार प्रयास किया। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। भाजपा के सिद्धांतों के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पारदर्शिता के शासन से देश के लोकत्रंत को मजबूती दी है, जिससे सामान्य व्यक्ति आज गरिमा के साथ जीवनयापन कर रहा है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरा भारत

आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। भाजपा सरकार में अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है। कोरोना संकट में दुनिया के अनेक देशों ने जहाँ अपने नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया, वहीं भारत में भाजपा की मोदी सरकार ने अपने हर नागरिक के जीवन को अमूल्य मानते हुए उनके लिए अनाज के साथ दवाओं और अन्य वस्तुओं को उपलब्ध कराया। स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका तो निभाई और हर नागरिक के लिए उसे मुफ्त उपलब्ध कराने हेतु विश्व का सबसे बड़ा वैक्सिनेशन अभियान चलाकर दुनिया से अपने सामर्थ्य का लोहा भी मनवा लिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भाजपा का मूलमंत्र बन गया है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

दो विपरीत ध्रुव पर जमे हुए हैं किसान और नरेंद्र मोदी सरकार

-डॉ. ज्ञान पाठक-

नई घोषित योजनाएं निश्चित रूप से कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में बहुत कम आय वाले रोजगार या बेरोजगारी की समस्या को खत्म नहीं कर सकती हैं, क्योंकि ये योजनाएं रोजगार पर केंद्रित नहीं हैं, बल्कि किसी और चीज पर केंद्रित हैं, जिसमें रोजगार केवल एक उप-उत्पाद है। नयी घोषित योजनाएं अपने आप में अच्छी लगती हैं, लेकिन मोदी सरकार का यह दावा झूठा है कि ये किसानों का कल्याण कर सकती हैं।

किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं, लेकिन केंद्र ने उसकी अनदेखी करते हुए 2 सितंबर को कृषि क्षेत्र के लिए 14, 000 करोड़ रुपये की 7 नयी बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। मोदी सरकार ने कहा कि ये योजनाएं किसानों के कल्याण के लिए हैं, लेकिन किसान कह रहे हैं कि उनकी भलाई उनकी फसलों के कानूनी रूप से सुनिश्चित न्यूनतम मूल्य पर निर्भर करती है, जिसे वे पारंपरिक रूप से अनेक बार बहुत कम कीमत पर, यहां तक कि अपनी उत्पादन लागत से भी कम पर बेचने के लिए मजबूर हैं।

किसान इसके खिलाफ सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार कह रही है कि किसानों का कल्याण केवल उन कानूनों और नीतियों के माध्यम से सुरक्षित किया जा सकता है जिन्हें वे लागू करना चाहते हैं। किसान उन्हें इस आधार पर खारिज करते हैं कि सरकार का मतलब केवल व्यापार और कॉर्पोरेट के लिए कृषि-अर्थव्यवस्था का विकास करना है, जबकि सरकार का कहना है कि उनकी योजनाओं से किसानों की आय बढ़ेगी। किसानों ने कानूनी तौर पर एमएसपी की गारंटी मांगी, लेकिन केंद्र ने 3 सितंबर को एग्रीश्योरफंड लॉन्च किया। संक्षेप में, मोदी सरकार और किसान दो अलग-अलग ध्रुव हैं - किसान कृषि और अपनी फसलों के लिए लाभकारी मूल्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन सरकार का ध्यान कृषि-अर्थव्यवस्था पर है जो व्यापार और कॉर्पोरेट लाभप्रदता को बढ़ावा देती है।

मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से कृषि और ग्रामीण विकास की उपेक्षा की है, अन्यथा यह कैसे हो सकता था कि दोनों विभागों में पूर्णकालिक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी तैनात नहीं किये गये हैं? शिवराज सिंह चौहान को कृषि और किसान कल्याण के साथ-साथ ग्रामीण विकास दोनों मंत्रालय सौंपे गये हैं। यह किसानों और ग्रामीण लोगों के वास्तविक कल्याण के लिए सरकार की कम प्राथमिकताओं को दशार्ता है। इसलिए यह आरोप प्रथम दृष्टया सही है कि मोदी सरकार आर्थिक विकास के नाम पर मुख्य रूप से व्यापार और कॉर्पोरेट लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित कर रही है, और इस भरोसे में है कि वे अधिक निवेश और रोजगार लायेंगे, जिसमें वे पिछले एक दशक में विफल रहे हैं।

किसानों, ग्रामीण लोगों और बेरोजगारी की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 सितम्बर को एग्रीश्योर का शुभारंभ किया, जो स्टार्ट-अप और ग्रामीण उद्यमों के लिए एक कृषि कोष है, जिसके बारे में सरकार ने कहा कि यह एक अभिनव कोष है, जो भारत में कृषि परिदृश्य में क्रांति लाने की दिशा में एक अग्रणी कदम है। मोदी सरकार हमेशा किसानों की समृद्धि पर जोर देती रही है, लेकिन कुछ खास नहीं कर रही है। मोदी सरकार का 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा एक उदाहरण है, जो सरकार की दोषपूर्ण नीतियों और तथाकथित किसान कल्याण योजनाओं के कारण पूरी तरह विफल हो गया, जिससे कृषि उपज और उत्पादों में कॉरपोरेट और व्यवसायों को भारी मुनाफा हुआ, लेकिन किसानों को नुकसान हुआ।

एग्रीश्योर के लॉन्च से एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय कैबिनेट समिति ने किसानों के कल्याण के नाम पर 13, 966 करोड़ रुपये की 7नयी बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट का फैसला भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए है। मोदी सरकार का यह फैसला केंद्र द्वारा 28, 602 करोड़ रुपये की 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को मंजूरी दिये जाने के एक सप्ताह बाद आया है। कई लोगों को यह उद्योग बनाम कृषि क्षेत्र के बीच संतुलन बनाने जैसा लगा, लेकिन यह आंशिक रूप से ही सही है, क्योंकि किसानों के कल्याण के नाम पर शुरू की गयी योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने के बजाय कृषि-व्यवसाय के हितों की बेहतर सेवा करती हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो सरकार बढ़ती इनपुट लागत को ध्यान में रखते हुए किसानों को न्यूनतम मूल्य का आश्वासन क्यों नहीं देती?

फिर भी, कृषि क्षेत्र की योजनाओं के लिए 7 नयी बड़ी घोषणाएँ हैं: फसल विज्ञानखाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए 3, 979 करोड़ रुपये; कृषि शिक्षा, प्रबंधन के लिए 2, 291 करोड़ रुपये; डिजिटल कृषि मिशन के लिए 2, 817 करोड़ रुपये; पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन के लिए 1, 702 करोड़ रुपये; बागवानी के सतत विकास के लिए 860 करोड़ रुपये; कृषि विज्ञान केंद्र प्रबंधन के लिए 1, 202 करोड़ रुपये; तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए 1, 115 करोड़ रुपये। डिजिटल कृषि मिशन को डिजिटल कृषि पहलों का समर्थन करने के लिए एक व्यापक योजना के रूप में परिकल्पित किया गया है, जैसे कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) का निर्माण, डिजिटल सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण (डीजीसीईएस) का कार्यान्वयन, तथा केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, तथा शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा अन्य आईटी पहलों को अपनाना। नयी घोषित योजनाएं निश्चित रूप से कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में बहुत कम आय वाले रोजगार या बेरोजगारी की समस्या को खत्म नहीं कर सकती हैं, क्योंकि ये योजनाएं रोजगार पर केंद्रित नहीं हैं, बल्कि किसी और चीज पर केंद्रित हैं, जिसमें रोजगार केवल एक उप-उत्पाद है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

पंजाब में नौकरियों का पिटारा: 12 विभागों में होंगी 5000 से अधिक भर्तियां, 400 मेडिकल अफसरों की भर्ती अगले माह

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य के 12 विभागों में जल्द ही पांच हजार से अधिक भर्तियां होंगी। इस संबंध में जल्द ही अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी भर्ती में पैसे व सिफारिश का खेल खत्म कर दिया है। अब मेरिट के आधार पर ही नौकरी मिलती है। उन्होंने शनिवार को म्युनिसिपल भवन में 293 नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिनकी स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य विभागों में तैनाती की जाएगी।

मान ने कहा कि पिछली सरकारों ने युवाओं के लिए नौकरियों के नए अवसर पैदा करने में गंभीरता नहीं दिखाई। वह हमेशा खजाना खाली होने का ही रोना रोते रहे। यही कारण है कि युवा विदेशों का रुख करने लगे, लेकिन अब इस प्रक्रिया पर ब्रेक लगी है। इसका अंदाजा यहीं से लगा सकते हैं कि उनके विधायक ने भी एक उम्मीदवार की उनसे नौकरी की सिफारिश की, लेकिन उन्होंने साफ इन्कार कर दिया। विधायक से कहा कि उम्मीदवार से बोलो कि सही ढंग से तैयारी करके मेरिट में आएं, वह खुद उनको नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के केवल 30 महीनों में 44,974 सरकारी नौकरियां दी गई हैं। वह ऐसे काम कर रहे हैं कि भर्ती को अदालत में भी चुनौती न मिले।

30 आम आदमी क्लीनिक जल्द खुलेंगे...मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पहले ही 842 आम आदमी क्लीनिक स्थापित कर चुकी है, जिनमें से अब तक 2 करोड़ से अधिक लोग इलाज प्राप्त कर चुके हैं। ऐसे 30 और क्लीनिक स्थापित किए जा रहे हैं, जो लोगों को उनके घरों के पास ही स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेंगे।

सरकार अब तक राज्य में 19 टोल प्लाजा बंद कर चुकी है, जिससे प्रदेश के लोगों के प्रतिदिन लगभग 63 लाख रुपये बचे हैं। राज्य सरकार 118 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को एमिनेंस स्कूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें स्मार्ट क्लासरूम, वैज्ञानिक शिक्षा के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और खेल के मैदान शामिल हैं।

सोने के चम्मच वाले क्या जाने लोगों की समस्याएं...सीएम मान ने इस दौरान विपक्ष समेत शिअद प्रधान सुखबीर बादल पर हमला भी बोला। मान ने कहा कि पिछली सरकारों ने युवाओं की अनदेखी की। जिन लोगों को बचपन में ही रहने के लिए महल व खाने के लिए सोने का चम्मच मिल जाए, वह घरों में रहने वाले लोगों की समस्याओं क्या जानते होंगे। बड़े होकर इनमें से एक नेता डिप्टी सीएम बन गए। इन नेताओं को आम जनता से कोई सरोकार नहीं है।

400 मेडिकल अफसरों की अक्तूबर तक पूरी होगी भर्ती...सेहत मंत्री बलवीर सिंह ने नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वह दो साल तक उनके पास तबादले के लिए न आएं। अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों के लिए काम करें और दो साल बाद ही तबादले के लिए आवेदन करें। उन्होंने कहा कि 400 मेडिकल अफसरों की भर्ती अक्तूबर तक वह पूरी कर लेंगे।

साथ ही 900 मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर्स की भर्ती भी पूरी हो गई हैं और साथ ही इनको भी नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे।

भाई-बहन को एक साथ मिली नौकरी...लुधियाना से भाई-बहन को एक साथ नौकरी मिली। ओफथैल्मिक अधिकारी शिवानी शर्मा ने कहा कि वह नौकरी पाकर दोगुनी खुशी महसूस कर रही हैं, क्योंकि उनके भाई भी नौकरी मिली है। एमएलटी-2 नियुक्त हुई खरड़ की गुरदीप कौर अपने नवजात बच्चे के साथ समारोह में शामिल हुईं।

भाजपा में बगावत जारी: गायक कन्हैया मित्तल ने भाजपा से दिया इस्तीफा

हरियाणा रोहतक के महम व कलानौर हलके में टिकट को लेकर भाजपा पार्टी के अंदर नाराजगी थम नहीं रही हैं। शनिवार को शमशेर खरकड़ा व उनकी पत्नी राधा अहलावत ने पैतृक गांव खरकड़ा में पंचायत की। यहां मौजूद समर्थकों ने चुनाव लड़ने की सलाह दी। शमशेर व राधा ने कहा कि वे महम चौबीसी के बड़े गांवों में दो-तीन पंचायत करने के बाद अंतिम निर्णय लेंगे। अब रविवार को बहलबा गांव में पंचायत होगी। उधर, कलानौर हलके की टिकट बदलने की मांग को लेकर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व पार्षद सूरजमल किलोई के आवास पर समर्थकों की बैठक हुई, इसमें टिकट बदलने की मांग की गई।

अच्छी तरह सोच लें, मैं हारने नहीं, जीतने के लिए मैदान में उतरूंगी : राधा...शनिवार को पंचायत में भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा ने संबोधित किया। कहा, जो ग्रामीण व कार्यकर्ता निर्णय लेंगे, वह मंजूर होगा। अगर उनको चुनाव लड़ने के लिए कहा जाएगा, तो वे तैयार हैं। जबकि, राधा अहलावत ने कहा कि गांव के लोग अच्छी तरह सोच लें। मैं हारने के लिए नहीं, जीतने के लिए मैदान में उतरूंगी। आखिर में तय हुआ कि महम हलके के दूसरे गांवों में भी 12 सितंबर से पहले पंचायत की जाए। वहां के ग्रामीणों से भी पूछा जाए कि वे क्या चाहते हैं। तय हुआ कि रविवार को बहलबा गांव में पंचायत होगी। बता दें कि भाजपा ने महम से अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी रहे दीपक हुड्डा को टिकट दिया है। शमशेर खरकड़ा 2014 व 2019 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। अबकी बार वे पत्नी राधा अहलावत के लिए टिकट मांग रहे थे।

कलानौर से डाबला की जगह किलोई ने मांगा टिकट, 10 सितंबर को दोबारा बैठक...भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सूरजमल किलोई के एकता कॉलोनी स्थित आवास पर समर्थकों व कार्यकताओं की बैठक हुई। यहां भाजपा उम्मीदवार बदलने की मांग की। क्योंकि यहां भाजपा व कांग्रेस के उम्मीदवार एक ही जाति से हैं। इसका भाजपा को नुकसान हो सकता है। पार्टी को रविदासिया समाज को टिकट देना चाहिए, क्योंकि हलके में समाज के 48 हजार के करीब वोट हैं। टिकट के दावेदार एडवोकेट सूरजमल किलोई को टिकट दिया जाए। कार्यकताओं का दावा है कि इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी को फोन भी किया गया।

24 सीटों पर कांग्रेस का फिर सर्वे,चहेतों को टिकट के लिए खेमेबंदी, मैदान में उतरेंगे सांसद

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए 32 प्रत्याशियों की दो सूचियां जारी करने के बाद कांग्रेस में 24 सीटों पर पेच फंस गया है। ये ऐसी सीटें हैं, जहां पर दावेदार अधिक हैं और अलग-अलग खेमों से जुड़े हुए हैं। इन सीटों पर हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा व रणदीप सुरजेवाला का टकराव सामने आ रहा है।

तीनों नेता अपने चहेतों को टिकट दिलाने पर अड़े हैं। कई बार मंथन के बाद बढ़ते विवाद को खत्म करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने इन सीटों पर दोबारा से सर्वे कराया है। सूत्रों का दावा है कि रविवार शाम तक इन सीटों को लेकर सर्वे रिपोर्ट आ जाएगी और इसके बाद ही प्रत्याशी तय किए जाएंगे। वहीं, संभावना है कि रविवार को 30 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी हो सकती है।

इससे पहले, पांच बार स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें करने के बाद केंद्रीय चुनाव समिति 66 सीटों पर नाम तय किए थे। 24 सीटों पर प्रत्याशी तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया था। कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव और मधुसूदन मिस्त्री के नेतृत्व वाली सब कमेटी इन सीटों को लेकर कई बैठकें कर चुकी हैं, लेकिन अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंची है।

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने समर्थकों को टिकट दिलाने के लिए पिछले 15 दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। शुक्रवार को सांसद कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने हाईकमान के सामने अपने चेहतों की मजबूत पैरवी की। वे दोनों अपने-अपने क्षेत्रों में समर्थकों को टिकट दिलाने के लिए बकायदा नामों की सूची भी सौंप चुके हैं। बढ़ते टकराव के बाद अब कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर से सर्वे कराया है। संभावना है कि रविवार शाम तक इसकी रिपोर्ट आ जाएगी। संभावना है कि इन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा सबसे आखिर में की जाएगी।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है इन सीटों में फतेहाबाद, टोहाना, नारनौंद, जगाधरी, यमुनानगर, पानीपत व जींद विधानसभा सीटें हैं। इनके अलावा हिसार, सिरसा जिले की विधानसभा सीटों पर भी पेच फंसा है। कुमारी सैलजा हिसार, सिरसा और फतेहाबाद में प्रत्याशियों को टिकट के लिए पैरवी कर चुकी हैं और जबकि सुरजेवाला कैथल और जींद में पैरवी कर रहे हैं।

सांसदों के टिकट पर संशय बरकरार, दिग्गज भी कर रहे इंतजार...सांसदों को विधानसभा चुनावों में टिकट के लिए कांग्रेस पहले ही इन्कार कर चुकी है, लेकिन कुमारी सैलजा लगातार चुनाव लड़ने का दावा करती रही हैं। पहली सूची में किसी सांसद का नाम नहीं आया है, ऐसे में कुमारी सैलजा और सुरजेवाला के चुनाव लड़ने पर भी संशय बना हुआ है। इन दोनों को देखते हुए सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेंद्र सिंह को उचाना से टिकट मिलना तय है, लेकिन पहली सूची में इनका नाम नहीं आया है, इसी प्रकार रणदीप सुरजेवाला के बेटे आदित्य सुरजेवाला का भी नाम नहीं आया है।

टिकट कटने से नाराज पूर्व मेयर के घर पहुंचे सीएम नायब सैनी, बोले- दीदी के घर चाय पीने आया था

करनाल टिकट कटने से नाराज पूर्व मेयर रेणु बाला गुप्ता के घर शनिवार को सीएम नायब सैनी पहुंचे। रात करीब 10 बजे पहुंचे सीएम ने मेयर से करीब 1 घंटे तक बंद कमरे में बैठक की। इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा और कुछ भाजपा पदाधिकारी और मेयर समर्थक मौजूद रहे। लंबी चर्चा में सीएम ने नाराज चल रही पूर्व मेयर को मनाने का प्रयास किया।

बैठक के बाद सीएम ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वे अपनी दीदी यानी रेणु बाला के घर चाय पीने और मिलने आए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में कोई भगदड़ नहीं है, तीसरी बार सरकार बनेगी। करनाल को सीएम सिटी की कमी महसूस नहीं होने देंगे।

मेयर की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि मेयर ने सीएम को करनाल से चुनाव लड़ने के लिए या उन्हें टिकट देने का आग्रह किया है। इसके साथ ही सीएम से कहा है कि तीन दिन में वे अपना फैसला लेंगी। इस पर सीएम ने पार्टी का निर्णय और पार्टी को सरोवप्री बताया। इससे पहले सीएम के शाम 7 बजे उनके घर आने की सूचना थी। ऐसे में सूचना मिलते ही मेयर के घर समर्थकों की भीड़ जुट गई। लेकिन तब सीएम नहीं पहुंचे, तो मेयर के साथ आगामी रणनीति पर चर्चा करके सभी लोट गए।

एक दिन पहले ही सोशल मीडिया पर जताई थी नाराजगी...टिकट न मिलने पर पूर्व मेयर रेणू बाला गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शुक्रवार को अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए अपने साथ धोखा होने की बात लिखी थी। इससे भाजपा में खलबली मच गई। तभी उम्मीद की जा रही थी कि पूर्व मेयर की मान मनौव्वल के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंच सकते हैं। फिलहाल पूर्व मेयर ने अपने समर्थकों की आठ सितंबर को बैठक बुलाई हैं, जिसमें कोई बड़ा फैसला करने की बात कही।

करनाल पिछले दस सालों से सीएम सिटी है। करनाल विधानसभा सीट से ही चुनाव जीतकर मनोहर लाल ने पिछले साढ़े नौ साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला है। उन्होंने यहां अपना घर भी बनाया। उनके त्यागपत्र देने के बाद नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री बने तो मनोहर लाल ने उनके लिए करनाल सीट से विधान सभा की सदस्यता भी छोड़ी। रिक्त हुई सीट पर नायब सिंह सैनी उप चुनाव जीते चाहे मनोहर लाल रहे हों या फिर नायब सैनी, इनकी जितनी भी सभाएं या अन्य कार्यक्रम हुए, उनमें करनाल नगर निगम की पूर्व मेयर रेणू बाला गुप्ता को जरूर देखा गया है। उन्होंने पार्टी की गतिविधियों में अपनी पूरी सक्रियता दिखाई।

ये लिखा सोशल एकाउंट पर...पूर्व मेयर रेणू बाला गुप्ता ने शुक्रवार को फेसबुक एकाउंट पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि उन्होंने पूर्ण निष्ठा और लगन से पार्टी की सेवा की है लेकिन उनकी निष्ठा, विश्वास, वर्षों से प्रतिदिन के संघर्ष और समर्पण का कत्ल किया गया है। उन्होंने कहा है कि करनाल में टिकट का निर्णय मेरिट के आधार पर नहीं हुआ है। अपने कार्यकताओं, समर्थकों और नगरवासियों की ओर से नाराजगी व्यक्त करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है।

पंजाब में महंगा हुआ सफर: बसों का किराया बढ़ा, प्रति किलोमीटर देने होंगे इतने रुपये ज्यादा

चंडीगढ़ पंजाब में सफर महंगा हो गया है। क्योंकि बसों का किराया बढ़ा दिया गया है। शनिवार को पंजाब ट्रांसपोर्ट विभाग ने इस संदर्भ में नोटिफिकेशन जारी कर दिया। सामान्य बसों का किराया 23 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से बढ़ाया गया है, जबकि कोच और सुपर कोच वाली बसों का किराया 41 से 46 पैसे प्रतिकिलोमीटर के हिसाब से बढ़ाया गया है। पंजाब कैबिनेट की बैठक में पेट्रोल व डीजल पर वैट के साथ बस के किराए में भी बढ़ोत्तरी की गई थी। बस के किराये में बढ़ोत्तरी कर सरकार को 150 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व आने की उम्मीद है। ट्रांसपोर्ट सचिव दिलराज सिंह ने बताया कि हीट, वैंटिलेशन एंड एयर कंडीशन (एचवीएसी) की समान्य बसों में 23 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया बढ़ाया गया है। जबकि कोच वाली बसों में 28 पैसे प्रति किलोमीटर और सुपर कोच बसों के लिए 46 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया बढ़ाया गया है। सरकार की ओर से यह फैसला कैबिनेट कीबैठक के दो दिन बाद ही जारी कर दिया गया।

बता दें कैबिनेट ने पेट्रोल पर 61 पैसे और डीजल पर 92 पैसे प्रति लीटर के हिसाब से वैट बढ़ाया था। इसी के साथ 7 किलोवॉट तक के कनेक्शन पर अब तक दी जाने वाली तीन रुपये की सब्सिडी को वापस ले लिया था। सरकार को इन सबसे कुल 2500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आमदान की उम्मीद है।

महिलाओं को निशुल्क बस यात्रा पर खर्च हो रही सब्सिडी बढ़ा रही आर्थिक बोझ...पंजाब में महिलाओं को सरकारी बसों में सफर निशुल्क किया गया है। इस निशुल्क बस सेवा के रूप में सरकार पर सब्सिडी के रूप में बड़ा बोझ पड़ रहा है। यही कारण है कि अब सरकार ने बसों में किराया बढ़ाकर न केवल अपने राजस्व को बढ़ाने का प्रयास किया है, बल्कि महिलाओं को निशुल्क बस यात्रा पर सब्सिडी के रूप में होने वाले खर्च का विकल्प ढूंढने का प्रयास किया है।

रामकिशन फौजी के समर्थक बोले- बवानीखेड़ा से बाहरी प्रत्याशी को उतारा तो होगा विरोध

बवानीखेड़ा (भिवानी) बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व सीपीएस व तीन बार के विधायक रामकिशन फौजी की टिकट कटने की सोशल मीडिया पर चल रहीं चचाओं के बीच गहमागहमी बढ़ गई है। इस मसले पर फौजी के निवास पर हुई महापंचायत में समर्थकों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 8 सितंबर को दिल्ली कूच कर हाईकमान से सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के बारे में चर्चा करेंगे। फौजी समर्थकों ने एक सुर में कहा कि अगर बवानीखेड़ा हलका से पार्टी किसी बाहरी उम्मीदवार को लाती है तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

महापंचायत में बवानीखेड़ा युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, हरियाणा मांगे हिसाब यात्रा, पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में रामकिशन फौजी व उनके कार्यकताओं की भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि रामकिशन फौजी बवानीखेड़ा से बहुत ही कम अंतर से दो बार हार हुई है।

ऐसे में रामकिशन फौजी के पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए उनकी टिकट पर संशय होना कार्यकताओं के बीच रोष का विषय है। इस दौरान सभी फौजी समर्थकों ने एक सुर में कहा कि रविवार को हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता अपने भोजन, वस्त्र व रहने की व्यवस्था के साथ दिल्ली कूच करेंगे। पार्टी हाईकमान से रामकिशन फौजी के लिए टिकट लेकर ही लौटेंगे।

राज्यमंत्री बिशंबर वाल्मीकि और पूर्व विधायक परमार ने दिल्ली में डेरा डाला...विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट कटने के बाद राज्यमंत्री बिशंबर वाल्मीकि और पूर्व विधायक शशिरंजन परमार ने बागी रुख अख्तियार कर लिया है। इस बीच रूठों को मनाने के लिए भाजपा आलाकमान सक्रिय हो गया है। भाजपा आलाकमान के समक्ष राज्यमंत्री और परमार ने भी अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं।

बवानीखेड़ा से लगातार दो बार विधायक रह चुके बिशंबर वाल्मीकि प्रदेश में राज्यमंत्री भी हैं, लेकिन इस बार उन्हें चुनाव में भाजपा ने टिकट नहीं दिया। इसी को लेकर उनके पैतृक गांव खरक में भी पंचायत हुई। इसमें ग्रामीणों ने उनके नाम का विरोध कर डाला और भाजपा के टिकट वितरण के निर्णय को सही बताया। वहीं, तोशाम से पिछले विधानसभा चुनाव में किरण चौधरी की टक्कर में चुनाव लड़ते हुए 56 हजार वोट लेने वाले पूर्व विधायक शशिरंजन परमार को भी तोशाम से टिकट नहीं मिलने का मलाल है।

शशिरंजन परमार के आवास पर शुक्रवार को कार्यकताओं और समर्थकों की बैठक भी बुलाई गई थी। इसमें यह निर्णय हुआ था कि आठ सितंबर को कैरू के बाबा मुंगीपा मंदिर में पंचायत बुलाई है, जिसमें वे आगे का फैसला लेंगे। तोशाम और बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्रों में इस बार टिकट वितरण में भाजपा ने पुराने चेहरों के बजाय नए चेहरों पर विश्वास जता चुनावी मैदान में उतारा है। हालांकि नए चेहरे मैदान में आने के बाद दिग्गज नेताओं के सुर भी खुद की पार्टी में ही बदल गए हैं। ऐसे में अब पार्टी के आलाकमान नेता भी उनकी मान मनोव्वल में जुटे हैं। दिल्ली में चल रही आलाकमान की मंथन बैठक में क्या नतीजा निकलेगा और इनको उसमें क्या आश्वासन मिलेगा यह भी भविष्य की राजनीति तय करेगा।

पूर्व MLA शशिरंजन ने भी छोड़ी भाजपा तोशाम से निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

भिवानी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए टिकट न मिलने से नाराज भाजपा नेताओं का पार्टी छोड़ने का सिलसिला थम नहीं रहा है। ऐसे में अब टिकट कटने से नाराज पूर्व विधायक शशिरंजन परमार ने आखिरकार भाजपा को अलविदा कह दिया है। रविवार को कैरू के बाबा मुंगीपा मंदिर में हुई महापंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि शशिरंजन परमार तोशाम विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। इसके बाद शशिरंजन परमार ने कहा कि 11 सितंबर को वे तोशाम में निर्दलीय प्रत्याशी के का नामांकन भरेंगे।

उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि समय थोड़ा बचा है। इसलिए इधर-उधर भागदौड़ की बजाए वे अपने खुद के गांवों को संभाले, उनकी जीत निश्चित है। गांव कैरू में रविवार सुबह 10 बजे बाबा मुंगीपा मंदिर परिसर में शशिरंजन परमार के समर्थन में महापंचायत बुलाई गई थी। जिसमें तोशाम हलके से कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। जिसका हाथ उठाकर लोगों ने समर्थन भी किया। पंचायत में मौजूद पूर्व विधायक शशिरंजन परमार ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे लोगों की इच्छा का सम्मान करते हैं और तोशाम विधानसभा क्षेत्र से 11 सितंबर को बाबा मुंगीपा का आशीर्वाद लेने के बाद अपना निर्दलीय प्रत्याशी का नामांकन दाखिल करेंगे। दरअसल भाजपा से टिकट नहीं मिलने से नाराज चल रहे पूर्व विधायक दो दिनों से इलाके की जनता के बीच रोककर अपना दुख जता चुके थे, जिसके बाद ही उन्होंने दिल्ली से लौटने के बाद यहां पंचायत के बीच बड़ा फैसला लिया है।

सात साल पहले भाजपा में आए थे परमार...पूर्व विधायक शशिरंजन परमार ने करीब सात साल पहले भाजपा का दामन थामा था। शशिरंजन परमार ने लोकदल से अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत मुंढाल क्षेत्र से की थी। लोकदल से ही मुंढाल से शशिरंजन परमार विधायक बने थे। इसके बाद ये विधानसभा क्षेत्र तोड़ दिया था। इसके बाद 2019 के विधानसभा चुनाव में शशि परमार ने कांग्रेस की प्रत्याशी किरण चौधरी के मुकाबले चुनाव लड़ते हुए 56 हजार वोट हासिल किए थे।

पंजाब में मरीजों को नहीं मिलेगा इलाज: सोमवार से डॉक्टरों की हड़ताल, पहले से शेड्यूल ऑपरेशन भी नहीं होंगे

चंडीगढ़। पंजाब में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराने वाली हैं। लोगों को इलाज के लिए भटकना पड़ सकता है। क्योंकि पंजाब सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन की अगुवाई में डॉक्टरों ने नौ सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है। पंजाब सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन की रविवार को हुई जनरल बॉडी की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। एसोसिएशन के प्रधान अखिल सरीन के अनुसार सोमवार से हर दिन सुबह 8.00 से 11.00 बजे तक पहले फेज में ओपीडी सेवाएं बंद रखने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा सिजेरियन और इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर पहले से शेड्यूल ऑपरेशन भी नहीं होंगे।

तीन फेज में संगठन की तरफ से अपनी मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया जाएगा। पहले फेज 9 सितंबर से शुरू होकर 11 सितंबर तक चलेगा। तीसरी फेज में एसोसिएशन की तरफ से सभी सेवाएं बंद कर दी जाएगी।

सीएम नायब पहली बार लाडवा सीट से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, भाजपा की जाति साधने से जीत की राह

करनाल। कुरुक्षेत्र की लाडवा विधानसभा सीट अब हॉट सीट बन चुकी है, क्योंकि सूबे के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उधर कांग्रेस ने उनके खिलाफ पुराने चेहरे पर ही दांव खेला है। इसी सीट से विधायक रहे मेवा सिंह कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में सीएम का सामना करेंगे। इनेलो और बसपा गठबंधन ने पूर्व विधायक शेर सिंह बड़शामी को प्रत्याशी बनाया है जबकि जजपा-असपा गठबंधन और आम आदमी पार्टी अभी इस सीट से मजबूत प्रत्याशी की तलाश में है।

लाडवा हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले का एक छोटा सा शहर है मगर इन दिनों इसलिए चर्चा में है, क्योंकि प्रदेश का कोई मुखिया पहली बार यहां से चुनाव लड़ रहा है। करीब 98 गांवों के इस हलके में दो प्रमुख कस्बे बाबैन और पिपली शामिल हैं। सरस्वती नदी के आसपास क्षेत्र में बसे इस इलाके में कुछ गांव अपना ऐतिहासिक वजूद रखते हैं। उधर साक्षरता की बात करें तो इस क्षेत्र के करीब 72.3 प्रतिशत लोग पढ़े-लिखे हैं। इनमें महिलाओं की औसत दर भी 67.8 प्रतिशत है।अब विधानसभा चुनाव के दौरान हॉट सीट बनने के बाद लाडवा का राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदला हुआ है। तीन प्रमुख दलों के प्रत्याशी घोषित होने के बाद बैठकों का दौर जारी है। चुनाव प्रचार को धार देने की रणनीति तय हो रही है और सीएम समेत सभी प्रत्याशियों ने क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। चूंकि सीएम कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से सांसद भी रह चुके हैं, इसलिए यह इलाका उनके लिए पुराना है। सीएम यहां अपने पुराने संबंधों व संपर्कों को तरोताजा करते हुए उन्हें प्रगाढ़ बनाने में जुट चुके हैं। इसी क्षेत्र से भाजपा नेता डॉ. पवन सैनी वर्ष 2014 में पहली बार मोदी लहर में विधायक बने थे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी इनेलो प्रत्याशी बच्चन कौर बड़शामी को शिकस्त दी थी मगर 2019 में डॉ. पवन सैनी कांग्रेस प्रत्याशी मेवा सिंह से हार गए। हालांकि इस चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत 1.80 फीसदी जरूर बढ़ा लेकिन डॉ. पवन सैनी को हार का मुंह देखना पड़ा।

इस बार भी डॉ. पवन सैनी ही भाजपा से टिकट के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे मगर सीएम के लिए सेफ सीट ढूंढ़ रही भाजपा को सैनी बहुल माने जाने वाली लाडवा सीट ज्यादा उपयुक्त दिखी। पार्टी सूत्र बताते हैं कि भाजपा ने भी जातिगत समीकरणों की समीक्षा करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी को पंजाबी बहुल सीट करनाल से बदलकर लाडवा से उतारने का फैसला लिया है। इसके चलते डॉ. पवन सैनी की टिकट कट गई। फिलहाल यहां भाजपा में कोई विरोध नहीं है, इसका फायदा सीएम को मिल सकता है।

दूसरी ओर इसी सीट से विधायक रहे मेवा सिंह अपनी टिकट को लेकर पहले ही आश्वस्त थे। इसलिए उन्होंने अपनी टीम के साथ चुनावी तैयारी भी शुरू कर रखी थी। अब टिकट की औपचारिक घोषणा के बाद उनकी टीम पूरी तरह से मैदान में सक्रिय दिख रही है। मेवा सिंह भी इनेलो और भाजपा दोनों दलों में रह चुके हैं। सरपंच पद से अपना राजनीतिक कॅरिअर शुरू करने वाले मेवा इनेलो के समर्थन से कुरुक्षेत्र जिला परिषद के अध्यक्ष थे। वर्ष 2009 में उन्होंने भाजपा की टिकट से चुनाव लड़ा था मगर वे तीसरे स्थान पर रहे। वर्ष 2011 में मेवा सिंह भाजपा को अलविदा कह कांग्रेस में चले गए। वर्ष 2019 में कांग्रेस ने उन्हें टिकट देकर मैदान में उतारा और वे जीतकर विधायक बने। अबकी बार मुकाबला कड़ा है, क्योंकि मेवा के सामने अब सीएम नायब सैनी हैं।

ये हैं जातिगत समीकरण...कुरुक्षेत्र जिले की लाडवा सीट सैनी बहुल सीट मानी जाती है मगर इस सीट पर जाट और ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी है। करीब 1 लाख 95 हजार 816 मतदाताओं में से लगभग 20 फीसदी से अधिक वोटर सैनी बिरादरी से हैं। इसी तरह 18 फीसदी से अधिक यहां जाट और 11 प्रतिशत से अधिक ब्राह्मण मतदाता हैं। राजनीतिक मामलों के जानकार डॉ. आरआर मलिक बताते हैं कि लाडवा सीट पर जीत के लिए यहां तीन प्रमुख जातियों को साधना बहुत जरूरी है। इस सीट पर जहां सैनी बिरादरी का भी प्रतिनिधित्व रहा, वहीं जाट बिरादरी के नेताओं को इस क्षेत्र की कमान संभालने का मौका मिला है। अबकी बार भी तीन प्रत्याशियों में से एक सैनी और दो जाट बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। ब्राह्मण और एससी बिरादरी के मतदाता भी यहां अपना अहम योगदान रखते हैं। इसलिए इन जातियों को साधकर ही इस सीट से जीत की राह निकलेगी।

भारत से शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने के लिए जरूरी कदम उठाएंगे, ICT के मुख्य अभियोजक का बयान

ढाका। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस लाने के लिए कदम उठाएगा, ताकि उनके खिलाफ सामूहिक हत्याओं के मामले में मुकदमा चलाया जा सके। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के लिए बांग्लादेश के नवनियुक्त मुख्य अभियोजक ने रविवार को यह जानकारी दी। डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम के हवाले से कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को भारत के साथ प्रत्यर्पण संधि के तहत वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि जुलाई और अगस्त में छात्र नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान सामूहिक हत्याओं के आरोपों को लेकर उन पर मुकदमा चलाया जा सके। उन्होंने ढाका में न्यायाधिकरण परिसर में प्रेस वार्ता में कहा, जब अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण अपना काम फिर से शुरू करेगा तो हम सामूहिक हत्या और मानवता के खिलाफ अपराध के मामलों में शेख हसीना सहित सभी फरार आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए उसके समक्ष अर्जी दायर करेंगे। अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम के अनुसार, हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान 1,000 से अधिक लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पिछले महीने हसीना और नौ अन्य के खिलाफ नरसंहार और मानवता के खिलाफ उन अपराध के आरोपों की जांच शुरू की थी, जो 15 जुलाई से 5 अगस्त तक छात्रों के जन आंदोलन के दौरान हुए थे। इस्लाम ने कहा कि न्यायाधिकरण और इसकी जांच टीम को नये न्यायाधीशों और जांचकताओं की नियुक्ति कर पुनर्गठित करना होगा।

हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद अभियोजन दल ने इस्तीफा दे दिया था। उसकी नियुक्ति हसीना सरकार के दौरान हुई थी।

मॉरीशस के बाद सिंगापुर में दिखी भोजपुरी संस्कृति की झलक, कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सिंगापुर सिटी। मॉरीशस के बाद सिंगापुर में भोजपुरी संस्कृति की झलक देखने को मिली। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में भोजपुरी शो मिठास का आयोजन किया गया। इसमें भोजपुरी कलाकारों ने संगीत, नृत्य और नाट्य समेत तमाम सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से सभी का मन मोह लिया। भोजपुरी एसोसिएशन सिंगापुर ने इसे संस्कृति को आगे बढ़ाने की पहल बताया। भोजपुरी एसोसिएशन सिंगापुर (बीएएस) के अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी ने कहा कि सिंगापुर में करीब 10 हजार से अधिक भारतीय रहते हैं। सिंगापुर में भोजपुरी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पहली बार भोजपुरी शो का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी विश्व स्तर पर बढ़ रहे हैं। कई प्रोफेशनल्स अपने परिवार के साथ सिंगापुर में रहते हैं। ऐसे परिवारों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए यह पहल की गई है। कार्यक्रम में कई भोजपुरी परिवारों के बच्चों और कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। अगले साल एक और मेगा शो की योजना बनाई जा रही है। चतुर्वेदी ने कहा कि विश्व स्तर पर संस्कृति का जश्न मनाना जरूरी है। ताकि विदेश में पल बढ़ रही हमारी अगली पीढ़ी अपनी मातृभूमि और उसकी संस्कृति के बारे में जान सके। इसके लिए और भी प्रयास किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विदेश में बढ़ते भारतीय समुदाय को देखते हुए भोजपुरी संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने और भोजपुरी गीतों, नृत्यों, नाटकों के आयोजन और कार्यक्रमों के प्रसार की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भोजपुरी एसोसिएशन सिंगापुर (बीएएस) भोजपुरी कलाकारों को बढ़ावा देने का काम कर रहा है। साथ ही भारत के प्रतिभाशाली भोजपुरी कलाकारों का भी सहयोग किया जा रहा है। उन्हें वैश्विक मंच पर कला का प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक सहायता दी जा रही है। इससे भोजपुरी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में मॉरीशस के भोजपुरी स्पीकिंग यूनियन के सदस्यों ने अध्यक्ष डॉ. सरिता बूधू के नेतृत्व में भाग लिया। डॉ. सरिता ने भोजपुरी भाषा पर शोध किया है और कई किताबें लिखी हैं।

बिहार में कौन सा अपराध हो रहा?

नीतीश के खास ललन सिंह ने गढ़ दी अलग परिभाषा

संवाददाता।

पटना/नई दिल्ली। बिहार में अपराध नहीं हो रहा है। अपराध का मतलब होता है ऑर्गनाइज्ड क्राइम। आपसी विवाद में हत्या अपराध नहीं है? ये हम नहीं कह रहे। ये कहना है सीएम नीतीश कुमार के खास और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह का। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने उनके दावों पर कहा कि बिहार की राजनीति में बगैर नीतीश कुमार के कुछ नहीं हो सकता। नीतीश ही बिहार में सत्ता को तय करने वाले हैं। इस पर वो भी कहां इनकार कर रही हैं।

ललन सिंह ने रोहिणी और तेजस्वी यादव के दावे पर कहा कि 'सवाल पूछना है, कुछ नहीं मिल रहा है तो वो क्या करें? आखिर ये तो स्वीकार कर रहे हैं न कि बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार एक धुरी हैं। नीतीश कुमार का हाथ जिसके साथ रहता है वही बिहार में शासन करता है। अब तो इसी को स्वीकार कर रही हैं वो। नीतीश कुमार पर बोलने से क्या मतलब? नीतीश कुमार जी ने तो कह दिया कि दो बार हमने गलती की। गलती किया तो नीतीश कुमार जी का यूएसपी है भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस। और जीरो टॉलरेंस के सिद्धांत को इन लोगों के साथ जाने पर इन लोगों ने उसे तार-तार कर दिया। इसीलिए नीतीश कुमार अलग हो गए।'

इसके बाद जब पत्रकारों ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह से बिहार में अपराध पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि 'अपराध कौन सा? छोड़िए न, कौन सा अपराध हो रहा है? अपराध किसको कहते हैं? अपराध का मतलब होता है संगठित ऑर्गनाइज्ड क्राइम। संगठित अपराध कहां हो रहा है। ऑर्गनाइज्ड क्राइम बिहार में नहीं हो रहा है।'ललन सिंह ने आगे कहा कि 'हत्या हो, हम आपके साथ खड़े हैं यहां, कोई किसी को मार दे रहा है, जमीन का विवाद है। कई तरह के विवाद हैं। वो अपराध नही है। वो आपसी विवाद में हत्या होती है। उस पर भी कार्रवाई होती है, उद्भेदन होता है, गिरफ्तारी होती है।'

मोबाइल पर यूट्यूब देखकर कर दिया पथरी का ऑपरेशन,किशोर की चली गई जान

संवाददाता।

छपरा। बिहार में एक छोला छाप डॉक्टर अजीत कुमार पुरी ने यूट्यूब देखकर 15 साल के लड़के का पथरी (स्टोन) का ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद लड़के की हालत बिगड़ गई तो छोलाछाप डॉक्टर उस लड़के को एम्बुलेंस से पटना ले जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। ये घटना गड़खा के मोतीराजपुर में श्री गणपति सेवा सदन के नर्सिंग अस्पताल की है। मृतक किशोर की पहचान चंदन साह के बेटे कृष्णा कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई है। घटना के बाद से ही आरोपी झोलाछाप डॉक्टर और उसके साथी फरार हैं। गुस्साए परिजनों ने शव को लेकर हंगामा शुरू कर दिया।

सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र में एक झोला छाप डॉक्टर अजीत कुमार पुरी ने यूट्यूब देखकर पथरी का ऑपरेशन कर दिया। परिजनों ने बताया कि वो मोबाइल पर यूट्यूब देख रहा था और ऑपरेशन कर रहा था। जब स्थिति बिल्कुल नाजुक हो गई तो खुद एंबुलेंस से लेकर पटना गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मोतीराजपुर स्थित गणपति सेवा सदन की घटना है।

मृत किशोर की पहचान जिले के मढ़ौरा थाना अंतर्गत भुवालपुर गांव निवासी चंदन साह के 15 वर्षीय पुत्र कृष्णा कुमार उर्फ गोलू के रूप में की गई। इस घटना के बाद जहां परिवार वालों में कोहराम मच गया। वहीं, गणपति सेवा सदन के झोलाछाप चिकित्सक अजीत कुमार पुरी और कर्मी बीच रास्ते से फरार हो गए। घटना के बाद रोते-बिलखते परिजन शव को लेकर नर्सिंह होम के पास पहुंचे और हो-हंगामा करने लगे। इस बीच गड़खा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा। एसपी कुमार आशीष ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

पटना: तेज रफ्तार कार से उतरी शराब की पोटियां

संवाददाता।

पटना। पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र के चिरौरा गांव में रविवार को एक तेज रफ़्तार कार पलट गई। कार में सवार लोग घटना के बाद फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया।

पुलिस ने जब क्रेन से कार को बाहर निकाला तो उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार बहुत तेज गति से पटना की ओर जा रही थी। अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे एक गड्ढे में जा गिरी। गाड़ी के पलटने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े। लेकिन उससे पहले ही कार सवार लोग भाग चुके थे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुँची और क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला। कार की तलाशी लेने पर पुलिस को उसके अंदर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की पेटियाँ मिलीं।

कार का नम्बर प्लेट गायब था, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि तस्करी के मकसद से शराब लाई जा रही थी। थानाध्यक्ष रजनीश कुमार केसरी ने बताया कि चिरौरा गांव के पास कार पलटने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर कोई भी व्यक्ति नहीं मिला। कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। जिसकी गिनती की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि कार को जब्त कर थाने लाया गया है।

पूर्व पीएम इमरान खान की रिहाई लिए रैली निकालेगी पीटीआई, इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी रैली निकालेगी। सरकार पर दबाव बनाने के लिए हो रही रैली को लेकर इस्लामाबाद में चाक चौबंद इंतजाम किए गए हैं। यहां जगह-जगह पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। साथ ही कई रास्तों को बंद कर दिया गया है।

पीटीआई अध्यक्ष गौहर खान ने बताया कि रैली दोपहर दो बजे से इस्लामाबाद के संगजानी मवेशी बाजार के पास एक मैदान में होगी। हमें इस्लामाबाद जिला प्रशासन ने रैली के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण तरीके से रैली करेंगे। इससे पहले 22 अगस्त को इस्लामाबाद प्रशासन के एनओसी को रद्द करने और सड़को को सील करने के बाद पीटीआई ने अपनी सार्वजनिक सभा को स्थगित कर दिया था।

आठ फरवरी को हुए चुनाव के बाद इस्लामाबाद में पीटीआई की यह पहली बड़ी रैली होगी। रैली को लेकर पाक सरकार ने लोगों को आवाजाही को कम करने और विरोध को रोकने के लिए इंतजाम किए हैं। सड़कों पर कंटेनर लगाकर इस्लामाबाद के प्रमुख रास्तों को बंद कर दिया गया है। इस्लामाबाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को शहर के विभिन्न हिस्सों में तैनात किया गया है। अस्पतालों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

इसके अलावा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के बीच मेट्रो बस सेवा पूरी तरह से बंद कर दी गई है।

राष्ट्रपति ने सार्वजनिक व्यवस्था और शांतिपूर्ण विधेयक पर किए हस्ताक्षर...पीटीआई की रैली से कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सार्वजनिक व्यवस्था और शांतिपूर्ण विधानसभा विधेयक 2024 पर हस्ताक्षर किए। इसमें अनाधिकृत सभाओं के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। नए कानून में इस्लामाबाद में बिना अनुमति के सभा आयोजित करने पर दंड का प्रावधान है। उल्लंघन करने वालों को तीन साल तक की जेल और जुमार्ने का सामना करना पड़ेगा। बार-बार अपराध करने वालों को 10 साल तक की जेल हो सकती है।

इस्लामी देशों के गठबंधन से ही रोका जा सकता है इस्राइली आतंकवाद, तुर्किये के राष्ट्रपति का बड़ा बयान

इस्तांबुल तुर्किये के राष्ट्रपति रैचप तैयप एर्दोगन ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि इस्राइली आतंकवाद को रोकने के लिए इस्लामी देशों को एकजुट होना होगा। एर्दोगन ने कहा कि इस्राइल की विस्तारवादी नीति बढ़ती जा रही है। तुर्किये के राष्ट्रपति के इस बयान पर इस्राइली विदेश मंत्री ने कड़ी आपत्ति जताई है।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में एक तुर्किये-अमेरिकी मूल की महिला की वेस्ट बैंक इलाके में कथित तौर पर इस्राइली सैनिकों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महिला इस्राइल द्वारा वेस्ट बैंक में नई बस्ती बसाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची थी।

पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते सुधारने में जुटा तुर्किये...इस्तांबुल में इस्लामिक स्कूल एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए एर्दोगन ने कहा कि 'इस्राइल के अहंकार और इस्राइली आतंकवाद को रोकने का एक ही तरीका है और वो है इस्लामी देशों का गठबंधन।' तुर्किये के राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के समय में उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिससे मिस्त्र और सीरिया के साथ तुर्किये के संबंध बेहतर हो सकें। तुर्किये के राष्ट्रपति पड़ोसी देश सीरिया के साथ भी अपने रिश्तों को मजबूत करने में जुटे हैं। सीरिया में साल 2011 में गृह युद्ध छिड़ने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था।

अरब देशों के साथ भी रिश्ते बेहतर कर रहा तुर्किये...इसी हफ्ते मिस्त्र के राष्ट्रपति ने तुर्किये का दौरा किया था। इस दौरे पर दोनों देशों के नेताओं के बीच गाजा युद्ध को लेकर चर्चा हुई थी। यह मिस्त्र के किसी राष्ट्रपति का बीते 12 वर्षों में पहला तुर्किये दौरा है।

तुर्किये संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भी अपने रिश्तों को सामान्य करने की कोशिश कर रहा है। एर्दोगन के बयान पर इस्राइल के विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि एर्दोगन का बयान खतरनाक झूठ और भड़काऊ है। उन्होंने आरोप लगाया कि तुर्किये के राष्ट्रपति लंबे समय से ईरान के साथ मिलकर अरब देशों के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

साबरकांठा में डेढ़ किलोमीटर तक नदी में बही कार, दंपती ने छत पर चढ़कर बचाई जान

साबरकांठा (गुजरात) गुजरात के साबरकांठा जिले में रविवार को एक दंपती ने अपनी कार की छत पर करीब दो घंटे बिताए। कार एक पुल को पार करते समय उफनती नदी में बह गई थी। कार पूरी तरह से पानी में डूब गई थी और उसकी केवल छत ही नजर आ रही थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

स्थानीय दमकल अधिकारी कमल पटेल के मुताबिक, कार पुल को पार करने का प्रयास कर रही थी, लेकिन यह बह कर करीब डेढ़ किलोमीटर दूर चली गई थी। उस समय नदी के तेज बहाव और बढ़े हुए जलस्तर ने बचाव कार्य को मुश्किल बना दिया। दंपति कार से बाहर निकलकर उसकी छत पर चढ़ने में सफल रहे और वहां दो घंटे तक सुरक्षित रहे। इस दौरान नदी के किनारे स्थानीय लोग भी जमा हुए। कई लोगों ने घटना का वीडियो भी बनाया। दमकल विभाग के कर्मियों ने पानी के स्तर कम होने का इंतजार किया और एक बचाव दल को नाव और अन्य उपकरणों के साथ मदद के लिए बुलाया। जान बचने के बाद सुरेश मिस्त्री ने बताया कि उन्होंने यह सोचकर पुल पार करने का प्रयास किया कि यह सुरक्षित है, क्योंकि उन्होंने एक दूसरे वाहन को सुरक्षित रूप से दूसरी ओर जाते देखा था। जैसे ही जलस्तर बढ़ा और बहाव तेज हुआ कार डेढ़ किलोमीटर दूर तक बह गई। इसके बाद उन्होंने दमकल विभाग और पुलिस को मदद के लिए फोन किया, तो उन्होंने सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

'EC ने किया TVK का पंजीकरण, राज्य की अहम राजनीतिक ताकत बनकर उभरेगी पार्टी

चेन्नई मशहूर तमिल अभिनेता और तमिझागा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के संस्थापक विजय ने रविवार को घोषणा की कि चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी का पंजीकरण कर दिया है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी तमिलनाडु की प्रमुख राजनीतिक ताकत बनकर उभरेगी।

विजय ने कहा कि उनकी पार्टी का मूल सिद्धांत समानता है। उन्होंने बताया कि टीवीके को एख राजनीतिक पार्टी के रूप में पंजीकृत करने के लिए दो फरवरी को चुनाव आयोग के पास एक आवेदन दायर किया गया था। कानूनी जांच के बाद आयोग ने टीवीके को एक राजनीतिक पार्टी के रूप में मान्यता दी हैं और चुनावी राजनीति में भाग लेने की अनुमति दी है।

अभिनेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे लिए पहला दरवाजा खुल गया है, जो हमें चौतरफ सफलता की ओर ले जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि उनकी पार्टी अपने सिद्धांतों का पालन और बाधाओं को पार करते हुए तमिलनाडु के लोगों के लिए एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरेगी। विजय ने यह भी बताया कि टीवीके के पहले राज्य सम्मेलन की तैयारी शुरू हो गई है, जिसमं पार्टी की विचारधारा की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा, कृपया इसके बारे में आधिकारिक घोषणा का इंतजार करें। उनकी ओर से यह टिप्पणी तब सामने आई है, जब पार्टी के कार्यकर्ता इस महीने विलुपुरम जिले के विक्रवंडी में राज्य सम्मेलन आयोजित करने की अनुमति के लिए अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। पुलिस सम्मेलन के आयोजन के लिए मंजूरी दे चुकी है।

मणिपुर की अखंडता की रक्षा के लिए कदम उठाए केंद्र

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की एक नई लहर के बीच मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने रविवार को केंद्र से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र को कुकी जो समूहों की अलग प्रशासन की मांग पर ध्यान नहीं देना चाहिए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सौंपे गए एक ज्ञापन में ये अपील की। उन्होंने कई विधायकों और विधानसभा अध्यक्ष के साथ राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की। सिंह ने ज्ञापन में कहा कि केंद्र को मणिपुर में शांति सुनिश्चित करनी चाहिए और निर्वाचित राज्य सरकार को पर्याप्त शक्ति प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) समझौते को रद्द करने की भी मांग की।

यह समझौता 2008 में केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कुकी उग्रवादी संगठनों (कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट) के बीच किया गया था और इसे समय-समय पर बढ़ाया गया है। राजभवन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सिंह ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ राज्यपाल से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। हालांकि, ज्ञापन के क्या बात लिखी गई थी, इस बारे में राजभवन और मुख्यमंत्री ने कोई जानकारी साझा नहीं की। विज्ञप्ति के मुताबिक, बैठक में बीस से ज्यादा विधायक और विधानसभा अध्यक्ष थोक्चोम सत्यव्रता सिंह भी शामिल थे। यह बैठक उस समय हुई है, जब मणिपुर में ताजा हिंसा में शनिवार को जिरिबाम जिले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, उग्रवादियों ने एक व्यक्ति की घर में घुसकर हत्या की। जिसके बाद दोनों समुदायों के बीच भारी गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गई। जिरिबाम जिला पहले इंफाल घाटी और पड़ोसी पहाड़ियों में जातीय संघर्ष से प्रभावित नहीं था। जिसमें जून में एक व्यक्ति की हत्या के बाद हिंसा भड़क उठी। मणिपुर में पिछले साल मई में मैतई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था। जिसके बाद बाद से हिंसा में 200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

बातचीत से हो सकता है भारत और नेपाल के बीच समस्याओं का समाधान

नेपाल। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच की समस्याओं को खुले संवाद और सौहार्दपूर्ण माहौल से सुलझाया जा सकता है। पूर्व प्रशासक सूर्य नाथ उपाध्याय की पुस्तक 'इंटरनेशनल वाटरकोर्स लॉः ए पर्सपेक्टिव ऑन नेपाल-इंडिया कोऑपरेशन' के विमोचन के अवसर पर पीएम ओली ने कहा, नेपाल और भारत के बीच बहुत कम समस्याएं हैं, और अगर हम सौहार्दपूर्ण माहौल और खुले संवाद को बनाए रखें तो उन्हें सुलझाया जा सकता है।

भारत हमारा मित्रवत पड़ोसी-पीएम ओली...पीएम ओली ने आगे कहा कि भारत हमारा मित्रवत पड़ोसी है और नेपाल और भारत की संस्कृति समृद्ध है, इसलिए हमें खुले संवाद की आवश्यकता है। हमारी खुलकर बात न कर पाने की अक्षमता के लिए केवल भू-राजनीतिक स्थिति को दोष नहीं दिया जा सकता। हमें सत्ता हासिल करने और उसे बनाए रखने के किसी भी खेल में शामिल नहीं होना चाहिए।पहले, विदेशी संबंध देश की ताकत के आधार पर बनाए जाते थे और उन पर हावी होते थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, किसी देश को अपने राष्ट्रीय हितों को अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों के अनुरूप उचित और न्यायसंगत तरीके से प्रस्तुत करना चाहिए।

2020 में भारत और नेपाल के बीच बना था तनाव...इस दौरान पीएम ओली ने जोर देकर कहा, साझा संसाधनों पर काम करते समय एकतरफा दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए। यह आम सहमति और द्विपक्षीय चर्चा के आधार पर किया जाना चाहिए। 2020 में काठमांडू की तरफ से एक नया राजनीतिक मानचित्र प्रकाशित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे, जिसमें तीन भारतीय क्षेत्रों - लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख - को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री ओली ने बढ़ते घरेलू दबाव को रोकने के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल करने का प्रयास किया। पीएम ओली ने अतीत में नेपाल के आंतरिक मामलों में कथित रूप से हस्तक्षेप करने के लिए भारत की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। वहीं पूर्व प्रशासक सूर्य नाथ उपाध्याय ने कहा कि हिमालयी राष्ट्र को अभी तक नेपाल और भारत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के समूह की तरफ से तैयार की गई रिपोर्ट नहीं मिली है।

'आम सहमति के आधार पर हुआ ईपीजी का गठन'...पूर्व नौकरशाह ने कहा, नेपाल और भारत के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच आम सहमति के आधार पर ईपीजी का गठन किया गया था। उन्होंने कहा, नेपाली पक्ष की ओर से रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए समय का कोई मुद्दा नहीं था।

शायद भारतीय पक्ष इसके लिए उचित समय की व्यवस्था करेगा, उन्होंने कहा कि हिमालयी राष्ट्र को रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर चर्चा करना आसान होगा। चारों ओर से भूमि से घिरा नेपाल माल और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर करता है। नेपाल इस क्षेत्र में अपने समग्र सामरिक हितों के संदर्भ में भी भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त खबरें

अडानी ने एक नई कंपनी की स्थापना की

नई दिल्ली। अडानी समूह ने आपूर्ति श्रृंखला समाधान और परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए चीन में एक सहायक कंपनी खोली है। समूह ने यह जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को दे दी। समूह की प्रमुख कंपनी, अदानी एंटरप्राइजेज ने घोषणा की कि उसकी सिंगापुर सहायक कंपनी ने 2 सितंबर 2024 को शंघाई, चीन में स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अदानी एनर्जी रिसोर्सेज (शंघाई) कंपनी (एईआरसीएल) की स्थापना की है।

कंपनी ने कहा, "एईआरसीएल की स्थापना आपूर्ति श्रृंखला समाधान और परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने का व्यवसाय करने के लिए की गई थी।" सहायक कंपनी को अदानी ग्लोबल पीटीई (एजीपीटीई), सिंगापुर द्वारा निगमित किया गया था, जो अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की सहायक कंपनी है। .) की सहायक कंपनी है. एईएल खनन, सड़कों, हवाई अड्डों, डेटा केंद्रों और जल बुनियादी ढांचे में काम करता है। जानकारी के मुताबिक, "एईआरसीएल की स्थापना और पंजीकरण 2 सितंबर, 2024 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के कंपनी कानून के तहत किया गया था।"

हम आपको बताना चाहेंगे कि हाल ही में खबर आई है कि अडानी ग्रुप एक इजरायली कंपनी के साथ मिलकर महाराष्ट्र में 83,947 करोड़ (वर$10 बिलियन) के कुल निवेश के साथ एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगा। महाराष्ट्र सरकार ने चार मेगा हाई-टेक परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिसमें अदानी समूह के स्वामित्व वाली टॉवर सेमीकंडक्टर के साथ साझेदारी भी शामिल है। इन परियोजनाओं में कुल निवेश 117 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है और लगभग 29,000 नौकरियां पैदा होंगी।

वरिष्ठ नौकरशाह तुहिन कांत पांडे अगले वित्त सचिव होंगे, सरकार ने नियुक्ति आदेश जारी किया

नई दिल्ली। वरिष्ठ नौकरशाह तुहिन कांत पांडे को नया वित्त सचिव नियुक्त किया गया है। शनिवार को सरकार की तरफ से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। देश के बेहतरीन अधिकारियों में से एक पांडे 1987 बैच के ओडिशा कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। वह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की टीम का अहम हिस्सा हैं। वह निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव रह चुके हैं। उन्हें एअर इंडिया के निजीकरण और एलआईसी के देश के सबसे बड़े आईपीओ में निभाई गई भूमिका के लिए पहचाना जाता है। वित्त मंत्रालय में आने से पहले उन्होंने अपने गृह कैडर ओडिशा में प्रमुख सचिव के रूप में काम किया।

भारत का रक्षा क्षेत्र 14% उअत्रक्र की दर से बढ़ने की संभावना- जेफरीज

दिल्ली। जेफरीज की एक हालिया क्षेत्रीय रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रक्षा क्षेत्र में जबरदस्त वृद्धि होने वाली है, देश के रक्षा बाजार में वित्त वर्ष 24 से वित्त वर्ष 30 तक 14 प्रतिशत सीएजीआर की वृद्धि होने की संभावना है, जो स्वदेशीकरण पर बढ़ते फोकस और भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए निर्यात संभावनाओं को खोलने से प्रेरित है।रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनाव, देश की रक्षा में आत्मनिर्भरता पर बढ़ते फोकस के साथ, स्थानीय रक्षा निमार्ताओं के लिए ऑर्डर फ्लो और राजस्व के मामले में वृद्धि की निश्चित गति का एक कारण रहा है। इस गति को बढ़ाने के लिए, सरकार रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। इसका मतलब यह होगा कि भारत का रक्षा खर्च वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 30 के बीच दो गुना से अधिक होने का अनुमान है, जिससे रक्षा शेयरों पर अनुकूल परिणाम आएगा। अगले 5-6 वर्षों में कुल भारतीय रक्षा बाजार का अवसर लगभग $90-100 बिलियन आंका गया है, जबकि इन वर्षों में उद्योग में वार्षिक वृद्धि ~13 प्रतिशत होने का अनुमान है।इसी समय, जबकि भारत वैश्विक रक्षा व्यय में शीर्ष तीन में शामिल था, इसका 2022 रक्षा व्यय अमेरिकी व्यय का केवल 10 प्रतिशत और चीन के व्यय का 27 प्रतिशत था। आपूर्ति पक्ष पर, भारत वर्तमान में वैश्विक स्तर पर रक्षा उपकरणों का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है।

प्रमुख उपकरण पूंजीगत रक्षा व्यय है जिसे पिछले दस वर्षों से प्रकृति को बनाए रखते हुए हर साल 7-8 प्रतिशत की वृद्धि दर में लगातार वृद्धि की आवश्यकता है। निर्यात के मोर्चे पर, भारतीय रक्षा कंपनियों को वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 30 के बीच 18 प्रतिशत सीएजीआर के साथ निर्यात के साथ स्वस्थ विकास देखने की संभावना है। भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 17 और वित्त वर्ष 24 के बीच पहले ही 14 गुना बढ़कर 2.6 बिलियन डॉलर हो गया है। जेफरीज ने कहा कि यह संख्या वित्त वर्ष 29 तक 6 बिलियन डॉलर प्राप्त करने के सरकारी लक्ष्य के अनुरूप वित्त वर्ष 30 तक 7 बिलियन डॉलर तक पहुँचने की संभावना है।

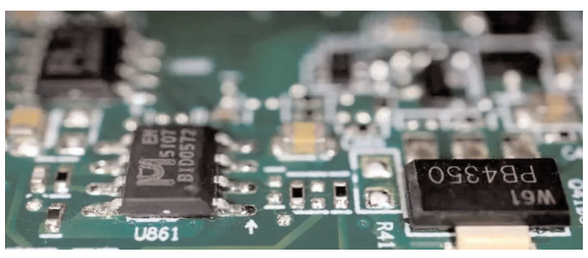

सेमीकंडक्टर में भारी निवेश के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति बढ़ेगी

नई दिल्ली: भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे में उद्योग विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि देश को अगले तीन-पांच वर्षों में इस क्षेत्र में 30 बिलियन डॉलर तक का भारी निवेश मिल सकता है, जो दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला में इसकी स्थिति को और मजबूत करेगा। गुरुवार को, महाराष्ट्र सरकार ने 1.17 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली चार प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिसमें इजराइल के टॉवर सेमीकंडक्टर और अडानी समूह द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित की जाने वाली सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजना भी शामिल है। यह परियोजना रायगढ़ जिले के पनवेल में स्थापित की जाएगी, जिसमें पहले चरण में 58,763 करोड़ रुपये और दूसरे चरण में 25,184 करोड़ रुपये का प्रस्तावित निवेश होगा, जिससे कम से कम 15,000 नौकरियां पैदा होंगी। साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वीपी-इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप, प्रभु राम के अनुसार, सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत के रणनीतिक निवेश का उद्देश्य इसकी घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में इसकी स्थिति को ऊपर उठाना है।

राम ने आईएएनएस से कहा, उत्पादन क्षमता का विस्तार करके, देश इस क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए तैयार है। सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन जैसी राष्ट्रीय पहल वैश्विक बाजार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल करने, नवाचार को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन और तकनीकी उन्नति के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित हैं।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की सिंगापुर यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए साझेदारी की घोषणा की।

सिंगापुर और भारत अपने सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में पूरक शक्तियों का लाभ उठाएंगे और अपनी सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं में लचीलापन बनाने के अवसरों का लाभ उठाएंगे। इसमें पारिस्थितिकी तंत्र विकास, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन और कार्यबल विकास पर सरकार के नेतृत्व वाली नीतिगत आदान-प्रदान शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एईएम होल्डिंग्स का भी दौरा किया और सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।

भारत का पावर सेक्टर 2030 तक दोगुना बढ़कर 280 अरब डॉलर का होगा, रक्षा क्षेत्र में भी होगा जबरदस्त विकास

नई दिल्ली। भारत के ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन सेक्टर में आने वाले दिनों में जबरदस्त विकास देखने को मिलेगा और यह साल 2030 तक बढ़कर 280 अरब डॉलर का हो सकता है। अमेरिकी फर्म जेफ्रीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में ये दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जैसे-जैसे विकास दर बढ़ रही है, वैसे ही ऊर्जा की खपत भी बढ़ेगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन सेक्टर वित्तीय वर्ष 2017-23 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024 से 2030 तक बढ़कर दोगुना यानी कि करीब 280 अरब डॉलर का हो सकता है।

सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी ऊर्जा खपत...रिपोर्ट के अनुसार, अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए ऊर्जा की जरूरत होगी, ऐसे में ऊर्जा खपत भी 7 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ेगी। भारत का कुल ऊर्जा उत्पादन 2024 के 442 गीगावाट से बढ़कर 2030 तक 673 गीगावाट तक पहुंच सकता है। भारत के थर्मल पावर प्लांट्स में भी निवेश बढ़ेगा और ग्रिड की स्थिरता को बनाए रखने में इन थर्मल पावर प्लांट्स की अहम भूमिका होगी।

डिफेंस सेक्टर में दिखेगी जबरदस्त ग्रोथ...जेफ्रीज की रिपोर्ट में भारत के रक्षा क्षेत्र में भी जबरदस्त विकास होने की उम्मीद जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रक्षा कंपनियां 14 प्रतिशत की वार्षिक दर से तरक्की कर सकती हैं। यह अनुमान वित्तीय वर्ष 2024 से 2030 के बीच का है। दरअसल केंद्र सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर जोर दे रही है। इस वजह से देश में ही रक्षा उत्पादन के काम में तेजी आएगी। साथ ही रिपोर्ट में वैश्विक परिस्थितियों को भी भारत के रक्षा क्षेत्र में तरक्की की वजह बताया गया है क्योंकि आजकल दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध चल रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच से छह वर्षों में भारत का रक्षा बाजार 90-100 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। रक्षा क्षेत्र पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देशों में भारत शीर्ष तीन में शामिल है, लेकिन साल 2022 में भारत ने अमेरिका के रक्षा खर्च की तुलना में सिर्फ 10 फीसदी और चीन के रक्षा क्षेत्र की तुलना में सिर्फ 27 फीसदी ही खर्च किया। यही वजह है कि भारत के तेज आर्थिक विकास और दुनिया में भारत के उभार के चलते इसके रक्षा क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं।

उभरते बाजारों के निवेश इंडेक्स में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। उभरते बाजारों के निवेश इंडेक्स में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, एमएससीआई ईएम आईएमआई में सितंबर में भारत का भार 22.27 फीसदी रहा है, जबकि चीन का 21.58 फीसदी। इससे भारतीय बाजारों में 34,000 से 36,000 करोड़ रुपयों तक का निवेश आ सकता है। मॉर्गन स्टेनली ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंवेस्टेबल मार्केट इंडेक्स (एमएससीआई ईएम आईएमआई) में 24 उभरते बाजारों और 3,355 बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के पूंजीगत के आंकड़ों के आधार पर यह सूचकांक तैयार किया गया। यह कंपनियां निष्पक्ष तरीके से बाजार पूंजीकरण के लगभग 99 फीसदी क्षेत्र में विस्तारित हैं।

मॉर्गन स्टेनली ने कहा, भारत के मामले में बुनियादी कारक निश्चित रूप से लागू होते हैं, किंतु उभरते बाजारों में भारत के मौजूदा हालात कहीं से भी चिंताजनक नहीं हैं। इस क्षेत्र में भारत शीर्ष पर अपनी वरीयता को बनाए हुए है। वह निवेश में एशिया प्रशांत क्षेत्र में दूसरी पसंद है। बाजार के जानकारों का कहना है कि देश की अर्थव्यवस्था बेहतर कर रही है। वित्तवर्ष 2024-25 में अप्रैल से जून तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 47 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतें लगातार घट रही हैं और अब यह 73 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई हैं।

आगामी वर चुनाव क्रिप्टो बाजार को कैसे प्रभावित करेंगे?

नई दिल्ली। यू.एस. वर्तमान में उन महत्वपूर्ण कारकों में सबसे आगे है जो वित्तीय बाजारों को प्रभावित कर सकते हैं। सितंबर में बहुप्रतीक्षित बैठक और आगामी नवंबर चुनावों के साथ, ध्यान यू.एस. पर केंद्रित है। ये घटनाएँ महत्वपूर्ण हैं, जो न केवल पारंपरिक बाजारों को प्रभावित करती हैं, बल्कि क्रिप्टो उत्साही लोगों को भी प्रभावित करती हैं, जो ऐसे कानून की उम्मीद कर रहे हैं जो क्रिप्टोकरेंसी स्पेस में विनियमन को आसान बना सके।यह वर्ष क्रिप्टोकरेंसी के लिए महत्वपूर्ण रहा है। बिटकॉइन ने अब तक के नए उच्चतम स्तर को प्राप्त किया है, और यू.एस. में स्पॉट बिटकॉइन और ईथर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड की स्वीकृति मुख्यधारा में अपनाने की दिशा में बड़ी प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है। ये उपलब्धियाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था में डिजिटल मुद्राओं के बढ़ते एकीकरण को रेखांकित करती हैं, जो चुनाव के करीब आने पर अधिक राजनीतिक और नियामक जांच का मार्ग प्रशस्त करती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, क्रिप्टो का प्राथमिक प्रभाव इस क्षेत्र में उनकी बढ़ी हुई वैधता है। हालाँकि, कुछ उपयोगकर्ताओं का मानना है कि उनका मुख्य प्रभाव बाजार में आने वाले प्रवाह पर है। फिर भी, आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव दोनों दृष्टिकोणों को प्रभावित करेंगे।अगर क्रिप्टो समर्थक उम्मीदवार जीतते हैं, तो वे एक महत्वपूर्ण बाजार चालक के रूप में कार्य कर सकते हैं, क्योंकि राष्ट्रपति की पसंद समग्र बाजार भावना को आकार देती है। 1927 से वापस जाने वाले ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि जब चुनाव मंदी के वर्ष में होते हैं, तो सत्ताधारी पार्टी 70% बार हार जाती है।

स्वास्थ्य-जीवन बीमा पॉलिसी की जीएसटी दरों में कमी संभव, कल होने वाली बैठक में किया जा सकता है फैसला

नई दिल्ली। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर ज्यादा जीएसटी की दरों से राहत मिलने की उम्मीद है। सोमवार को जीएसटी परिषद की होने वाली बैठक में इस पर फैसला किया जा सकता है। हालांकि, राज्यों को यह चिंता है कि दरों को कम करने के बाद भी बीमा कंपनियां इसका फायदा ग्राहकों को देंगी या नहीं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सहित सभी राज्य इस बात से सहमत हैं कि स्वास्थ और जीवन बीमा पर वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी दरें 18 फीसदी के रूप में बहुत ज्यादा है, जबकि बीमा लोगों के लिए बहुत ही जरूरी विषय है। ऐसे में दरों को कम करने के साथ ही ग्राहकों को इसका फायदा देने के लिए एक प्रणाली भी तैयार की जा सकती है, जिससे बीमा कंपनियां फायदा न ले सकें।

एक राज्य के वित्त मंत्री ने बताया, अधिकारी उन विकल्पों की तलाश कर रहे हैं जो पॉलिसीधारकों की मदद कर सकते हैं, लेकिन बीमा कंपनियों के मुनाफा काटने की चिंता भी बनी है। एक दूसरे वित्त मंत्री ने कहा, कंपनियां बढ़े हुए दावों का हवाला देते हुए कोरोना के बाद से प्रीमियम बढ़ा रही हैं। हालांकि, कोरोना संबंधित दावों में कमी आई है, लेकिन बीमा कंपनियों ने पॉलिसीधारकों को कोई राहत नहीं दी है।

राज्यों के मंत्री सुझाएंगे फॉमूर्ला...राज्यों के मंत्री एक ऐसा फॉमूर्ला सुझाने का प्रयास करेंगे, जिससे ग्राहकों पर बोझ कम हो। यह भी सुनिश्चित हो कि जीएसटी दर घटने का लाभ कंपनियों की जेब में न जाए। पहले सरकार के पास मुनाफाखोरी विरोधी कानून थे जो यह सुनिश्चित करते थे कि जीएसटी दरें कम होने पर ग्राहकों को इसका लाभ मिले। हालांकि, जीएसटी दर में कम बदलाव होने के कारण सरकार ने इन कानूनों को निष्क्रिय कर दिया है। इससे अधिकारियों के पास यह अधिकार नहीं है कि वे दरों के घटने पर कंपनियों को कम प्रीमियम लेने का दबाव बना सकें।

ज्यादा प्रीमियम वाली पॉलिसी को मिल सकता है फायदा...मंत्रियों के बीच एक राय यह भी है कि सालाना 50,000 और 60,000 रुपये के बीच वाले प्रीमियम की पॉलिसियों के लिए कर राहत प्रदान की जाए। हालांकि, इससे ज्यादातर मध्यमवर्गीय परिवारों को मदद नहीं मिलेगी। चार लोगों के एक परिवार को आमतौर पर 15 लाख के कवर वाली स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के लिए लगभग 50,000 का प्रीमियम देना होता है। गंभीर बीमारी की स्थिति में ये रकम भी अपर्याप्त हो सकती है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए बीमा की लागत इससे भी अधिक है।

कई राज्य राजस्व घाटे को लेकर चिंतित...भले ही स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी कम करने का दबाव है, लेकिन कई राज्य संभावित राजस्व हानि को लेकर चिंतित हैं। केंद्र और राज्य के अधिकारियों वाली जीएसटी फिटमेंट कमेटी किसी समाधान पर सहमत नहीं हो पाई है। अप्रैल 2021 से मार्च 2024 के बीच केंद्र और राज्यों ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम से 21,000 करोड़ का जीएसटी एकत्र किया।

बोइंग ने विभिन्न नए प्रस्ताव पर कर्मचारी संघ के साथ समझौता किया

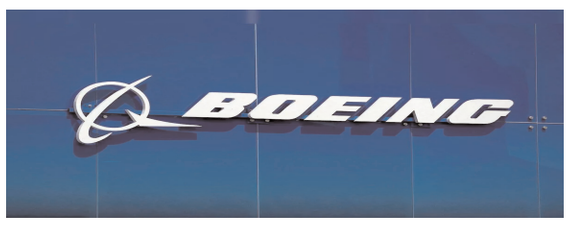

नई दिल्ली।बोइंग कंपनी और उसके सबसे बड़े संघ ने कहा कि उन्होंने संभावित रूप से हड़ताल से बचने एरूस्री ।१ङ्क ३ौ २३१ृ'ी के लिए एक समझौता किया है, जो उसके हवाई जहाज निर्माण को पंगु बना देगा। क्अट 751 संघ और कंपनी ने कहा कि प्रस्ताव में चार वर्षों में 25% वेतन वृद्धि और सिएटल क्षेत्र में बोइंग का अगला विमान बनाने की प्रतिबद्धता शामिल है। यह सफलता मैराथन सौदेबाजी सत्र के बाद मिली, जिसमें 12 सितंबर की मध्यरात्रि को मौजूदा अनुबंध समाप्त होने के बाद हड़ताल के लिए मतदान की संभावना थी।

यह नए बोइंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केली ऑर्टबर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है, जिन्होंने संकेत दिया है कि वे विमान निमार्ता में लंबे समय से विवादास्पद श्रम संबंधों को फिर से स्थापित करना चाहते हैं।लेकिन यह जानना अभी जल्दबाजी होगी कि बोइंग के कारखाने के कर्मचारी इस उपाय का समर्थन करेंगे या उनके नेतृत्व का विरोध करेंगे। प्रबंधन विरोधी भावना बहुत अधिक है, खासकर उन कर्मचारियों के बीच, जिन पर एक दशक पहले पेंशन छोड़ने का दबाव था। "अनुबंध प्रस्ताव में अब तक की सबसे बड़ी सामान्य वेतन वृद्धि, स्वास्थ्य सेवा को और अधिक किफायती बनाने के लिए कम चिकित्सा लागत हिस्सेदारी, आपकी सेवानिवृत्ति के लिए अधिक कंपनी योगदान और बेहतर कार्य-जीवन संतुलन के लिए सुधार शामिल हैं, कमर्शियल एयरप्लेन की अध्यक्ष और सीईओ स्टेफनी पोप ने कर्मचारियों को एक वीडियो संदेश में कहा। बोइंग और इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स के अधिकारी लगभग एक महीने से सिएटल के एक होटल में वेतन, सेवानिवृत्ति लाभ, नौकरी की सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य मुद्दों पर बीच का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं। यह वार्ता कंपनी और वाशिंगटन और ओरेगन में 33,000 मैकेनिक और फैक्ट्री कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय संघ के बीच 16 वर्षों में पहली पूर्ण पैमाने पर वार्ता है।

यदि कर्मचारी कंपनी के प्रस्ताव पर अड़ जाते हैं, तो बोइंग को वॉकआउट का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उसके पुगेट साउंड कारखाने बंद हो सकते हैं, जिससे जेटलाइनर उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास खतरे में पड़ सकते हैं, जो एक लगभग आपदा के बाद हुआ था, जिसने ढीले गुणवत्ता नियंत्रण और विनिर्माण की कमी को उजागर किया था।

इंदौर हवाई अड्डा पर रात्रिकालीन परिचालन फरवरी 2025 तक बंद

इंदौर। इंदौर का देवी अहिल्याबाई होलकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रात्रि परिचालन के लिए बंद रहेगा, क्योंकि फरवरी 2025 से रनवे की मरम्मत की जाएगी, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) रनवे की मरम्मत पर 25.27 करोड़ रुपये खर्च करेगा, क्योंकि रनवे की स्थिति अच्छी नहीं है, एक टेंडर ऑर्डर का हवाला देते हुए समाचार रिपोर्ट के अनुसार। मरम्मत योजनाओं में रनवे की सतह को हटाना और इसे एक नई परत के साथ बदलना शामिल है, जो डामर सड़क बिछाने की प्रक्रिया के समान है। रिपोर्ट के अनुसार इसे री-कार्पेटिंग के रूप में भी जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, हवाई अड्डे से उड़ान संचालन एक साल के लिए देर रात से अगली सुबह तक बंद रहेगा। समाचार पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एयरलाइंस और यात्रियों को थोड़े समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ेगा। रनवे का अंतिम रीसर्फेसिंग कार्य 2017 में किया गया था, लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार उड़ान संचालन के कारण बिगड़ती स्थिति के कारण, काम को फिर से करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, छोटे-मोटे मरम्मत कार्य पूरे साल किए जाते हैं, लेकिन पूरी तरह से मरम्मत कार्य पूरा होने में लगभग एक साल लगेगा।

वर्तमान रनवे 2,750 मीटर या 2.75 किलोमीटर लंबा है, और मरम्मत कार्य के दौरान, रनवे की पूरी सतह को चार से पांच इंच की मोटाई वाली नई ऊपरी परत से बदला जाएगा, जिसके बाद संकेत और लाइटिंग लगाई जाएगी, जैसा कि समाचार रिपोर्ट में बताया गया है। मरम्मत कार्य आधी रात से सुबह 6 बजे तक किया जाएगा क्योंकि यह पूरी तरह से चालू हवाई अड्डा है, इसलिए रात की उड़ान संचालन (देर रात और सुबह की उड़ानें) उस दौरान निलंबित रहेंगी, और मौजूदा उड़ान को पुनर्निर्धारित करना होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, निविदा प्रस्ताव 1 अक्टूबर के लिए निर्धारित है, और काम फरवरी 2025 से शुरू होने वाला है। रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन ऑपरेटर इंडिगो के प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि कंपनी मरम्मत के घंटों के दौरान बैंगलोर, पुणे और मुंबई और अहमदाबाद के लिए सुबह की उड़ानें संचालित करती है। समाचार रिपोर्ट में कहा गया है कि आगामी सर्दियों में उड़ानों का समय पुनर्निर्धारित करना पड़ सकता है।

टीवीएस की दिलचस्प बाइक पहली बार कैमरे में कैद हुई

नई दिल्ली: टीवीएस मोटर अपनी लोकप्रिय भारतीय स्पोर्ट्स बाइक अपाचे आरआर 310 में एक बड़ा अपडेट पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस मोटरसाइकिल को परीक्षण के दौरान देखा गया है। जासूसी छवि से पता चलता है कि यह जल्द ही बाजार में आ जाएगा। यह बाइक भारतीय बाजार में उपलब्ध कई एडवांस फीचर्स के साथ आ सकती है। हमें इस बाइक के बारे में और बताएं। अपाचे आरआर 310 मोटरसाइकिल टीवीएस और बीएमडब्ल्यू मोटरराड के बीच साझेदारी के तहत पहले प्रोजेक्ट का हिस्सा थी। यह अपने शक्तिशाली उत्पादकता मंच और सुविधाओं की उन्नत सूची के कारण लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया है। पिछले साल टीवीएस अपाचे आरटीआर 310 को अधिक शक्तिशाली इंजन मिला था। हालाँकि, अस्रौ फ्क्र 310 के लिए कभी भी ऐसा कोई अपडेट नहीं किया गया है।

2025 अपाचे आरआर 310 की जासूसी छवियों से पता चलता है कि टीवीएस की आगामी फ्लैगशिप स्पोर्ट्स बाइक में कुछ दिलचस्प विशेषताएं जोड़ी गई हैं, बाइक का समग्र सिल्हूट बहुत अलग नहीं है।

फेयरिंग के वायुगतिकीय तत्व आमतौर पर बड़े और अधिक शक्तिशाली होते हैं। मोटरसाइकिल में उत्कृष्ट स्थिरता है। इससे आपको बेहतर अनुभव मिलेगा. भारतीय बाजार के लिए 310 मोटरसाइकिल में ये पहला बदलाव हैं। इंजन आरटीआर 310 जैसा ही होने की संभावना है जो 35.08 बीएचपी उत्पन्न करेगा। और 28.7 एनएम का टॉर्क। बाइक में स्लिपर क्लच, इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), 2डी क्विक शिफ्टर, हीटेड और कूल्ड सीटें हैं। अपाचे आरआर 310 को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक ड्राइवर सहायता प्रणालियों की एक श्रृंखला के साथ अपग्रेड किया गया है जिसमें स्थिरता नियंत्रण, कॉर्नरिंग एबीएस, क्रूज कंट्रोल, कॉर्नरिंग ट्रैक्शन कंट्रोल, टेल लिफ्ट सुरक्षा और कॉर्नरिंग क्रूज कंट्रोल शामिल हैं।

स्पाइसजेट फंड जुटाने के लिए एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेचने की सम्भावना

नई दिल्ली: सूत्रों के अनुसार, स्पाइसजेट के प्रमोटर और चेयरमैन अजय सिंह नवीनतम फंडिंग राउंड के तहत संघर्षरत एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेच सकते हैं, जो सितंबर के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।बजट एयरलाइन -- जो वित्तीय चुनौतियों, कानूनी लड़ाइयों और विमानों के खड़े होने सहित कई परेशानियों से जूझ रही है -- धन जुटाने की कोशिश कर रही है, जिससे उसे विभिन्न दायित्वों को पूरा करने में मदद मिलेगी।एक सूत्र ने कहा कि यदि कुछ स्थितियां अनुकूल होती हैं तो सिंह एयरलाइन में 15 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच सकते हैं।दूसरे सूत्र ने कहा कि चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सिंह एयरलाइन में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे और यह राशि बढ़ भी सकती है।प्रस्तावित क्यूआईपी (योग्य संस्थागत प्लेसमेंट) के लिए, पहले से ही 2,000 करोड़ रुपये तक की प्रतिबद्धता है और एयरलाइन संभावित निवेशकों के साथ चर्चा कर रही है। मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा कि भारत और विदेशों में निवेशकों के साथ बैठकें हो चुकी हैं।स्पाइसजेट की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई। सितंबर के अंत तक फंडिंग राउंड पूरा होने की उम्मीद है। बीएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 के अंत में प्रमोटर समूह के पास एयरलाइन में 47 प्रतिशत से थोड़ी अधिक हिस्सेदारी थी। स्पाइसजेट, जिसके पास 2019 में 74 विमानों का बेड़ा था, वर्तमान में लगभग 20 विमानों का संचालन कर रही है। शुक्रवार को एयरलाइन ने कहा कि वह क्यूआईपी, वारंट और प्रमोटर द्वारा पूंजी निवेश के माध्यम से 3,200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, एयरलाइन ने शुक्रवार को एक प्रेजेंटेशन में कहा। इस फंड का उपयोग परिचालन में बंद पड़े बेड़े को वापस लेने, देनदारी निपटान, नए बेड़े को शामिल करने और अन्य सामान्य उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एयरलाइन ने निवेशकों को दिए प्रेजेंटेशन में कहा, "स्पाइसजेट क्यूआईपी के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपये और पिछले वारंट और प्रमोटर निवेश के माध्यम से 736 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। जनवरी में, स्पाइसजेट तरजीही मुद्दों के माध्यम से केवल 1,060 करोड़ रुपये जुटा सकी, जबकि दिसंबर 2023 में इसकी 2,250 करोड़ रुपये की वित्तपोषण योजना घोषित की गई थी।

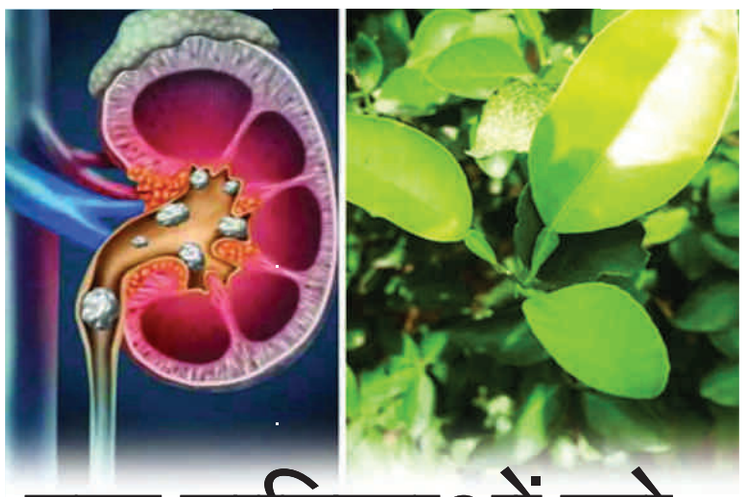

रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में मदद करते हैं नींबू के पत्ते

नींबू के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू के पौधे में पाया जाने वाला विटामिन पी आपके शरीर में रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है। साथ ही नींबू के पत्तों को एंटी-इंफ्लेमेंटरी प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

नींबू के फायदे तो आपने बहुत सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं इसकी पत्तियां भी किसी औषधी से कम नहीं होती है। नींबू के पत्ते का उपयोग आप कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए और इसे कंट्रोल करने के लिए कर सकते हैं। पर कई लोगों को ऐसा लगता है कि नींबू के पत्ते कड़वा होता है और किसी काम का नहीं होता। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि इन पत्तों को खाने या इनके जूस ही इन्हें केवल सूंघ लेने से भी कई तरह के फायदे होत हैं।

नींबू के पत्तों का सेवन कैसे करें?

नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे चबाकर खाने से बचना चाहिए। इसका सेवन आप चाय में मिलाकर, जूस के रूप में कर सकते हैं।

नींबू के पत्तों म एंटीवायरल, एंटी ऑक्सीडेंट, एल्कलॉइड, टैनिन, फ्लेवोनोइड और फेनोलिक तत्व शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इसके अलाव इसमें एंथेल्मिंटिक, एंटी-फ्लैटुलेंस, एंटीमाइक्रोबियल, एंटी-कैंसर, एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव भी पाया जाता है।

किडनी में नहीं बनने देता स्टोन

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नींबू के पत्ते में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड किडनी में स्टोन को बनने और बढ़ने से रोकता है। ऐसे यदि आपको बार-बार किडनी में स्टोन हो जाता है तो यह आपके लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है।

माइग्रेन के दर्द से मिलेगी राहत

एक अध्ययन के अनुसार, नींबू के पत्ते माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, नींबू की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके माइग्रेन की समस्या को सुधारने का काम करता है। एक्सपर्ट माइग्रेन और मानसिक रोगों से राहत पाने के लिए नींबू के पत्तों को सूंघने की सलाह देते हैं।

सोने की समस्या को करता है खत्म

रिसर्च के अनुसार, यदि आपको रात में नींद नहीं आती है, अनिद्रा की समस्या का शिकार हैं, तो नींबू के पत्ते आपके लिए दवा का काम कर सकते हैं। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड और अल्कलॉइड नींद से जुड़ी समस्या को दूर करने का काम करता है। ऐसे में नींबू के पत्तियों से बनाए गए तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

वजन रहता है कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो नींबू के पत्ते आपकी इस परेशानी को खत्म कर सकता हैं। माना जाता है कि नींबू के पत्ते से बने जूस में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो वजन घटाने में कारगर साबित हो सकता है। नींबू के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी को पीएं।

पेट के कीड़ों को मारता है

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, नींबू की पत्तियों में एंथेल्मिंटिक गुण होता है तो पेट के कीड़ों से छुटकारा दिलाने का काम करता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का उपयोग पेट के कीड़ों को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। आप नींबू के पत्तों का रस और शहद को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

मोटापा ना सिर्फ वॉडी शेप बिगाड़ता है बल्कि कई बीमारियां को भी न्योता देता है। मोटापे को कम करने और बॉडी को टोंड बनाने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ में शरीर में लचीलापन और एनर्जी बढ़ती है। अगर आप जिम नहीं भी जा पाती तो घर पर ही कुछ एक्सरसाइज करें। चलिए आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं जिन्हें आप घर पर आसानी से कर भी सकते हैं और इससे कैलोरी भी बर्न तेजी से बर्न होगी। वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज -

बर्पी एक्सरसाइज

बर्पी एक्सरासइज वजन कम करने के लिए बहुत असरदार है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, इस एक्सरसाइज के जरिए 81 किलो का इंसान एक बार में लगभग 15 कैलोरी बर्न कर सकता है। वहीं, 60 सेकेंड में 10 बार बर्पी करने से वजन तेजी से कम होगा लेकिन एक्सरसाइज को लगातार रुटीन में किया जाए तो।

स्विमिंग एक्सरसाइज

घुटने की किसी चोट की वजह से अगर आप एक्सरसाइज नही कर पा रहे तो स्विमिंग करना आपके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है। इससे एक बार में 255 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इसके साथ बटरफ्लाई स्ट्रोक कर के 1/2 घंटे में 400 कैलोरी बर्न हो सकती है। दरअसल स्विमिंग करते समय पूरा शरीर काम करता है जिससे मोटापा तेजी से कम होता है। इसे सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज माना जाता है।

स्क्वेट एक्सरसाइज

स्क्वाट की मदद से भी आप मोटापे को कम कर सकते हैं। सही तरीके से स्क्वेट करना काफी फायदेमंद होता है। शरीर के निचले भाग से वजन कम करने के लिए यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। यह बॉडीबिल्डर और एथलीट के बीच काफी पॉपुलर है।

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे आप कम समय में ज्यादा वजन कम कर सकते हैं। इससे शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता बढ़ जाती है। कई घंटों जिम में पसीना बहाने से अच्छा यह एक्सरसाइज 20 मिनट के लिए करना ज्यादा फायदेमंद है।

जुंबा डांस एक्सरसाइज

अगर आप ज्यादा भार वाली एक्सरसाइज नही करना चाहते तो जुंबा डांस सबसे बेहतर है। यह आपकी पूरी बॉडी पर वर्क करती है। एंजॉय करने के साथ इससे आप वजन भी कम कर सकते हैं। यह तनाव कम करता है और शरीर में एनर्जी बढ़ाता है। हाई इंटेसिटी मूवमेंट की वजह से वजन जल्दी कम होता है।

पावर योगा

पावर योगा काफी असरदार है। यह ट्रेडिशनल योगा के मुकाबले जल्दी वजन कम करने में मदद करता है। इसमें ज्यादा मुश्किल योगासन होते हैं जो जल्दी-जल्दी किए जाते हैं इसलिए यह बेस्ट है।

साइकिलिंग

साइकिलिंग भी वजन कम करने का आसान और अच्छा ऑप्शन है। इससे आप काफी कैलीरी बर्न कर सकते हैं। रोजाना सुबह कम से कम लगातार आधा घंटा साइकिलिंग जरूर करें, आप पहले पहल 15 मिनट से शुरुआत कर सकते हैं।

नींद की कमी से होता है थायराइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। इसे पढ़ने के बाद आपको अंदाजा होगा कि कितना कुछ था जो आप अपने बारे में नहीं जानती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

ब्रेस्ट साइज में बदलाव

माहवारी के दौरान शरीर के हॉर्मोन लेवल में उतार-चढ़ाव आते हैं, जिसका असर ब्रेस्ट साइज पर भी पड़ता है। साथ ही गर्भधारण व मेनोपॉज के दौरान भी ब्रेस्ट और निपल्स के साइज का बदलना स्वाभाविक है।

व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता हैं कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोंस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह वुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

क्या है के पॉप डाइट

फिट और स्लिम रहने की चाह हर व्यक्ति की होती है, लेकिन आजकल का बिजी लाइफस्टाइल, खान-पान से जुड़ी बुरी आदतें और वर्कआउट की कमी के चलते यह सपना बहुत कम ही लोगों का पूरा हो पाता है। ऐसे में कई बार लोग अपने बढ़े हुए वजन से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना ही बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से शरीर कमजोर होकर कई रोगों का घर बनने लग जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो कोरियन वेट लॉस डाइट आपकी मदद कर सकती है। दुनिया भर में लोग कोरियाई ब्यूटी टिप्स और उनके डाइट प्लान के दिवाने हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या होती है यह कोरियन 'के पॉप डाइट' और क्या हैं इसके फायदे।

क्या है के-पॉप डाइट?

कोरियन डाइट या के-पॉप डाइट आजकल लोगों के बीच काफी चर्चा में बनी हुई है। इस डाइट की मदद से व्यक्ति बड़ी आसानी से अपना वजन कम कर सकता है। दरअसल, कोरियन डाइट में मील्स के बीच में स्नैक्स नहीं लिए जाते। इस डाइट में फैटी एसिड, शुगर या प्रोसेस्ड फूड को भी शामिल नहीं किया जाता है। के-पॉप डाइट में खाने को कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि उसके गुण सुरक्षित रहें। इसमें ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है और शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ ही स्किन अच्छी होती है।

कोरिया की के-पॉप डाइट में क्या होता है

कोरियन डाइट में ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है लेकिन शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। डाइट फॉलो करनेवाले लोगों को आहार में कम कैलोरी वाले फूड्स जैसे-फल, सब्जियां, सूप और सलाद शामिल करना चाहिए, जो पौष्टिक होने के साथ पेट भरते हों। इसके अलावा डाइट में लीन मीट (चिकन), अंडे, टोफू, मशरूम और शिताके भी शामिल कर सकते हैं।

कोरियन डाइट प्लान के नियम

कोरियन वेट लॉस डाइट प्लान में तय सीमा में कैलोरी लेने की सलाह नहीं दी जाती है। इस डाइट में व्यक्ति अपनी मर्जी से कैलोरी ले सकता है। इस डाइट प्लान में व्यंजनों, सूप और सब्जियों के ज्यादा से ज्यादा सेवन की सलाह दी जाती है।

इस डाइट प्लान के साथ ज्यादा से ज्यादा योग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।

इस डाइट को फॉलो करने वाले लोग दिन में 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद भी जरूर लें।

के-पॉप डाइट के फायदे

कोरियन डाइट में फाइबर की अधिकता होने से पेट भरा हुआ लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। कैलोरीज का सेवन कम करने की वजह से वजन कम करने में मदद मिलती है।

हल्का खाने से आपको कब्ज या पेट दर्द जैसी समस्या नहीं होती। इसमें हल्का खाना होता है जिससे पेट को आराम मिलता है।

इस डाइट में प्रोटीन ज्यादा लिया जाता है। जो बालों की ग्रोथ के लिए अच्छा माना जाता है। कोरियन डाइट लेने से आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जिससे बाल लंबे और घने बनते हैं।

इस डाइट में आप तली हुई चीजें, फास्ट फूड या तेल का इस्तेमाल नहीं करते जिसके चलते चेहरे पर मुंहासों की समस्या से निजात मिलता है।

लाल मिर्ची के इस्तेमाल से

हार्ट अटैक पर पाया जा सकता है काबू

आजकल के ज्यादातर लोगों में सबसे गंभीर बीमारी हार्ट अटैक सामने आ रही है। अगर देखा जाए तो इस बीमारी की कोई उम्र सीमा नहीं हैं। यह बीमारी हमारे जीवनशैली यानी हमारे लाइफस्टाइल की वजह से होती हैं।

तनाव इस बिमारी की मुख्य वजह हैं। इस बीमारी का शिकार लोगों का ईलाज में लाखों रुपए लग जाते है। वहीं इस बीमारी का ईलाज आप 60 सेकंड में घर में भी कर सकते है वो भी मिर्च से। जी हां, मिर्च ऐसी चीज है अगर खाने में ना हो खाना ही बेस्वाद लगता है। और अगर यह खाने में ज्यादा हो जाए तो भी खाने वाले का बुरा हाल। अब बताते है कि लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर केवल 60 सेकंड में काबू पाया जा सकता हैं। दरअसल एक मशहूर डॉक्टर जॉन क्रिस्टोफर का कहना हैं की, मैंने आज तक जितने भी हार्ट अटैक मरीजो के घर गया हूं उनमे से कोई भी मरा नहीं हैं। मैं उन्हें लाल मिर्च की चाय पिलाता हूं (एक कप गर्म पानी में एक चम्मच लाल मिर्च) और वह मिंटो में अपने पैरो पर खडे हो जाते हैं।

पहली बार कई उपलब्धियों की बदौलत भारत पेरिस पैरालम्पिक शक्ति के रूप में उभरा

पेरिस, एजेंसी। दिव्यांग लेकिन असाधारण रूप से दृढ़ भारत के पैरा एथलीट को अपने पैरालंपिक अभियान पर गर्व महसूस होगा क्योंकि अधिकांश स्थापित नाम उम्मीदों पर खरे उतरे और कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने ही रिकॉर्ड तोड़ 29 पदक जीतकर बड़े मंच पर अपनी जगह बनाई।

भारत ने कुल 29 पदक जीते जिसमें से सात स्वर्ण हैं जो देश के लिए पहली बार हुआ है। भारत ने 2016 के चरण में ही अपनी उपस्थिति दर्ज करानी शुरू की थी जिसमें देश के पैरा एथलीट चार पदक जीत सके थे। इसके बाद उनका प्रदर्शन शानदार होता चला गया जिससे तोक्यो में पैरा खिलाड़ियों ने 19 पदक जीते।

पांच खेलों में कुल 29 पदकों से केवल ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धा में ही 17 पदक मिले जिसने सुनिश्चित किया कि देश इन खेलों में शीर्ष 20 में शामिल रहा। पैरालंपिक में एक बार फिर चीन का दबदबा रहा जिसने 200 से ज्यादा पदक जीते।

भारत अब भी ओलंपिक स्तर पर एक ताकत बनने से बहुत दूर है लेकिन देश निश्चित रूप से दिव्यांगों की प्रतियोगिता में एक ताकत के रूप में उभरा है।

ट्रैक और जूडो में अप्रत्याशित पदक :

भारत के 84 सदस्यीय दल ने

पैरालंपिक इतिहास में ट्रैक स्पधाओं सहित कई पहले स्थान सुनिश्चित किए जिसमें धावक प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 और 200 मीटर टी35 श्रेणी में कांस्य पदक जीता।

टी35 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए है जिनमें हाइपरटोनिया, अटैक्सिया और एथेटोसिस जैसे विकार होते हैं।

प्रीति के पैर जन्म से कमजोर थे और बड़े होने पर उनकी स्थिति और खराब होती गई।

वहीं पहली बार जूडो में पदक मिला। कपिल परमार ने पुरुषों जूडो के 60 किग्रा जे1 वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित करते हुए इस खेल में पहला पदक जीता।

कपिल (24 वर्ष) बचपन में अपने गांव के खेतों में खेलते समय बिजली के झटके से घायल हो गए थे लेकिन उन्होंने इस दुर्घटना से खुद को उबारा। उन्हें जरूरतों को पूरा करने के लिए चाय बेचने के लिए भी मजबूर होना पड़ा लेकिन उन्होंने हालात को बदल दिया।

तीरंदाजी और क्लब थ्रो ने भारत को पदक तालिका में आगे बढ़ाया :

हरविंदर सिंह और धरमबीर जैसे खिलाड़ियों ने क्रमशः तीरंदाजी और क्लब थ्रो में अभूतपूर्व स्वर्ण पदक हासिल करके भारत को पदक तालिका में काफी ऊपर पहुंचाया।

बिना हाथों के जन्म लेने वाली तीरंदाज शीतल देवी पहले से ही लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण थीं। मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीतने के बाद इस 17 वर्षीय खिलाड़ी ने कभी हार नहीं मानने का का जज्बा दिखाया।

उन्होंने अपने हाथों की बजाय पैरों का इस्तेमाल करके निशाना साधा जिससे वह पेरिस में दर्शकों की पसंदीदा बन गई।

पर उनके एकल स्पर्धा में 1/8 एलिमिनेशन से बाहर होने के बाद दर्शकों को बहुत निराशा हुई।

कुछ दिन बाद हरविंदर ने दबाव में संयम बरतते हुए तीरंदाजी में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता और साथ ही तोक्यो चरण के अपने कांस्य पदक का रंग भी बदला।

वहीं क्लब थ्रो स्पर्धा में पहला और दूसरा स्थान हासिल करना भारत के लिए दुर्लभ उपलब्धि रही जिसमें धर्मबीर और प्रणव सोरमा एफ51 वर्ग में पोडियम पर पहुंचे।

धर्मबीर एक दुर्घटना में कमर से नीचे लकवाग्रस्त हो गए थे लेकिन सोनीपत निवासी को साथी पैरा एथलीट अमित कुमार सरोहा से बहुत समर्थन मिला जिन्होंने उनका मार्गदर्शन किया।

सुमित अंतिल और अवनि लेखरा ने खिताब बरकरार रखा :

जहां कई स्पधाओं में पहली बार पदक आये तो वहीं भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और निशानेबाज अवनि लेखरा सहित कुछ खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें थीं जिन्होंने तोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था।

सुमित का बायां पैर एक दुर्घटना के बाद काटना पड़ा था। उन्होंने लगातार दूसरी बार भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर अपना ही पैरालंपिक रिकॉर्ड तोड़ दिया जबकि व्हीलचेयर पर रहने वाली राइफल निशानेबाज लेखरा ने एयर राइफल एसएच1 फाइनल में दबदबा बनाया।

बैडमिंटन कोर्ट से भी कुमार नितेश ने एक स्वर्ण पदक जीता जिन्होंने एक रोमांचक फाइनल में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराया।

नितेश ने भी एक ट्रेन दुर्घटना के बाद अपना पैर खो दिया था। उन्होंने आईआईटी-मंडी से स्नातक की पढ़ाई के दौरान बैडमिंटन खेलना शुरू किया था।

भारत अगर पैरा तैराकों का एक पूल बना ले तो शीर्ष 10 में जगह बनाने की उम्मीद रख सकता है क्योंकि पेरिस में केवल एक तैराक ने देश का प्रतिनिधित्व किया।

वहीं शीर्ष पर रहे चीन ने तैराकी में 20 स्वर्ण सहित 54 पदक जीते।

एक नजर

सिमरन ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 फाइनल में कांस्य पदक जीता

पेरिस, एजेंसी। दृढ़ संकल्प के साथ सभी बाधाओं का सामना करते हुए भारत की सिमरन ने शनिवार को यहां पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 200 मीटर टी12 फाइनल में कांस्य पदक जीता।

मौजूदा विश्व चैंपियन सिमरन 24.75 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ पोडियम पर तीसरे स्थान पर रही। पैरालंपिक में टी12 वर्गीकरण दृष्टिबाधित एथलीटों के लिए है। चौबीस वर्षीय सिमरन का जन्म समय से पहले हुआ था। उसने 10 सप्ताह इनक्यूबेटर में बिताए जहां पता चला कि वह दृष्टिबाधित है।

इस साल जापान के कोबे में विश्व चैंपियन बनने वाली भारतीय को अपने पूरे जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें उनके पिता की पुरानी बीमारी और अंततः निधन भी शामिल था। वह इससे पहले 100 मीटर स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही थीं।

रणधीर सिंह ओसीए अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बन गये। उन्हें रविवार को यहां इस महाद्वीपीय संस्था की 44वीं आम सभा के दौरान यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।

पांच बार के ओलंपिक निशानेबाज रणधीर ओसीए अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र योग्य उम्मीदवार थे। उनका कार्यकाल 2024 से 2028 तक रहेगा। उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया। यह 77 वर्षीय कुशल प्रशासक 2021 से ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष थे। उन्होंने कुवैत के शेख अहमद अल-फहद अल-सबा की जगह ली है, जिन पर नैतिकता के उल्लंघन के कारण इस साल मई में खेल प्रशासन से 15 साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था।

भारतीय और एशियाई खेल संस्थाओं में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर रहे रणधीर को खेल मंत्री मनसुख मांडविया और एशिया के सभी 45 देशों के शीर्ष खेल प्रशासकों की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर ओसीए अध्यक्ष चुना गया। रणधीर पंजाब के पटियाला के रहने वाले हैं और उनका परिवार शुरू से खेलों से जुड़ा रहा है।

उनके चाचा महाराजा यादवेंद्र सिंह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलते थे और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य थे। उनके पिता भलिंदर सिंह भी प्रथम श्रेणी क्रिकेटर थे। वह 1947 और 1992 के बीच आईओसी सदस्य रहे थे। रणधीर भी 2001 से 2014 तक आईओसी के सदस्य रहे थे। इसके बाद वह मानद सदस्य के रूप में आईओसी से जुड़े रहे।

कनाडा ने अमेरिका को 1957 के बाद पहली बार उसकी धरती पर हराया

कन्सास सिटी (अमेरिका), एजेंसी। कनाडा ने अमेरिका की रक्षा पंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर यहां मैत्री फुटबॉल मैच में 2-1 से जीत दर्ज की। कनाडा की यह 1957 के बाद अमेरिका के खिलाफ उसकी धरती पर पहली जीत है। उसने पिछले 99 वर्ष और 27 मैच में अमेरिका के खिलाफ उसकी धरती पर केवल दूसरी जीत हासिल की। कनाडा की तरफ से जैकब शेफेलबर्ग और जोनाथन डेविड ने पहले हाफ में गोल किए। अमेरिका की तरफ से एकमात्र गोल लुका डे ला टोरे ने 66वें मिनट में एडन मॉरिस के पास पर किया जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में उनका पहला गोल भी है। इससे पहले कनाडा ने छह जुलाई 1957 को विश्व कप क्वालीफायर के सेंट लुई में खेले गए मैच में अमेरिका को 3-2 से हराया था। कनाडा की टीम इससे पहले अमेरिका को पिछले 23 मैच में नहीं हरा पाई थी।

मोहन बागान ने गोलकीपर विशाल कैथ का अनुबंध 2029 तक बढ़ाया

कोलकाता, एजेंसी। मोहन बागान ने रविवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र से पहले अपने गोलकीपर विशाल कैथ का अनुबंध 2029 तक बढ़ाने की घोषणा की। कैथ (28 वर्ष) 2022 में चेन्नईयिन एफसी से बागान की टीम में शामिल हुए थे और आईएसएल में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए ह्यगोल्डन ग्लवह्व विजेता बने। कैथ ने मोहन बागान को पिछले सत्र में लीग विनर्स शील्ड जीतने और एएफसी चैंपियंस लीग टू के लिए क्वालीफाई करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे पहले एएफसी कप के रूप में जाना जाता था। कैथ को हाल ही में संपन्न डूरंड कप में गोल्डन ग्लव से भी सम्मानित किया गया था, जहां उन्होंने मोहन बागान की फाइनल तक की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हिमाचल प्रदेश के रोहरू के इस खिलाड़ी ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, मैं जीवन भर मोहन बागान के लिए खेलना चाहता हूं। मुझे अन्य टीमों से आकर्षक प्रस्ताव मिले लेकिन प्रशंसकों के प्यार और स्नेह के कारण मेरे लिए इस क्लब को छोड़ने का विचार करना असंभव हो गया। इसलिए मैंने क्लब के साथ दीर्घकालिक अनुबंध किया है। मोहन बागान एसजी को एएफसी चैंपियंस लीग टू में ग्रुप ए में ताजिकिस्तान के रावशन कुलोब और एशियाई की मजबूत टीमों में शामिल कतर के अल-वकरा एससी और ईरान के ट्रैक्टर एफसी के क्लबों के साथ रखा गया है। टीम दो अक्टूबर को ट्रैक्टर के खिलाफ मुकाबले के लिए यात्रा करने से पहले 18 सितंबर को घरेलू मैदान पर रावशन के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

जादरान का चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में खेलना संदिग्ध

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान का रविवार को यहां चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले अफगानिस्तान के टेस्ट मैच से पहले टीम के अंतिम अभ्यास सत्र के दौरान 22 वर्षीय सलामी बल्लेबाज के टखने में चोट लग गई। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में बताया, अभ्यास सत्र में इब्राहिम (जादरान) के टखने में चोट लग गई थी। मैं अभी पूरी तरह से यह नहीं कर सकता हूं कि कल मैच से पहले उनकी क्या स्थिति होगी। हमें इस मामले में इंतजार करना होगा। जादरान ने अफगानिस्तान के नौ में से सात टेस्ट खेले हैं। उन्होंने इस प्रारूप में अपना पहला शतक इस साल फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ लगाया था। अफगानिस्तान को इस टेस्ट में पहले से ही स्पिनर राशिद खान की सेवाएं नहीं मिल रही है।

प्राची यादव कैनो स्प्रिंट में आठवें स्थान पर रही

पेरिस, एजेंसी। भारत की प्राची यादव शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की वीएल2 200 मीटर कैनो स्पर्धा के फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं। उन्होंने फाइनल में एक मिनट 08.55 सेकंड का समय लिया। ग्रेट ब्रिटेन की एम्मा विग्स (58.88) ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनाडा की ब्रायना हेनेसी (1:00.12) और ऑस्ट्रेलिया की सुसान सीपेल (1:01.39) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। इससे पहले प्राची ने सेमीफाइनल में तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। प्राची (29 वर्ष) ने दूसरे सेमीफाइनल 2 में 1:05.66 का समय निकाला। इससे वह दूसरे स्थान पर रहने वाली उज्बेकिस्तान की इरोडाखोन रुस्तमोवा (1:04.39) और ब्रिटेन की जीनेट चिपिंगटन (1:02.65) से पीछे रहीं। शुक्रवार को उन्होंने हीट में चौथा स्थान हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। शीर्ष स्थान पर रहने वाली कैनो स्प्रिंटर सीधे फाइनल में प्रवेश करती है। प्राची तोक्यो पैरालंपिक में महिलाओं की वीएल2 स्पर्धा के फाइनल में आठवें स्थान पर रही थीं। भारत के एकमात्र पुरुष कैनो स्प्रिंटर यश कुमार का अभियान पुरुषों की केएल1 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में पांचवें (1:02.03) स्थान पर रहने के बाद समाप्त हो गया। सेमीफाइनल में शीर्ष तीन ही फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। शुक्रवार को वह हीट में छठे स्थान पर रहे थे। भारत की एक अन्य कैनो स्प्रिंटर पूजा ओझा रविवार को महिलाओं की केएल1 200 मीटर सेमीफाइनल में भाग लेंगी। वीएल2 वर्ग में वो एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनके पैर और धड़ वाले हिस्से में विकार हो जिससे वे कयाक में सीधे बैठ सकते हैं लेकिन उन्हें ऊंची पीठ वाली सीट की जरूरत हो सकती है।

मोईन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर मोईन अली ने रविवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। इंग्लैंड के लिए दो वर्ल्ड कप जीतने वाले इस खिलाड़ी ने 10 साल के करियर को अलविदा कह दिया है। मोईन अली ने ये फैसला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में न चुने जाने के बाद लिया। मोईन ने अंग्रेजी अखबार डेली मेल को दिए इंटरव्यू में अपने दिल की बात जाहिर की। मोईन अली ने कहा, "मैं 37 साल का हो गया है। मुझे इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेली। ये अब अगली पीढ़ी का समय है।"

टेस्ट संन्यास से की थी वापसी

मोईन ने साल 2021 के अंत में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। लेकिन साल 2023 में टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के कहने पर एशेज सीरीज से पहले उन्होंने अपना फैसला बदला था। एशेज के बाद मोईन ने दोबारा टेस्ट से संन्यास का एलान कर दिया था। हालांकि, तब मोईन अली ने टेस्ट को ही अलविदा कहा था लेकिन अब वह तीनों फॉर्मेट से विदाई ले चुके हैं। मोईन अली ने साल 2014 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने देश के लिए इस खिलाड़ी ने 68 टेस्ट, 138 वनडे और 92 टी20 मैच खेले। तीनों फॉर्मेट में उनके बल्ले से कुल 6678 रन, आठ शतक, 28 फिफ्टी निकले। वहीं तीनों फॉर्मेट में उन्होंने कुल 366 विकेट भी लिए। इंग्लैंड के लिए उन्होंने अपना आखिरी मैच इसी साल गयना में टी20 वर्ल्ड कप-2024 के सेमीफाइनल के रूप में भारत के खिलाफ खेला था।

खेलते रहेंगे फ्रेंचाइजी क्रिकेट

मोईन ने कहा है कि वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा, "मैं फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलता रहूंगा, क्योंकि मुझे अभी भी क्रिकेट खेलना पसंद है। लेकिन कोचिंग ऐसी चीज है जो मैं करना चाहूंगा। मैं बेस्ट कोच बनना चाहता हूं। मैंने ब्रेंडन मैक्कलम से काफी कुछ सीखा है। मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे एक आजाद परिंदे के तौर पर याद रखेंगे। मोईन अली कैरिबियन प्रीमियर लीग में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। उन्हें सीपीएल की मौजूदा विजेता गयाना अमेजन वॉरियर्स ने अपने साथ जोड़ा है। आईपीएल में वह चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का हिस्सा रह चुके हैं।

इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज रावलपिंडी और मुल्तान में होगी : नकवी

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा है कि इंग्लैंड के साथ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला रावलपिंडी और मुल्तान में खेली जाएगी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में चल रहे काम का जायजा लेने के बाद नकवी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुल्तान और रावलपिंडी तीनों टेस्ट मैचों की मेजबानी करेंगे। नकवी ने कहा, "ईसीबी ने मुल्तान और रावलपिंडी में टेस्ट खेलने के प्रति अपनी रजामंदी जाहिर कर दी है।"

उनके प्रवक्ता मोहम्मद रफीउल्लाह ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से पुष्टि करते हुए कहा, "इस बारे में कोई संदेह ही नहीं होना चाहिए। श्रृंखला अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। हम लगातार ईसीबी के संपर्क में बने

हुए हैं और वे वेन्यू को लेकर भी संतुष्ट हैं।"

इस समय पाकिस्तान के विभिन्न स्टेडियम में निर्माण कार्य चल रहा है और इसी वजह से इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला की मेजबानी पेचीदा बन गई है। नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण के कार्य को देखते हुए कराची में दूसरे टेस्ट का आयोजन लगभग असंभव है। 15 और 16 अक्तूबर को इस्लामाबाद में शंघाई कॉरपोरेशन (एससीओ) की बैठक होनी है, ऐसे में इससे लगे हुए शहर रावलपिंडी में सुरक्षा कारणों को देखते हुए दूसरे टेस्ट मैच का आयोजन होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

इसके परिणामस्वरूप पीसीबी ने एक टेस्ट मैचों को पाकिस्तान से बाहर आयोजित किए जाने का विचार किया था और उनकी प्राथमिकता में वेन्यू के तौर पर अबू धाबी था। पाकिस्तान ने 2018 में अंतिम बार वहां खेला था। अबू धाबी के अलावा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दो अन्य वेन्यू शारजाह और दुबई महिला ळ20 विश्व कप के चलते उपलब्ध नहीं होंगे।

हालांकि नकवी के ताजा बयान से यह संभावना तो खारिज हो जाती है कि पाकिस्तान से बाहर किसी टेस्ट मैच का आयोजन किया जाएगा लेकिन पीसीबी की ओर से इस संबंध में अब तक कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हालांकि बोर्ड पर जल्द ही वेन्यू घोषित किए जाने का दबाव भी है क्योंकि इस श्रृंखला के लिए इंग्लैंड के काफी प्रशंसक भी पाकिस्तान आएंगे और जब तक श्रृंखला के लिए वेन्यू को अंतिम रूप नहीं दिया जाता तब तक कोई व्यवस्था नहीं की जा सकती।

वहीं इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मक्कलम भी यह कह चुके हैं कि उनकी टीम को पहले से स्थानों के बारे में पता होना चाहिए ताकि वह उस अनुसार अपनी टीम चुन सकें। इंग्लैंड की टीम को 2 अक्तूबर को पाकिस्तान पहुंचना है जबकि 7 अक्तूबर से श्रृंखला का आगाज होना है।

योगासन एशियाई खेल 2026 में प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्राचीन खेल योगासन को जापान के आइची-नागोया में 2026 में होने वाले एशियाई खेलों में प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया गया है।

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने रविवार को यहां अपनी 44वीं आमसभा में एशियाई खेलों के कैलेंडर में योगासन को प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल करने का फैसला किया।

ओसीए की आम सभा के इस सत्र में भारत के रणधीर सिंह को 2024 से 2028 तक चार साल की अवधि के लिए ओसीए अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया।

रणधीर ने कहा, नागोया में योग एक प्रदर्शनी खेल होगा क्योंकि 2026 में होने वाले एशियाई खेलों का कैलेंडर पहले ही तैयार किया जा चुका है और उसे मंजूरी मिल चुकी है।

उन्होंने कहा, दस दिन के समय में हम सभी सदस्यों को समझाने और योग को प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल करने में सफल रहे, जिसे हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है।

रणधीर ने कहा, अन्य सभी खेलों में चोट लगने का खतरा रहता है, लेकिन योग एक ऐसा खेल है जो आपके शरीर को तरोताजा कर देता है।

उन्होंने कहा कि अगर योग को 2030 में होने वाले एशियाई खेलों में पदक कार्यक्रम में शामिल करना है तो जापान में होने वाले खेलों में इसे अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

आर्यना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को हराकर अमेरिकी ओपन का खिताब जीता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। आर्यना सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हरा कर अमेरिकी ओपन टेनिस टूनार्मेंट में महिला एकल का खिताब जीता।

दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका में आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त पेगुला को 7-5, 7-5 से हराकर अमेरिकी ओपन में पहला और कुल मिलाकर तीसरा ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट जीता। सबालेंका पिछले साल यहां फाइनल में हार गई थी जबकि इससे पहले वह दो बार सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी।

बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने पहले सेट के आखिरी दो गेम और मैच के आखिरी चार गेम जीतने के बाद कहा,पिछले साल मैंने यहां कड़ा सबक सीखा था। फाइनल के मुश्किल पलों में मैं मजबूत बने रहने की कोशिश कर रही थी। मैं खुद को यह याद दिलाने की कोशिश कर रही थी कि मैंने बहुत कुछ झेल लिया है और मैं इस दबाव को झेलने के लिए काफी मजबूत हूं।

सबालेंका ने उन चुनौतियों का जिक्र भी किया जिनका सामना उन्हें पिछले कुछ वर्षों में करना पड़ा था। उनके पिता का 2019 में निधन हो गया था जबकि इस साल मार्च में उनके एक पूर्व प्रेमी की मृत्यु हो गई थी। दाहिने कंधे की समस्या के कारण उन्हें इस जुलाई में विंबलडन से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, अपने पिता को खोने के बाद टेनिस के इतिहास में अपने परिवार का नाम दर्ज कराना हमेशा मेरा लक्ष्य रहा।

सबालेंका ने कहा, जब भी मैं ट्रॉफी पर अपना नाम देखती हूं तो मुझे खुद पर बहुत गर्व होता है। मुझे अपने परिवार पर गर्व होता है जिन्होंने मुझे आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया था। सबालेंका पिछले साल फाइनल में कोको गॉफ से हार गई थी। तब उन्हें दर्शकों का समर्थन नहीं मिला था। गॉफ की तरह पेगुला भी अमेरिकी खिलाड़ी है, लेकिन दर्शक इस बार सबालेंका के प्रति कहीं अधिक उदार थे। पेगुला पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट के फाइनल में खेल रही थी। वह शुरूआती बढ़त का फायदा नहीं उठा पाई तथा सबालेंका लगातार पांच गेम जीतकर पहला सेट जीतने के साथ ही दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त बनाई। अमेरिकी खिलाड़ी ने इसके बाद वापसी की अच्छी कोशिश की लेकिन वह सबालेंका को चैंपियन बनने से नहीं रोक पाई। पेगुला ने कहा, उसने महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे खुशी है कि मैंने अच्छी वापसी करके खुद को मौका दिया था लेकिन आखिर में यह पर्याप्त साबित नहीं हुआ।

हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म को लेकर बोले राजकुमार राव, भेड़िया 2 या स्त्री 3

राजकुमार राव इन दिनों अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। वहीं लोग उनसे एक ही सवाल पूछ रहे हैं, स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म कौन-सी होगी? क्योंकि 'स्त्री 2' के खत्म होने के बाद 2 पोस्ट क्रेडिट सीन्स दिखाए गए हैं। एक वरुण धवन से जुड़ा हुआ है और एक अक्षय कुमार से। ऐसे इंटरव्यू के दौरान, राजकुमार से पूछा गया कि स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म 'भेड़िया 2' होगी या फिर 'स्त्री 3'?

राजकुमार राव ने पहले सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता है। लेकिन फिर उन्होंने कहा कि शायद 'भेड़िया 2' पहले आएगी। उन्होंने इसके पीछे का कारण समझाते हुए कहा, 'स्त्री' का दूसरा पार्ट आ चुका है, लेकिन 'भेड़िया' का दूसरा पार्ट अभी तक नहीं आया है। ऐसे में 'स्त्री' के तीसरे पार्ट से पहले वरुण धवन की हॉरर कॉमेडी फिल्म का सीक्वल आ सकता है। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें 'स्त्री 3' के बारे में कोई जानकारी है? तब उन्होंने कहा, 'बनेगी, जरूर बनेगी और कोशिश करेंगे कि 'स्त्री 3', 'स्त्री 1' और 'स्त्री 2' से भी बेहतर बने। फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के पास एक आइडिया है। उन्होंने फिल्म की बेसिक स्टोरी भी तैयार कर ली है।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्त्री 2' ने 18 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस से 480.05 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से 680 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।

दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं

चाहत खन्ना ने बड़े अच्छे लगते हैं, कुबूल है, थैंक-यू और प्रस्थानम जैसे टीवी शो और फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। अपने काम को लेकर चूजी ऐक्ट्रेस दस में एक-दो प्रोजेक्ट को ही हां बोलती हैं क्योंकि अब वह क्वॉलिटी वर्क करना चाहती हैं। वह जितनी तवज्जो काम को देती हैं, उतना ही ध्यान बेटी की पैरंट्स टीजर मीटिंग पर भी देती हैं। यही वजह है कि जिंदगी के व्यस्त शेड्यूल के बावजूद उन्होंने बेटी की एक भी पीटीएम आज तक मिस नहीं की। इन दिनों वह पति, पत्नी और कांड को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने पहले फोन की यादों से लेकर डांसिंग, ऐक्टिंग और राइटिंग के बारे में बातचीत की।

वर्दी पहनकर रोंगटे खड़े हो गए थे

पति, पत्नी और कांड में मैं डीसीपी की भूमिका में हूं। असल जिंदगी में कई पुलिसवालों से मेरी दोस्ती है। नेता और वकीलों के साथ भी उठना-बैठना है। सच कहूं तो वर्दी पहनने के बाद मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। मैंने कभी सोचा नहीं था कि कॉप का किरदार निभाऊंगी। आप जब वर्दी पहनते हैं, तब पता चलता है कि इस किरदार में करने के लिए क्या-क्या चीजें हैं। मैं सीरीज में ऐक्शन भी कर रही हूं, जिसमें शूटआउट से लेकर एनकाउंटर तक है। मैंने मार्शल आर्ट्स सीखा था। उस दौरान मुझे नहीं लगता था कि यह मेरे करियर के लिए फायदेमंद साबित होगा, लेकिन इसमें उसकी भी जरूरत पड़ गई।

दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं

आपने स्क्रीन पर मुझे बहुत कम देखा होगा। जितने ऑफर स्वीकार करती हूं, उससे ज्यादा नकार देती हूं। एक ही किरदार बार-बार ऑफर होता है तो गुस्सा आता है। इसी वजह से दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं। शुरुआत में सबकुछ करना चाहती थी लेकिन पिछले एक दशक से क्वॉलिटी वर्क पर ध्यान दे रही हूं। कई बार रिलीज के बाद काम उतना निखरकर नहीं आता या उसको फेम नहीं मिलता। हालांकि, बतौर कलाकार आप संतुष्ट रहते हैं कि अच्छा काम किया। हिट होना, ना होना प्रोजेक्ट की किस्मत है।

50 की उम्र का अनुभव 30 में ही कर लिया

हां, यह सच है कि लोगों ने मुझसे सोशल मीडिया पर बच्चों की फोटोज डालने को मना किया था। इस तरह की बातों पर मुझे अपनी मां की दी हुई सीख याद आती है। ये सच है कि सुनो सबकी करो अपनी। मैं उसी बात को फॉलो करती आ रही हूं। हालांकि, कभी-कभी भूल जाती हूं लेकिन फिर मां की बात याद आ जाती है। मां तो मां ही होती है। उन्हें लगता है कि मैंने जीवन में बहुत संघर्ष किया है लेकिन मैं ऐसा नहीं मानती, मुझे लगता है कि संघर्ष आगे करना है और करते रहना है। मेरा करियर जल्दी शुरू हो गया था। इस वजह से जो लोग 50 साल की उम्र में देखते-सीखते हैं, मैंने 30 में ही कर लिया था।

बचपन से ही लिखने का शौक रहा

टीवी इंडस्ट्री से मैं पिछले काफी समय से दूर हूं। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि मैं टीवी, फिल्म या ओटीटी के लिए काम कर रही हूं। अगर मुझे काम से संतुष्टि मिलती है तो मैं स्टेज पर भी परफॉर्म करने के लिए तैयार हूं। इन दिनों मैं थिएटर भी कर रही हूं और आगे नाटकों का निर्देशन भी करने की इच्छा है। ऐक्टर से पहले मैं राइटर थी। मुझे बचपन से ही लिखने का शौक रहा है। मैंने कई सारी स्क्रिप्ट लिख रखी हैं लेकिन अभी तक कुछ भी डायरेक्ट नहीं किया है। जल्द ही लोगों के सामने कुछ नया लेकर आऊंगी।

सामाजिक मुद्दों को लेकर आयुष्मान ने रखी अपनी राय

आयुष्मान खुराना इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्हें उनके बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए काफी पसंद किया जाता है। अभिनेता ने अपनी फिल्मों के जरिए ये साबित भी किया है। उनकी फिल्मों में अक्सर समाज के लिए एक संदेश होता है। हाल में ही अभिनेता एक बयान दिया है, जिस पर काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि वह एक कार्यकर्ता नहीं हैं, लेकिन लोग उनसे अपेक्षा करते हैं कि वो हर मुद्दे पर अपनी राय जाहिर करें। आयुष्मान अक्सर पर्दे पर ऐसी भूमिकाएं करते हैं, जिनमें वह किसी सामाजिक मुद्दे पर लोगों का ध्यान आकर्षित कराते हैं। हाल में ही वह दिल्ली में एक कार्यक्रम में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर अपनी सक्रियता और समाज में एक कलाकार की भूमिका को लेकर बात की। उन्होंने कहा,मैं एक कार्यकर्ता नहीं हूं, मैं एक अभिनेता और एक कलाकार हूं। मुझे जो कुछ भी कहना है, मैं अपनी कविता, संगीत या फिल्मों के माध्यम से कहता हूं। अभिनेता ने आगे कहा एक अभिनेता या कलाकार से लगातार उनकी राय जाहिर करने की अपेक्षा करना थोड़ा भोलापन है।

अभिनेता ने आगे कहा कि कलाकारों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता अक्सर बौद्धिक बुद्धिमत्ता से बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, हम भावनाओं से निपटते हैं, हम भावनाओं को बेचते हैं, हम भावनाओं का निर्माण करते हैं और यही हमारा मुख्य काम है, लेकिन साथ ही मैं एक सामाजिक रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाने की सर्वश्रेष्ठ कोशिश करता हूं।

सलमान खान-एटली की फिल्म पर लगी मुहर

जवान के बाद एटली के फैंस को उनकी नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में यह खबर सामने आई थी कि वह अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए सलमान खान से बातचीत कर रहे हैं। तब मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि दो हीरो वाली फिल्म की स्टोरीलाइन और आइडिया भाईजान को काफी पसंद आया था। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। खबरों की मानें तो सलमान को फिल्म की पटकथा बहुत पसंद आई है और उन्होंने इसमें काम करने के लिए हामी भर दी है। फिलहाल, इस फिल्म में सलमान का किरदार कैसा होगा इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो सलमान खुद इस फिल्म के लिए कमल हासन से बात कर रहे हैं। यह एटली की छठी फिल्म है। इसलिए इसे ए6 कहा जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो निर्देशक इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम अक्तूबर के महीने से शुरू करना चाहते हैं। निर्माताओं का प्लान है कि पहले इस फिल्म का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया जाए। उसके बाद से फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से शुरू की जाए। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान इस समय एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बन रही फिल्म सिकंदर में काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले हो रहा है। इसमें रश्मिका मंदाना भी हैं। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होने वाली है। सलमान को आखिरी बार टाइगर 3 में देखा गया था। एक्शन से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया था। फिल्म में शाहरुख खान भी पठान के रूप में कैमियो करते हुए नजर आए थे।

अक्टूबर में होगी अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग, शामिल होंगे संजय

इन दिनों अजय देवगन अपनी आगामी कॉमेडी-एक्शन फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 से शुरू होगी। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की शूटिंग के दौरान संजय दत्त के भी शामिल होने की बात सामने आई है। फिल्म सन ऑफ सरदार ने साल 2012 को रिलीज के बाद सिनेमाघरों में जमकर कमाई की थी। अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट आ रहा है, जिसकी शूटिंग इस साल अक्टूबर के महीने में पंजाब में शुरू की जाएगी। वहीं माडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय दत्त अक्टूबर 2024 में पंजाब में शूटिंग शुरू करने के लिए अजय देवगन और कलाकारों के साथ शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीजा संबंधी समस्याओं के कारण संजय को यूके की शूटिंग से बाहर होना पड़ा, जिससे फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं, लेकिन उनकी भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण होगी। प्रशंसक अजय और संजय की शानदार जोड़ी को फिर से स्क्रीन पर एक साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सन ऑफ सरदार 2 पिछले पार्ट से जुड़ा हुआ नहीं होगा। इसमें बिहारी और पंजाबी डॉन के बीच एक गैंगवार भी शामिल होगा। इसके अलावा, रवि किशन का मूल किरदार, जो पहले विजय राज को सौंपा गया था, अब संजय मिश्रा के लिए फाइनल किया गया है। संजय पहले पार्ट की तरह ही डॉन की भूमिका में नजर आएंगे, जो कहानी में गहराई और रोमांच जोड़ेंगे। फिल्म की शूटिंग फिलहाल यूके में चल रही है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं।

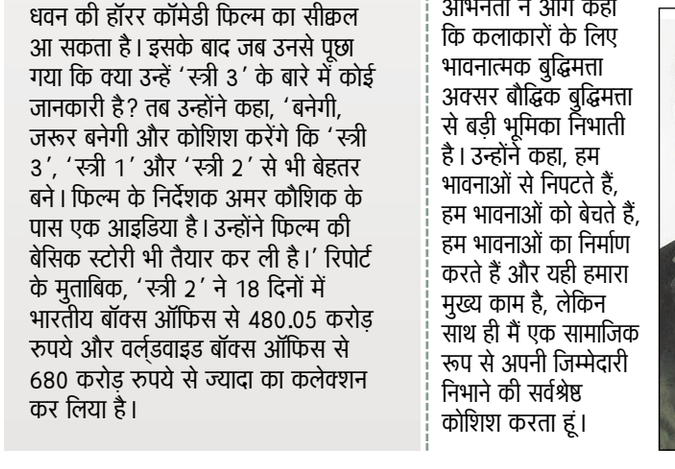

मिर्जापुर 3 को मिली प्रतिक्रियाओं पर बोलीं रसिका

मिर्जापुर अमेजन प्राइम वीडियो की सबसे लोकप्रिय भारतीय वेब सीरीज में से एक है। दर्शकों के द्वारा इसके पहले और दूसरे सीजन को काफी ज्यादा प्यार मिला था। इसके बाद इस सीरीज का तीसरा सीजन भी इस साल प्रीमियर हुआ। हालांकि, पहले दो सीजन के मुकाबले तीसरे सीजन को दर्शकों से उतना ज्यादा प्यार नहीं मिला। इस पर सीरीज में अहम किरदार में नजर आईं अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने हाल में ही अपने विचार साझा किए हैं।

मिर्जापुर 3 को मिली है मिश्रित प्रतिक्रिया

मिर्जापुर में एक से बढ़कर सितारों की लंबी-चौड़ी सूची रही है। अली फजल, पंकज त्रिपाठी, विजय वर्मा आदि कलाकारों के अभिनय से सजी इस सीरीज में रसिका दुग्गल भी बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आईं। इस साल रिलीज हुए तीसरे सीजन में भी उन्होंने अपने किरदार को आगे बढ़ाया। इस सीजन से दर्शकों को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं, लेकिन शो को दर्शकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली।

हर तरह की प्रतिक्रिया अच्छी और स्वागत योग्य है

दूसरे सीजन की रिलीज के लगभग चार साल के लंबे अंतराल पर इसका तीसरा सीजन रिलीज किया गया था। रसिका दुग्गल ने शो को मिले मिश्रित प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए कहा कि इस शो के फैंस काफी प्रतिबद्ध हैं, शो के तीन सीजन देखने और सराहने के बाद ये शो दर्शकों का भी उतना ही है, जितना उनका है। उन्होंने कहा, दर्शको ने सीजन 3 को पसंद किया है और कुछ ने टिप्पणी की है कि यह उनकी अपेक्षा से कैसे अलग था। मुझे लगता है कि हर तरह की प्रतिक्रिया अच्छी और स्वागत योग्य है। पिछले महीने ही अमेजन प्राइम इंडिया ने रसिका और अली फजल की कुछ तस्वीरें जारी की थीं। इन तस्वीरों ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया था। लोग कयास लगाने लगे थे कि इसके आने वाले सीजन में निर्माता जरूर कुछ नया प्लान कर रहे हैं। इस पर बात करते हुए रसिका ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें अच्छा लगता है कि मिर्जापुर से जुड़ा हर पोस्ट इस शो को लेकर एक नई चर्चा को जन्म देता है। उन्होंने कहा, मुझे अच्छा लगता है कि मिर्ज़ापुर के बारे में हर पोस्ट आने वाले समय के बारे में बातचीत को बढ़ावा देती है। हमारे पास सबसे अच्छे दर्शक है। इन तस्वीरों का उद्देश्य गुड्डू-बीना के रिश्ते को अब तक के स्टाइलिश रूप में पेश करना था।

सूर्या ने किया खुलासा - अपनी तय तारीख पर रिलीज नहीं होगी कंगुवा

सूर्या स्टारर फिल्म कंगुवा का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। मगर इसे लेकर दर्शकों का उत्साह थोड़ा कम हो सकता है, क्योंकि ये फिल्म अब अपनी रिलीज से आगे खिसका दी गई है। हालांकि, इसकी नई रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई खुलासा नहीं किया गया है। जल्द ही मेकर्स दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए घोषणा कंगुवा की नई रिलीज डेट की घोषणा करेंगे। सूर्या ने खुद इस खबर की पुष्टि करते हुए इसके पीछे की वजह बताई है। दरअसल, कंगुवा और रजनीकांत की वेट्टैयन 10 अक्टूबर को एक ही तारीख पर दस्तक देने वाली थीं। मगर रजनीकांत की फिल्म के चलते कंगुवा ने फिल्म की रिलीज स्थगित कर दी है। सूर्या ने फिल्म मैयाझागन के ऑडियो लॉन्च पर बताया कि रजनीकांत उनसे वरिष्ठ हैं, इसलिए निर्माताओं ने रिलीज को स्थगित करने और वेट्टैयन के लिए रास्ता बनाने का फैसला किया है। अपने भाई कार्थी की फिल्म मैयाझागन के ऑडियो लॉन्च पर बोलते हुए सूर्या ने कहा, ढाई साल से भी ज्यादा समय से 1000 से ज्यादा लोगों ने तमिल सिनेमा में एक खास फिल्म पेश करने के लिए कांगुवा के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की है। मुझे यकीन है कि आप वो प्यार और सम्मान देंगे। जब वो आएगा, तो उसे सब कुछ मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, 10 अक्टूबर को वेट्टैयन आ रही है। हमें सम्मान के लिए फिल्म को आगे बढ़ाना चाहिए।